जयपुर • कोटा • बीकानेर • उदयपुर • अजमेर • जालोर • हिण्डौनसिटी • चूरू

राष्ट्रदूत

epaper.rashtradoot.com

Rashtradoot

जयपुर, बुधवार 14 जनवरी, 2026

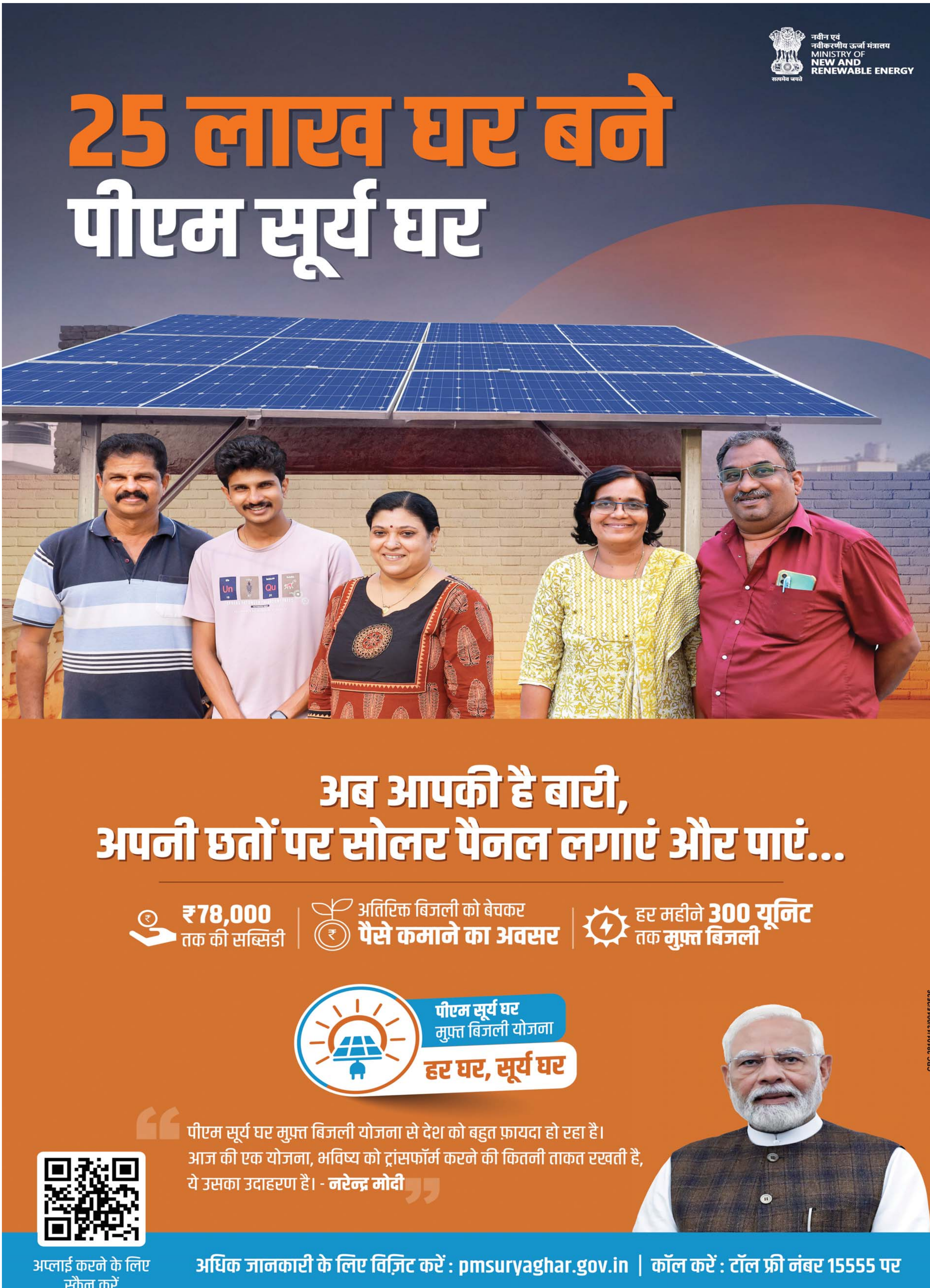

विचार बिन्दु

जीवन एक फूल है और प्रेम उसका मधु। –ह्यूगो

डिजिटल युग में लुप्त हो रहा कागज पर हाथ से लिखना

आज के डिजिटल युग में, जहां टेक्नोलॉजी और कंप्यूटर हमारे जीवन के हर पहलू में पसर गये हैं, वहां हाथ से लिखने की महत्वपूर्ण कला – कलम से कागज पर सुंदर अक्षरों में लिखना – भी लुप्त होती जा रही है। हस्तलेखन –हैंड राइटिंग– की कला ने इतिहास में मानव का सोच और व्यक्तित्व बनाने तथा संस्कृति के प्रवाह में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। लेकिन, डिजिटल उपकरणों और स्मार्टफोन के बढ़ते उपयोग के कारण, हाथ से लिखना धीरे-धीरे खत्म होता जा रहा है। कागज़- कलम से लिखना जीवन का केवल एक उपयोगी पक्ष नहीं था, बल्कि यह एक कला और व्यक्तित्व की अभिव्यक्ति का माध्यम भी था। पुराने समय में हाथ से लिखे पत्रों, किताबों और दस्तावेजों के माध्यम से ही ज्ञान का संचार संभव हुआ। हाथ से लिख कर व्यक्त किये गये विचारों में एक व्यक्तिगत छाप होती है, जो कंप्यूटर टाइपिंग के मुकाबले अधिक गहरी और भावनात्मक होती है। हाथ से लिखते हुए हमारे सोचने की प्रक्रिया उत्तेजित होती है। हाथ से लिखते हुए हम शब्दों को गहरे से समझते हैं और विचारों को स्पष्ट तरीके से व्यवस्थित करते हैं। यह हमारी रचनात्मकता और मानसिक विकास में सहायक होता है। कई शोधों से यह भी सिद्ध हुआ है कि हाथ से लिखते समय मस्तिष्क के विभिन्न हिस्से सक्रिय होते हैं जो कि टाइपिंग के दौरान नहीं हो पाते हैं। हालांकि डिजिटल तकनीक के प्रसार के कारण स्मार्टफोन, टैबलेट और कंप्यूटर जैसे उपकरणों ने बहुत सारे कामों को तेज गति से करने और उन्हें सुविधाजनक बनाने की क्षमता जरूर प्रदान की है। अब इन उपकरणों का उपयोग संवाद, लेखन, शैक्षिक कार्य और मनोरंजन के लिए खूब होने लगा है। इसकी वजह से हाथ से लिखने की जरूरत कम हो चली है। आधुनिक जीवन की भागदौड़ और समय की कमी ने लोगों को जल्दी और प्रभावी तरीके से काम करने के लिए प्रेरित किया है। टाइपिंग की गति और प्रभावशीलता हाथ से लिखने के प्रचलन को धीरे-धीरे अप्रचलित बना रही है। अब तो बोलें और टाइप हो जाता है। शैक्षिक जगत में बदलाव के चलते कई स्कूलों और कॉलेजों में भी अब कंप्यूटर और लैपटॉप के उपयोग को प्राथमिकता दी जाने लगी है। जहां पहले छात्रों को हाथ से लिखने और उनके सुलेख पर जोर दिया जाता था, अब डिजिटल माध्यमों से ही कार्य पूरे किए जाते हैं। कंप्यूटर टाइपिंग में हर शब्द और वाक्य समान आकार और रूप में होते हैं, जबकि हाथ से लिखे में वे अक्सर भिन्न होते हैं। इससे भी हस्तलेखन की ओर आकर्षण कम हो रहा है, क्योंकि लोग अधिक व्यवस्थित और साफ-सुथरे रूप में काम करना पसंद करते हैं। लेकिन हम यह नहीं भूल सकते कि हस्तलेखन एक मानसिक अभ्यास रहा है। यह न केवल हमारी रचनात्मकता को बढ़ाता है, बल्कि मानसिक स्वास्थ्य पर भी सकारात्मक प्रभाव डालता है। वैज्ञानिक कहते हैं कि जब हम हाथ से लिखते हैं, तो हमारे मस्तिष्क में एक मजबूत कनेक्शन बनता है, जो हमारे विचारों को बेहतर तरीके से सहेजने और याद रखने में मदद करता है। यह बच्चों के लिए विशेष रूप से फायदेमंद होता है, क्योंकि इससे उनका ध्यान पाठ पर केंद्रित रहता है और उनका मानसिक विकास बेहतर होता है। हस्तलेखन प्रत्येक व्यक्ति का व्यक्तिगत हस्ताक्षर भी होता है जो उसके सोचने और लिखने के तरीके को दर्शाता है, जो कंप्यूटर टाइपिंग में नहीं हो सकता। हालांकि लिपि की कला, कैलिग्राफी, आज भी लोगों के बीच लोकप्रिय है और जिसके माध्यम से कलाकार अपनी कला और रचनात्मकता को व्यक्त करते हैं।

भले ही हम आज डिजिटल युग में जी रहे हैं, जहां हर कार्य टेक्नोलॉजी के माध्यम से किया जा रहा है, जिसमें लिखना भी शामिल है। लेकिन हस्तलेखन की कला को नजरअंदाज नहीं किया जा सकता। यह न केवल हमारी संस्कृति का हिस्सा रही है, बल्कि मानसिक विकास और रचनात्मकता के लिए भी महत्वपूर्ण है। इस धरोहर को संरक्षित रखने की आवश्यकता है, खासकर बच्चों और युवाओं को इस कला का अभ्यास जारी रखने के लिए प्रेरित करते रहना जरूरी है। शिक्षा जगत के लोग मानते हैं कि डिजिटल दुनिया में एक संतुलन बनाए रखते हुए हस्तलेखन की कला को प्रोत्साहित करना एक बेहतर कदम होगा क्योंकि कलम से कागज पर हाथ से लिखने के बजाय अब लोग कलम उठाने की जहमत नहीं उठाते हैं और उसकी जगह टाइप करने या स्वाइप करने के लिए अपने हाथों का उपयोग अधिक करते हैं। ऐसे में कुछ लोग यह सवाल कर रहे हैं कि क्या हम अपने संज्ञानात्मक कौशल, संवेदी अनुभव, और सबसे बढ़ कर इतिहास से जुड़ाव को खोने जा रहे हैं? अब तो किसी सेलिब्रिटी से भी कागज पर ऑटोग्राफ मांगने के बजाय उसके साथ सेल्फी मांगी जाने लगी है। हममें से बहुत कम लोग अपने विचारों को लिखने, मित्रों से पत्र-व्यवहार करने, और यहां तक कि किराने का सामान खरीदने के लिए सूची बनाने के लिए, कलम उठाते हुए मिलते हैं।

हमें यह नहीं भूल चाहिए कि हस्तलेखन एक मानसिक अभ्यास रहा है। यह न केवल हमारी रचनात्मकता को बढ़ाता है, बल्कि मानसिक स्वास्थ्य पर भी सकारात्मक प्रभाव डालता है। वैज्ञानिक कहते हैं कि जब हम हाथ से लिखते हैं, तो हमारे मस्तिष्क में एक मजबूत कनेक्शन बनता है, जो हमारे विचारों को बेहतर तरीके से सहेजने और याद रखने में मदद करता है।

डिजिटल दुनिया में हस्तलेखन एक व्यावहारिक कौशल के रूप में बेकार लगने लगा है। धीरे-धीरे ख़राब होते इस कौशल से हो रहे नुकसान पर किसी का ध्यान नहीं जाता। जब कभी हाथ से कुछ लिखने का काम पड़ता है तो अनेक लोग कागज़ पर कलम चलाने में खुद को असमंजस में पाते हैं। किसी ने मजाक में कहा कि कुछ लोग अब भी कभी-कभी हाथ से लिखते हैं जैसे जब वे चैक काटते हैं। डिजिटल तकनीक ने तो चैक काटने को भी निरर्थक कर दिया है, क्योंकि बैंकों का लेनदेन ऑन-लाइन हो गया है। या अब शायद केवल शिक्षक ही रह गये हैं जो बोर्ड पर हाथ से लिखते हैं। वहां भी स्मार्ट बोर्ड आ गये हैं। जब लिखावट गायब हो जाती है तो हम कुछ खो देते हैं। जानकार कहते हैं कि इससे हम मापने योग्य संज्ञानात्मक कौशल ही नहीं खोते हैं, बल्कि अपने हाथों और लेखन उपकरण का उपयोग करने की खुशी को भी खो देते हैं। हम स्याही और कागज के संवेदी अनुभव और हस्तलिखित शब्द के दृश्य आनंद को भी खो देते हैं। हम टाइप या स्वाइप करते हुए अपने हाथों का जरूर उपयोग करते हुए संवाद तो खूब करते हैं, लेकिन कम शारीरिक प्रयास के साथ। हम अपने उस विशाल इतिहास को भूल जाते हैं जिसने हमें अपनी दुनिया को समझने के साधन के रूप में शारीरिक गति और अभिव्यक्ति के लिए लेखन के जरिए उपयुक्त बनाया।

लिखावट में स्पष्टता केवल संचार में ही सहायक नहीं होती है। हाथ से लिखना, किसी अक्षर को ट्रेस करने या टाइप करने के जैसा नहीं होता बल्कि उसके उलट होता है। यह मस्तिष्क को पढ़ना सीखने के लिए तैयार करता है। छात्रों की सीखने की प्रक्रिया पर लैपटॉप के उपयोग का कैसा असर होता है इसका विशेषज्ञों ने अध्ययन किया है। उन्होंने पाया कि यदि लैपटॉप का उपयोग केवल नोट्स लेने के लिए ही किया जाता है, तब भी छात्रों का सीखना बाधित हो सकता हैं, क्योंकि उनके उपयोग में उथली प्रक्रिया होती है। तीन प्रयोगों के जरिए अनुसंधानकर्ताओं ने निष्कर्ष निकाला कि लैपटॉप कंप्यूटर का उपयोग करने वाले छात्रों ने हाथ से नोट्स लेने वाले छात्रों की तुलना में वैचारिक प्रश्नों पर खराब प्रदर्शन किया। उनका कहना है कि लैपटॉप से नोट लेने वालों की व्याख्यान को शब्दशः लिखने की प्रवृत्ति होती है, न कि सूचना को संसाधित करने और इसे अपने शब्दों में फिर से तैयार करने की। इससे सीखने की हानि होती है। दूसरे शब्दों में, जब हम हाथ से लिखते हैं तो हम जानकारी को बेहतर तरीके से याद रखते हैं, क्योंकि लिखने की धीमी गति हमें संक्षेप में लिखने के लिए बाध्य करती है, जबकि की-बोर्ड पर लिखने की गति अधिक होती है। एक बार मशहूर गायक बॉब डायलन के प्रशंसक तब खूब नाराज हुए जब उन्हें पता चला कि उनकी महंगी पुस्तक, 'द फिलॉसफी ऑफ मॉडर्न सॉन्ग', के साथ जो आधिकारिक प्रमाण पत्र आया था कि यह पुस्तक डायलन द्वारा व्यक्तिगत रूप से हस्ताक्षिरत है, वह वास्तव में ऑटोपेन के उपयोग का कमाल था। डायलन ने बाद में अपने फेसबुक पेज पर एक बयान जारी करने का असामान्य कदम उठाया और स्पष्टीकरण दिया। डायलन ने लिखा, "ऑटोपेन का उपयोग करने का विचार मुझे सुझाया गया था, साथ ही यह आश्वासन भी दिया गया था कि इस तरह की चीजें कला और साहित्य की दुनिया में हर समय की जाती हैं।" उन्होंने यह भी स्वीकार किया कि खुद सभी दस्तखत करने के बजाय मशीन का उपयोग करना मेरे निर्णय में त्रुटि थी और मैं इसे तुरंत सुधारना चाहता हूं। मुझे प्रत्येक प्रति पर अपने हाथ से हस्ताक्षर करने चाहिये थे। यह दृष्टांत मशीन द्वारा बनाए गए हस्ताक्षरों के बारे में हमारी भावनाएं स्पष्ट करता है। अभिलेखीय शोध तो हर काल में हस्तलिखित शब्द को समझने की चुनौतियों से ही भरा रहा है। हम लंबे समय से विगत के विषयों को उनकी लिखावट की विचित्रताओं के माध्यम से जानते आये हैं। हैंड राइटिंग विशेषज्ञों के अनुसार एक व्यक्ति जब भावनात्मक आवेश में लिखता है, तब उसकी लिपि मकड़ी जैसी और छोटी हो जाती है। जबकि दूसरे के सुंदर पृष्ठ मध्ययुगीन भिक्षु के परिश्रम जैसा प्रदर्शन करते हैं। सुलेखक बर्नार्ड मैसनर का तर्क है कि-"सुलेख, और अधिक व्यापक रूप से हस्तलेखन," किसी चीज़ को बार-बार पुनः प्रस्तुत करने के लिए नहीं है। इसका उद्देश्य मानवता, प्रतिक्रियाशीलता और विविधता को दिखाना है।

–अतिथि संपादक,
राजेन्द्र बोड़ा
(वरिष्ठ पत्रकार एवं विश्लेषक)

वीबी-जी राम जी अधिनियम-2025 ग्रामीण भारत के समग्र विकास की नई दिशा

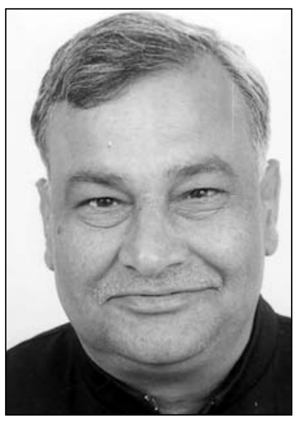

डॉ. किरोड़ी लाल मीणा

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की पहल पर संसद द्वारा पारित 'विकसित भारत-गारंटी फॉर रोजगार एवं आजीविका मिशन (ग्रामीण) अधिनियम, 2025' (वीबी-जी राम जी) ने ग्रामीण भारत के समग्र विकास की एक नई दिशा प्रस्तुत की है। महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी अधिनियम (मनरेगा) ने गत 2 दशकों में ग्रामीण अर्थव्यवस्था को एक न्यूनतम सुरक्षा जाल प्रदान किया। बदलते समय, जलवायु चुनौतियों, तकनीकी प्रगति और 2047 के 'विकसित भारत' के लक्ष्य के अनुरूप बनाने की दृष्टि से "वीबी - जी राम जी अधिनियम 2025" लागू किया गया है।

राजस्थान जैसे भौगोलिक और जलवायु की दृष्टि से चुनौतीपूर्ण राज्य के लिए यह अधिनियम ग्रामीण सशक्तिकरण की दृष्टि से अत्यंत उपयोगी है। मानसून की अनिश्चितता, सूखा संभावित क्षेत्र, मौसमी बेरोजगारी और कृषि-श्रम प्रबंधन की जटिलताएं आदि के बीच यह नया अधिनियम ग्रामीण आजीविका को अधिक संतुलित, परिणाम-उन्मुख और तकनीक-समर्थ बनाता है।

पूर्व में लागू मनरेगा का फोकस मुख्यतः 'काम उपलब्ध कराने' तक सीमित था। इसके विपरीत, "वीबी-जी राम जी" रोजगार को गांव के समग्र विकास और 2047 के विकसित भारत के लक्ष्यों से जोड़ता है। रोजगार गारंटी को 100 दिनों से बढ़ाकर 125 दिन करना ग्रामीण परिवारों की आय स्थिरता और उपभोग सुरक्षा को मजबूत करने का संकेत है। साथ ही, मांग आधारित प्रकृति को बनाए रखते हुए केंद्र द्वारा सुनिश्चित निधि आवंटन और राज्यों की सहभागिता इस योजना को अधिक उत्तरदायी बनाती है।

राजस्थान में वर्षों से यह समस्या रही है कि बुवाई-कटाई जैसे व्यस्त कृषि मौसमों में भी सरकारी कार्य चलते रहने से किसानों को मजदूरों की कमी और लागत वृद्धि का सामना करना पड़ता था। "वीबी-जी राम जी" की धारा 7(4) ने इस समस्या का बेहतरीन समाधान प्रस्तुत किया है। राज्य सरकारों को मुख्य कृषि मौसम के दौरान सालाना 60 दिनों का 'कार्य-विराम' घोषित करने का अधिकार दिया गया है। यह विराम श्रमिकों के अधिकारों में कटौती नहीं करता; बल्कि वार्षिक रोजगार गारंटी 125 दिन होने से श्रमिकों की कुल आय संभावना बढ़ेगी और इससे किसान-मजदूर संबंध प्रतिस्पर्धी नहीं, बल्कि पूरक बनेंगे।

राजस्थान में मनरेगा के क्रियान्वन में 'कच्चे-पक्के' कार्यों, फर्जी मस्टर रोल और बिचौलियों की शिकायतें लंबे समय तक सुर्खियां बनती रहीं हैं। इसके लिए राजस्थान में मनरेगा के अन्तर्गत दर्ज श्रमिक उपस्थिति की जांच एनएमएमएस पोर्टल के माध्यम से करने से वित्तीय वर्ष 2024-25 के अंतिम 6 माह में 1209 करोड़ रूपये व वित्तीय वर्ष 2025-26 में माह दिसम्बर तक 1855 करोड़ रूपये की राजकीय राशि की छीजत को रोककर बचत की गई है। "वीबी-जी राम जी" योजना लागू होने के बाद तकनीक आधारित निगरानी से राजकीय राशि की बचत का सहज ही अनुमान लगाया जा सकता है।

डिजिटल आर्किटेक्चर को कानून का अनिवार्य हिस्सा बनाकर नये अधिनियम में इन संभावनाओं को सीमित किया है। बायोमेट्रिक उपस्थिति, जियो-टैगिंग, लाइव डैशबोर्ड, साप्ताहिक सार्वजनिक अपडेट और धोखाधड़ी नियंत्रण उपकरण आदि ने मिलकर इसे पारदर्शी बना दिया है। पहले ही जन-सूचना पोर्टलों के माध्यम से पारदर्शिता की दिशा में कदम बढ़ाने वाले राजस्थान में अब तकनीक आधारित निगरानी से फर्जी लाभार्थियों पर निर्णायक अंकुश लग सकेगा।

ग्रामीण श्रमिकों को समय पर भुगतान करने के लिये नये अधिनियम में साप्ताहिक भुगतान और किसी भी परिस्थिति में 14 दिनों से अधिक देरी नहीं होना सुनिश्चित किया गया। देरी की स्थिति में स्वतः मुआवजे का प्रावधान वित्तीय अनुशासन को सुनिश्चित करता है। यह व्यवस्था राजस्थान के उन लाखों श्रमिकों के लिए राहत है जिनकी दैनिक जरूरतें समय पर भुगतान पर निर्भर रहती हैं।

मनरेगा की एक बड़ी आलोचना यह थी कि कई कार्य स्थायी महत्व के नहीं होते थे। "वीबी-जी राम जी" ने कार्यों को चार स्पष्ट श्रेणियों- जल सुरक्षा, ग्रामीण बुनियादी ढांचा, आजीविका व संपत्तियां और आपदा तैयारी में वर्गीकृत कर 'परिणाम' को केंद्र में रखा है। पश्चिमी राजस्थान में टांका निर्माण, वर्षा जल संचयन और जोहड़ पुनरुद्धार से जल सुरक्षा को नई ऊर्जा मिलेगी। गांवों को सड़कों और बाजारों से जोड़ने वाला टिकाऊ ढांचा, स्वयं सहायता समूहों के लिए संसाधन केंद्र और भंडारण, तथा बाढ़ व सूखा प्रबंधन के स्थायी उपाय आदि कार्य ग्रामीण अर्थव्यवस्था की उत्पादकता बढ़ाएंगे। 'पीएम गति-शक्ति' के साथ एकीकरण से स्थानीय परिसंपत्तियां राष्ट्रीय विकास में महत्त्वपूर्ण योगदान दे सकेगी।

केंद्र राज्य लागत साझेदारी का 60:40 मॉडल राज्यों को अधिक जिम्मेदार बनायेगा। प्रशासनिक व्यय-सीमा को 6 प्रतिशत से बढ़ाकर 9 प्रतिशत करने से तकनीकी विशेषज्ञता, प्रशिक्षण, निगरानी और पारिश्रमिक को सुदृढ़ करने का अवसर प्राप्त होगा। राजस्थान जैसे बड़े भौगोलिक क्षेत्र वाले राज्य में यह प्रशासनिक क्षमता विस्तार का महत्वपूर्ण कदम है।

इस अधिनियम में हर छह महीने में अनिवार्य सोशल ऑडिट, डिजिटल साक्ष्यों की सार्वजनिक उपलब्धता, कार्यस्थलों पर डिस्प्ले बोर्ड और जिला स्तरीय लोकपाल प्रावधान ने इस योजना को जन केंद्रित बनाया हैं। शिकायत निवारण के लिए निश्चित समय सीमाएं और बहु स्तरीय डिजिटल प्रणाली, भ्रष्टाचार मुक्त क्रियान्वयन की दिशा में विश्वास जगाती हैं।

यह अधिनियम रोजगार, तकनीक और जवाबदेही का संगम है। इसमें अधिकार सुनिश्चित करने के लिए तकनीक को माध्यम बनाया है। 125 दिनों का काम, कृषि मौसम के अनुरूप श्रम प्रबंधन, समय पर भुगतान और स्थायी परिसंपत्तियों का निर्माण जैसे प्रावधान ग्रामीण राजस्थान को आत्मनिर्भर बनाने की क्षमता रखते हैं। 'सबका साथ, सबका विकास और सबका प्रयास' के दृष्टिकोण को मूर्त रूप देता यह अधिनियम अंतिम पंक्ति में खड़े व्यक्ति तक लाभ पहुंचायेगा। 'विकसित भारत-गारंटी फॉर रोजगार एवं आजीविका मिशन (ग्रामीण) 2025' एक सामाजिक-आर्थिक संकल्प है। इसके प्रभावी क्रियान्वयन से राजस्थान के गांवों में विकास और समृद्धि का नया सूर्योदय होगा।

- डॉ. किरोड़ी लाल मीणा,
कृषि एवं ग्रामीण
विकास मंत्री

पर्यावरण, सड़क सुरक्षा तथा रोजगार बढ़ाने की दृष्टि से महत्वपूर्ण है भजनलाल सरकार की राजस्थान वाहन स्क्रैपिंग नीति-2025

ईंधन दक्षता बढ़ने, मेंटीनेंस कॉस्ट घटने और नए वाहन खरीद पर इंसेंटिव मिलने से दोहरे लाभ में रहेगा वाहन स्वामी

वॉलंटरी व्हीकल फ्लीट मॉडर्नाइजेशन प्रोग्राम को राज्य में मिलगी नई ऊर्जा

अमृता कटारा

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा की अध्यक्षता में गत 30 दिसम्बर को आयोजित मंत्रिमण्डल की बैठक में प्रदेश में पर्यावरण सुरक्षा, हरित एवं टिकाऊ विकास को प्रोत्साहन देने, सड़क सुरक्षा को बढ़ावा देने, ऑटो सेक्टर ग्रोथ और रोजगार संवर्धन के लिए अपंजीकृत, अनफिट और कबाड़ वाहनों की स्क्रैपिंग के लिए लाई गई राजस्थान वाहन स्क्रैपिंग नीति-2025 राजपत्र में 2 जनवरी को प्रकाशित होने के साथ ही लागू हो गई है। यह नीति प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी द्वारा 13 अगस्त, 2021 को लॉँच किए गए वॉलंटरी व्हीकल फ्लीट मॉडनाइजेशन प्रोग्राम तथा प्रधानमंत्री जी के वर्ष 2070 तक नेट जीरो ऊत्सर्जन लक्ष्य को राज्य में नई ऊर्जा देगी। राज्य ग्रीन बजट 2025-26 में योजना व्यय का 11.34 प्रतिशत पर्यावरण को समर्पित है, राज्य को वर्ष 2030 तक 350 बिलियन डॉलर इकोनॉमी बनाने का लक्ष्य है। इस सबको देखते हुए यह नीति अति महत्वपूर्ण साबित होने जा रही है।

वैज्ञानिक, सुरक्षित एवं पर्यावरणीय मानकों के अनुरूप स्क्रैप होंगे वाहन-

बजट वर्ष 2025-26 की घोषणा की अनुपालना में लाई गई राजस्थान वाहन स्क्रैपिंग नीति-2025 प्रदेश में सड़क पर चलने में अयोग्य एवं प्रदूषणकारी वाहनों को चरणबद्ध रूप से हटाकर उनके वैज्ञानिक, सुरक्षित एवं पर्यावरणीय मानकों के अनुरूप निपटान करने के उद्देश्य से लागू की गई है। इस नीति के अंतर्गत राज्य में रजिस्टर्ड व्हीकल स्क्रैपिंग फैसिलिटीज (आरवीएसएफ) की स्थापना को बढ़ावा दिया जाएगा, जिनके माध्यम से वाहनों की स्क्रैपिंग पूरी तरह पारदर्शी, डिजिटल और ट्रेसेबल होगी। सभी स्क्रैपिंग प्रक्रियाएं राष्ट्रीय परिवहन डिजिटल रजिस्ट्री पोर्टल 'वाहन' से एकीकृत होंगी, जिससे स्क्रैप योग्य वाहनों के अनाधिकृत उपयोग की संभावना समाप्त होगी। केन्द्रीय परिवहन और राजमार्ग मंत्रालय द्वारा जारी आंकडों के अनुसार बीएस 6 मानक वाले 14 ट्रक/बस/ट्रेलर प्री बीएस मानक वाले 1 ही ट्रक/बस/ट्रेलर तथा बीएस 6 मानक वाली 11 कार प्री बीएस मानक वाली 1 कार के बराबर प्रदूषण के लिए जिम्मेदार है। 1 अप्रेल, 2020 से बेचे जा रहे सभी वाहनों के लिए पूरे देश में बीएस 6 मानक लागू हैं लेकिन राज्य के आमजन विशेषकर बच्चों, वृद्धों और बीमार व्यक्तियों को जानलेवा प्रदूषण से बचाने के लिए खटारा और अनफिट वाहनों को सड़क से हटाने के लिए विशिष्ट पहल की आवश्यकता थी जो इस नई नीति से पूरी हुई है।

वाहन स्वामी को मिलेगी बेहतर सड़क सुरक्षा और आर्थिक प्रोत्साहन-

पुराने और कबाड़ वाहन से छुटकारा पाकर वाहन स्वामी ईंधन दक्षता में वृद्धि, मेंटीनेंस कॉस्ट में कमी से दोहरे लाभ में रहेगा। उसे राजस्थान में अधिकृत वाहन डीलर से नया वाहन खरीदने पर मोटर वाहन टैक्स में 50 प्रतिशत तक (अधिकतम एक लाख रूपए) छूट मिलेगी।

15 वर्ष से अधिक पुराने सरकारी वाहन, फिटनेस/पंजीकरण रहित वाहन, दुर्घटनाग्रस्त, क्षतिग्रस्त वाहन, नीलामी में खरीदे गए कबाड़ वाहन, अनुपयोगी वाहन या स्वेच्छा से आरवीएसएफ को दिए गए वाहन इस नीति के अंतर्गत स्क्रैप किए जा सकेंगे। अधिकृत स्क्रैप सेंटर से वाहन स्वामी को सर्टिफिकेट ऑफ डिपॉजिट (सीओडी) और सर्टिफिकेट ऑफ व्हीकल स्क्रैपिंग (सीवीएस) जारी किए जाएंगे। साथ ही, वाहन पोर्टल पर भी डिजिटल रूप में अपलोड किए जाएंगे।

रजिस्टर्ड स्क्रैपर स्क्रैप किए गए वाहन के चैसिस नम्बर के कट पीस को सीवीएस जारी होने की तारीख से 6 माह तक सेफ कस्टडी में रखेंगे। इसके बाद वे इसे जिला परिवहन अधिकारी को जमा करेंगे, जहां इसे 18 माह तक सेफ कस्टडी में रखा जाएगा। राजस्थान में पंजीकृत वाहन का अनिवार्य रूप से आरवीएसएफ में निपटान किया जाएगा। राज्य में स्थित आरवीएसएफ में देश में कहीं भी पंजीकृत वाहन का निपटान किया जा सकता है।

उद्योगों को मिलेगा बढ़ावा, रोजगार संवर्धन को लगेंगे पंख -

राजस्थान वाहन स्क्रैपिंग नीति-2025 के माध्यम से सर्कुलर इकोनॉमी को मजबूती मिलेगी। केन्द्र सरकार के आंकडों के अनुसार राज्य में बिना फिटनेस व रजिस्ट्रेशन वाले 6 लाख वाहन हैं। इनमें से ज्यादातर सड़कों पर भी नहीं आते। इनके स्क्रैपिंग से प्राप्त स्टील, एल्युमिनियम, प्लास्टिक, रबर व अन्य सामग्री का पुनः उपयोग संभव होगा, जिससे ऑटोमोबाइल, इलेक्ट्रॉनिक, स्टील एवं मैन्युफैक्चरिंग सेक्टर को सस्ती कच्ची सामग्री उपलब्ध होगी। रीको न्यूनतम 10 एकड क्षेत्र में इंडस्ट्रियल क्लस्टर इको पार्क के रूप में विकसित करवाएगा, इन्हें लैंड यूज में छूट मिलेंगी। इको पार्क में विभिन्न ईकाईयों का साझा आधारभूत ढ़ांचा और प्लग एंड प्ले मॉड्यूल राज्य के आर्थिक विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभायेगा। ईको पार्क स्थापना में लैंड यूज सम्बंधी विभिन्न प्रकार रियायते मिलेंगी। राजस्थान निवेश प्रोत्साहन योजना-2024 के सुसंगत रिसाईकल्ड मैटेरियल उपयोग करने वाली ईकाइयों को राजस्व और गैर राजस्व प्रोत्साहन दिये जायेंगे। आरवीएसएफ राज्य के किसी भी रजिस्टर्ड स्क्रेपर को कलेक्शन सेंटर घोषित कर सकती है।

राज्य में 120 से ज्यादा ऑटोमेटिव व ऑटो कम्पोनेंट निर्माण यूनिट संचालित हैं जिनमें होंडा, अशोक लीलेंड और हीरो मोटर कॉर्प जैसे बड़े प्लेयर्स शामिल हैं। इन इकाईयों को रॉ मेटेरियल आसानी से और प्रतिस्पर्धी दर पर उपलब्ध होगा जिससे ये अपनी क्षमता विस्तार कर राज्य के औद्योगिक और रोजगार क्षेत्र को नई दिशा देने में सक्षम होंगी। पॉलिसी से अनौपचारिक और असंगठित स्क्रैप उद्योग को आधिकारिक दर्जा मिलेगा, बेहतर निगरानी और संगठित होने से यह उद्योग राज्य की अर्थव्यवस्था को गति देने में अपनी महत्वपूर्ण भूमिका निभा पाएगा, राज्य और केन्द्र सरकार के विभिन्न इंसेंटिव प्राप्त कर पाने में सक्षम होगा। स्क्रैपिंग व रिसाईकल की बढ़ती जरूरतों को पूरा करने के लिए स्किल डवलपमेंट संस्थानों की आवश्यकता होगी जिससे रोजगार के क्षेत्र में नया आयाम जुड़ेगा।

पंजीकृत स्क्रैपिंग यूनिट्स के लिए मिलेंगी विशेष रियायतें-

स्क्रैपिंग नीति में निवेश को आकर्षित करने हेतु पंजीकृत स्क्रैपिंग यूनिट्स के लिए विशेष प्रोत्साहन दिए गए हैं, जिनमें प्रारंभिक 20 इकाइयों को पूंजी निवेश पर 25 प्रतिशत इंसेंटिव (अधिकतम 20 लाख रू.) निवेश सब्सिडी पर 5 साल के लिए 50 प्रतिशत स्टेट टैक्स की छूट, ब्याज दर में 5 वर्ष तक छूट मिलेगी। 5 करोड़ रूपये तक, 5 से 10 करोड रूपये तक, 10 से 50 करोड रूपये पर क्रमशः 6, 4 और 3 प्रतिशत ब्याज दर छूट का प्रावधान है। साथ ही, रिसाइक्लिंग एवं स्क्रैपिंग से जुड़े स्टार्टअप्स को राजस्थान स्टार्टअप पॉलिसी के अंतर्गत समर्थन देने का प्रावधान किया गया है। इसके अतिरिक्त 5 साल के लिए 50 प्रतिशत स्टेट टैक्स की छूट भी दी जाएगी।

मुख्य सचिव की अध्यक्षता में स्टीयरिंग कमेटी गठित-

पॉलिसी के प्रभावी क्रियान्वयन और निगरानी के लिए मुख्य सचिव वी. श्रीनिवास की अध्यक्षता में स्टीयरिंग कमेटी गठित की गई है जो स्थायी समिति का भी कार्य करेगी। परिवहन विभाग को नोडल ऐजेंसी बनाया गया है।

–अमृता कटारा,
एपीआरओ, डीआईपीआर

बेटे-बहू ने दिवंगत मां का नेत्रदान-देहदान किया

कोटा, (निसं)। शाइन इंडिया फाउंडेशन के नेत्रदान, अंगदान, देहदान जागरुकता अभियान से प्रेरित होकर अब शहर में देहदान करने वालों की संख्या बढ़ने लगी है। संस्था के प्रयासों से हाड़ोती संभाग के 350 से अधिक लोग अपना देहदान संकल्प पत्र संस्था के साथ भर चुके हैं।

डेढ़ वर्ष पूर्व आशीर्वाद आनंदम, आरकेपुरम निवासी सहगल परिवार के तीनों बेटे योगेश, नागेश और राजेश सहगल और बहुएं कविता, प्रमिला, राजन की सहमति से माँ मंगला सहगल ने अपना देहदान संकल्प पत्र भरा था। उसी दिन योगेश चंद्र सहगल व कविता सहगल ने अपनी माँ के देहदान संकल्प से प्रेरित होकर अपना भी देहदान संकल्प पत्र शाइन इंडिया के साथ भर दिया था। सोमवार शाम मंगला सहगल ने अपनी अंतिम सांस ली। चिकित्सकों द्वारा मृत्यु की पुष्टि करते ही पुत्र योगेश ने तुरंत ही शाइन इंडिया फाउंडेशन को संपर्क कर माता मंगला के देहदान संकल्प को पूरा करवाने की इच्छा जताई। डॉ गौड़ ने तुरंत ही, चिकित्सकिय परीक्षण कर मंगला सहगल की देह को सुबह तक संरक्षित करने के दिशा निर्देश दिए और उसी समय नेत्रदान का कार्य संपन्न करवाया। मंगलवार सुबह 11 बजे, परिवार के सभी सदस्यों की सहमति से निवास स्थान से मंगला सहगल की अंतिम यात्रा सुधा मेडिकल कॉलेज में पहुंची, जहां के भावी चिकित्सकों ने दिवंगत मंगला सहगल की मृत देह पर पुष्प वर्षा और नमन कर उनकी मृत देह को मूक शिक्षक के रूप में स्वीकार किया। मेडिकल ऑफिसर विशाल जैन ने देह प्राप्ति के उपरांत शोकाकुल परिवार के सदस्यों को मेडिकल कॉलेज की ओर से प्रशस्ति पत्र भेंट किया।

राशिफल

पंडित अनिल शर्मा

बुधवार 14 जनवरी, 2026

माघ मास, कृष्ण पक्ष, एकादशी तिथि, बुधवार, विक्रम संवत 2082, अनुराधा नक्षत्र रात्रि 3:04 तक, गंड योग सायं 7:56 तक, बालव करण सायं 5:53 तक, चन्द्रमा आज वृश्चिक राशि में संचार करेगा।

ग्रह स्थिति: सूर्य-धनु, चन्द्रमा-वृश्चिक, मंगल-धनु, बुध-धनु, गुरू-मिथुन, शुक्र-मकर, शनि-मीन, राहु-कुम्भ, केतु-सिंह

आज सर्वार्थ सिद्धि योग और अमृत सिद्धि योग सूर्योदय से रात्रि 3:04 तक है। राजयोग सायं 5:53 से रात्रि 3:04 तक है।

आज माघ संक्रांति, सूर्य मकर में प्रवेश दिन 3:07 पर करेगा। पुण्यकाल प्रातः 8:43 से सम्पूर्ण दिन रहेगा। आज षटतिला एकादशी व्रत, मकर संक्रांति पर्व, गंगा सागर स्नान और यात्रा है। आज धनु मल मास समाप्त होगा। आज पोंगल (द.भारत में) माघ बिहु है।

श्रेष्ठ चौघड़िया: लाभ-अमृत सूर्योदय से 9:59 तक, शुभ 11:17 से 12:36 तक, चर 3:13 से 4:31 तक, लाभ 4:31 से सूर्यास्त तक।

राहूकाल: 12:00 से 1:30 तक। सूर्योदय 7:21, सूर्यास्त 5:50

मेष
चन्द्रमा अष्टम भाव में शुभ नहीं है। शुभ-मांगलिक कार्यों में व्यवधान हो सकता है। आवश्यक कार्यों में विलम्ब हो सकता है। पारिवारिक कार्यों के कारण भागदौड़ रहेगी।

वृष
परिवार में आपसी सहयोग-समन्वय बना रहेगा। धार्मिक-मांगलिक कार्य सम्पन्न हो सकते हैं। परिवार में उत्सव जैसा माहौल रहेगा। व्यावसायिक/आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

मिथुन
स्वास्थ्य संबंधित चिन्ता दूर होगी। अस्त-व्यस्त दिनचर्या में सुधार होगा। विवादित मामलों से राहत मिल सकती है। अटके हुए कार्य बनने लगेंगे।

कर्क
आर्थिक मामलों में परेशानी हो सकती है। धन हानि का भय है। अनावश्यक धन खर्च हो सकता है। व्यावसायिक कार्यों के कारण भागदौड़ रहेगी। मन में असंतोष बना रहेगा।

सिंह
घर-गृहस्थी के खर्चों में अनावश्यक वृद्धि हो सकती है। समय अनर्गल कार्यों में खराब हो सकता है। पारिवारिक कार्यों के कारण भागदौड़ रहेगी। खान-पान के कारण स्वास्थ्य खराब हो सकता है।

कन्या
परिवार में मन को प्रसन्न करने वाले संदेश प्राप्त होंगे। परिजनों के सहयोग से वर्तमान समस्या का समाधान हो सकता है। व्यावसायिक कार्यों में प्रगति होगी। परिवार में उत्सव जैसा माहौल रहेगा।

तुला
आर्थिक कारणों से अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। अटका हुआ धन प्राप्त होगा। आय में वृद्धि होगी। व्यावसायिक कार्य योजना का क्रियान्वयन होगा। परिवार में मांगलिक कार्य सम्पन्न हो सकते हैं।

वृश्चिक
मानसिक तनाव से राहत मिलेगी। मनोबल-आत्मविश्वास बढ़ेगा। आवश्यक कार्य योजनानुसार बनने लगेंगे। व्यावसायिक कार्यों से संबंधित वार्ता सफल रहेगी।

धनु
घर-गृहस्थी के खर्चों में अनावश्यक वृद्धि हो सकती है। पारिवारिक कार्यों के कारण भागदौड़ रहेगी। आज अनर्गल कार्यों में समय खराब हो सकता है। मन में असंतोष बना रहेगा।

मकर
आर्थिक/वित्तीय मामलों के लिए दिन अच्छा रहेगा। आय में वृद्धि होगी। संभावित स्त्रोत से धन प्राप्त होगा। व्यावसायिक कार्यों में व्यस्तता बनी रहेगी। परिवार में धार्मिक कार्य सम्पन्न हो सकते हैं।

कुंभ
व्यावसायिक कार्यों को प्राथमिकता से करने का प्रयास करें। व्यावसायिक कार्य शीघ्रता/सुगमता से बनने लगेंगे। नवीन कार्य योजना का क्रियान्वयन होगा। आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

मीन
व्यावसायिक कार्यों पर ध्यान देना ठीक रहेगा। व्यावसायिक कार्यों में उचित सफलता मिलेगी। चलते कार्यों में प्रगति होगी। आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी। परिवार में धार्मिक-मांगलिक कार्य सम्पन्न हो सकते हैं।

ARBIT

जयपुर • कोटा • बीकानेर • उदयपुर • अजमेर • जालोर • हिण्डौनसिटी • चूरू

epaper.rashtradoot.com

राष्ट्रदूत

Metro

Rashtradoot

Don't Think Of A Gibraltar Again Pakistan

Operation Gibraltar was fundamentally flawed. There was an intelligence and analysis failure by Pakistan which relied excessively on inputs by radical elements within the Valley who promised more than they could deliver

Kites!... Kites!... Kites!...

राहुल गांधी द्रमुक से गठबंधन तोड़कर, सिनेस्टार विजय से नाता जोड़ेंगे?

राहुल का नया सलाहकार समूह, जो जय जगत नाम से जाना जाता है, यह नई दिशा दिखा रहा है

- हालांकि, अभी पार्टी के पुराने दिग्गज जय जगत की इस सलाह के खिलाफ हैं।
- इन नेताओं का मानना है, द्रमुक का कांग्रेस से गठबंधन पुराना रिश्ता है तथा यह रिश्ता समय के साथ-साथ परिपक्व हो गया है, अतः इस रिश्ते को तोड़ना कोई अक्लमंदी का काम नहीं होगा। दूसरा, सिने स्टार विजय नए खिलाड़ी हैं, हालांकि, उनकी जनता में भारी लोकप्रियता है, पर, अभी नए खिलाड़ी की आम सभाओं में भारी भीड़ पर पूर्ण विश्वास करना काफी जोखिम भरा निर्णय है।
- पर, राहुल गांधी अपने नए सलाहकारों की राय से प्रभावित लग रहे हैं तथा उन्होंने विजय का समर्थन करते हुए ट्वीट किया है, जबकि सरकार विजय की फिल्म रिलीज़ करने के रास्ते में लगातार रोड़े बिछा रही है।
- भाजपा भी विजय में एक संभावित राजनीतिक मित्र देख रही है। पर, अभी विजय पर दबाव बना रही है, उसकी फिल्म को रिलीज़ करने की इजाज़त नहीं देकर।

- रेणु मित्तल-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 13 जनवरी। राहुल गांधी ने एक शगूफा छोड़कर राजनीतिक हलकों में हलचल मचा दी है। उन्होंने अभिनेता विजय के समर्थन में ट्वीट किया है, जबकि सरकार अपनी शक्तियों का इस्तेमाल कर उनकी फिल्म को मंजूरी नहीं दे रही है।

कांग्रेस, द्रमुक (डीएमके) की पुरानी सहयोगी है, लेकिन राहुल का नवीनतम सलाहकार समूह 'जय जगत' चाहता है कि कांग्रेस विजय के साथ गठबंधन करे, न कि स्टालिन के साथ।

कांग्रेस के वरिष्ठ नेता द्रमुक के साथ गठबंधन को अस्थिर करने के खिलाफ हैं, उनका कहना है कि यह गठबंधन जांचा-परखा और खरा है, जबकि जय जगत समूह का दृष्टिकोण अलग है।

कांग्रेस लंबे समय से द्रमुक के सहारे चल रही है और जब भी द्रमुक राज्य में सत्ता में आती है, कांग्रेस द्रमुक के साथ रहती है।

विजय एक नई और ऊर्जावान ताकत के रूप में उभरे हैं, जो काफी भीड़ आकर्षित कर रहे हैं, लेकिन वे अभी भी एक नौसिखिए और अप्रयुक्त नेता हैं, जिन्हें अभी तक परखा और आजमाया नहीं गया है।

भाजपा भी विजय को एक संभावित सहयोगी के रूप में देख रही है, लेकिन फिलहाल वह उन्हें दबाव में लाने के लिए, उनकी फिल्म को रोकने की और उन्हें दिल्ली बुलाकर पूछताछ करने की कोशिश कर रही है।

'कुत्तों को खाना खिलाना है तो उन्हें अपने घर ले जाएं'

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 13 जनवरी। भारत में आवारा कुत्तों के मामले पर सुप्रीम कोर्ट के जस्टिस विक्रम नाथ, जस्टिस संदीप मेहता और जस्टिस एन. वी. अंजारिया की पीठ ने सुनवाई की। मंगलवार को सुनवाई पूरी हो गई। अब इस मामले की अगली सुनवाई 20 जनवरी को होगी।

मंगलवार की सुनवाई के दौरान, पीठ ने ए.बी.सी. (एनिमल बर्थ कंट्रोल) नियमों को लागू करने में बुरी

- सुप्रीम कोर्ट ने डॉग लवर्स को हिदायत दी कि स्ट्रीट डॉग्स को खाना खिलाना है तो जवाबदेही भी लेनी होगी।

तरह विफल रहने पर केन्द्र और राज्य सरकारों को फटकार लगाई। अदालत ने चेतावनी दी कि इस विफलता के लिए सरकारों पर भारी मुआवजा लगाया जा सकता है और यह भी कहा कि कुत्तों को खाना खिलाने वालों को हमलों के लिए जिम्मेदार ठहराया जाएगा।

शीर्ष अदालत ने खुद को "डॉग फीडर" बताने वालों से जवाबदेही भी मांगी और उनसे कहा कि वे अपनी गतिविधि जारी रखना चाहते हैं तो आवारा कुत्तों को अपने घरों में ले जाएं।

जस्टिस संदीप मेहता ने एक वकील को फटकार लगाई, जिसने कुत्तों

(शेष पृष्ठ 4 पर)

चीन की कम्युनिस्ट पार्टी का प्रतिनिधिमंडल, भाजपा के मुख्यालय पहुँचा

सोमवार को भाजपा नेताओं से बातचीत के बाद, कम्युनिस्ट पार्टी का प्रतिनिधिमंडल आरएसएस के दिल्ली के केशव कुंज स्थित क्षेत्रीय मुख्यालय भी गया

- भाजपा के मुख्यालय में चीन के प्रतिनिधिमंडल ने महासचिव अरूण सिंह के नेतृत्व में भाजपा नेताओं से बातचीत की।
- पर, आरएसएस के दफ्तर में वे संघ प्रमुख मोहन भागवत से नहीं मिल पाए, क्योंकि, वे दिल्ली से बाहर यात्रा पर थे।
- भाजपा नेताओं व चीन के प्रतिनिधिमंडल की यह पहली मुलाकात थी, गलवान घाटी की झड़प के बाद।
- ट्रंप की बार-बार टैरिफ के बारे में धमकियों से तंग आकर, भारत ने चीन से वार्ता करने का निर्णय लिया है।
- यह वार्ता का निर्णय, प्र.मंत्री मोदी व चीन के राष्ट्रपति की 2024 ब्रिक्स सम्मेलन के दौरान हुई मुलाकात में लिया गया था।

-श्रीनंद झा-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 13 जनवरी। भाजपा और चीनी कम्युनिस्ट पार्टी (कम्यूनिस्ट पार्टी ऑफ चाइना-सीपीसी) के नेताओं के बीच हुई बैठक, जो 2020 के गलवान घाटी संघर्ष के बाद दोनों पक्षों के बीच पहली ऐसी मीटिंग थी, की विपक्षी कांग्रेस ने तीखी आलोचना की है।

अमेरिकी राष्ट्रपति डॉनल्ड ट्रंप के भारत पर 50 प्रतिशत शुल्क लगाने के फैसले और साथ ही 500 प्रतिशत तक शुल्क लगाने की धमकी के बीच, भारत ने चीन के साथ तनाव को शांत करने का प्रयास किया है। हाल ही में हुई यह बातचीत उस प्रयास का हिस्सा है, जिसमें 2024 में ब्रिक्स समिट के दौरान प्रधानमंत्री मोदी और चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग के बीच हुई बैठक के बाद, पूर्वी लद्दाख क्षेत्र में संवाद और समझबूझ की प्रक्रिया को फिर से शुरू करने की कोशिश की जा रही है।

सीपीसी प्रतिनिधिमंडल, जिसका नेतृत्व सीपीसी के अंतरराष्ट्रीय विभाग के उप मंत्री सुन हाइयान ने किया, सोमवार को भाजपा मुख्यालय में भाजपा नेताओं से मिला। भाजपा प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व पार्टी के महासचिव अरुण सिंह ने किया। मंगलवार को, सीपीसी प्रतिनिधिमंडल ने दिल्ली में आरएसएस के मुख्यालय केशव कुंज में संघ के वरिष्ठ नेताओं से भी मुलाकात की। एक वरिष्ठ आरएसएस पदाधिकारी ने इस मुलाकात को "शिष्टाचार भेंट" बताया और कहा कि मुलाकात का अनुरोध सीपीसी की तरफ

(शेष पृष्ठ 4 पर)

भ्रष्टाचार निरोधक एक्ट के भाग 17ए पर सुप्रीम कोर्ट का खंडित आदेश

अब मामले की सुनवाई बड़ी बैंच करेगी

- भाग 17ए में सरकारी कर्मचारियों को ड्यूटी के दौरान लिए गए फैसलों पर जाँच से छूट दी गई है।
- दो सदस्यीय बैंच में से जस्टिस बीवी नागरत्ना ने कहा कि भाग 17ए असंवैधानिक है और भ्रष्ट कर्मचारियों का बचाव करता है।
- जबकि बैंच के दूसरे जज जस्टिस के वी विश्वनाथन ने भाग 17ए को संवैधानिक ठहराया और कहा, इससे ईमानदार अधिकारियों की रक्षा होती है।

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 13 जनवरी। सुप्रीम कोर्ट ने मंगलवार को इस सवाल पर खंडित आदेश दिया कि ड्यूटी के दौरान लिए गए फैसलों या की गई सिफारिशों के लिए सरकारी कर्मचारियों को जांच या जांच-पड़ताल से बचाने वाला कानून सही है या नहीं।

भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम की धारा 17ए, जिसे जुलाई 2018 में जोड़ा गया था, यह कहती है कि किसी सक्षम प्राधिकारी की पूर्व अनुमति के बिना, किसी सरकारी कर्मचारी के खिलाफ उसके आधिकारिक कर्तव्यों के दौरान की गई सिफारिशों पर कोई "जांच या पड़ताल" नहीं हो सकती।

जस्टिस बी. वी. नागरत्ना ने अपने फैसले में कहा कि यह धारा "भ्रष्ट लोगों का बचाव करती है", वहीं जस्टिस के. वी. विश्वनाथन ने इस कानून को संवैधानिक माना, बशर्ते यह लोकपाल और लोकायुक्त के जरिये लागू हो।

मामले को किसी बड़ी पीठ को भेजते हुए जस्टिस नागरत्ना ने इस धारा की वैधता पर तीखी टिप्पणी की।

उन्होंने कहा, "धारा 17ए असंवैधानिक है और इसे रद्द किया जाना चाहिए। किसी पूर्व अनुमति की जरूरत नहीं है।"

यह कहते हुए कि यह फैसला भ्रष्ट अधिकारियों को बचाता है और यह विधायिका की ओर से पुराने कानून को नए रूप में पेश करने की कोशिश है, उन्होंने इसे असंवैधानिक बताया।

उन्होंने कहा, "यह प्रावधान उस व्यवस्था को फिर से जिंदा करने की कोशिश है, जिसे पहले ही विनीत नारायण और सुब्रमण्यम स्वामी मामलों के फैसलों में रद्द किया जा चुका है। पूर्व मंजूरी की शर्त इस कानून के उद्देश्य के ही खिलाफ है और यह जांच को रोक देती है तथा ईमानदार अधिकारियों की रक्षा की कोशिश करने के बजाय, भ्रष्ट लोगों को बचाती है, जबकि ईमानदार और सत्यनिष्ठ अधिकारियों को वास्तव में किसी बचाव की जरूरत ही नहीं होती।

(शेष पृष्ठ 4 पर)

कश्मीर में मस्जिदों की सुरक्षा जाँच

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 13 जनवरी। सुरक्षा एजेंसियों ने कश्मीर घाटी की मस्जिदों से जुड़ी जानकारी इकट्ठा करने की प्रक्रिया शुरू की है। इसके तहत, चार पन्नों का एक फॉर्म भेजा गया है, जिसमें

- सत्तारूढ़ नैशनल कॉन्फ्रेंस ने कड़ी प्रतिक्रिया दी और पूछा, सिर्फ मस्जिद ही क्यों मंदिरों की सुरक्षा जाँच क्यों नहीं हो रही है।

फंडिंग, मौलवियों और प्रशासनिक रिकॉर्ड से जुड़े विवरण मांगे गए हैं।

इस कदम पर सत्तारूढ़ नेशनल कॉन्फ्रेंस (एन.सी.) ने तीखी प्रतिक्रिया दी है। पार्टी ने सवाल उठाया है कि सिर्फ मस्जिदों की ही जांच क्यों की जा रही है। उन्होंने मंदिरों व अन्य संस्थाओं का भी इसी तरह आकलन किए जाने की मांग की है।

(शेष पृष्ठ 4 पर)

चुनाव आयुक्त को इम्युनिटी पर सुप्रीम कोर्ट के नोटिस ने सरकार की बेचैनी बढ़ाई

कानून एवं राजनीति के विशेषज्ञों का कहना है कि सुप्रीम कोर्ट का नोटिस बेहद महत्वपूर्ण है क्योंकि यह तकनीकी आपत्ति तक सीमित नहीं है, बल्कि संस्थागत जवाबदेही को भी स्पर्श करता है

- चुनाव आयोग के एक अधिकारी ने नाम गोपनीय रखने की शर्त पर कहा कि मुख्य चुनाव आयुक्त और चुनाव आयुक्तों को प्रतिरक्षा देने पर जरूरत से ज्यादा जोर देना गंभीर सवाल पैदा करता है।
- उक्त अधिकारी ने कहा कि इस मुद्दे पर कोर्ट का नोटिस न केवल चुनाव आयोग के लिए बल्कि केन्द्र सरकार के लिए भी शर्मिंदगी का कारण है।
- गौरतलब है कि चुनाव आयुक्तों की मनमानी और उन्हें प्राप्त प्रतिरक्षा पर इन दिनों विपक्ष भी बेहद हमलावर है, खासकर एसआईआर कवायद को लेकर, जिसमें बड़े पैमाने पर मतदाताओं के नाम काटे गए हैं।

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 13 जनवरी। मुख्य चुनाव आयुक्त (चीफ इलैक्शन कमिश्नर-सीईसी) और चुनाव आयुक्तों को आजीवन कानूनी प्रतिरक्षा देने को चुनौती देने वाली याचिका पर केन्द्र सरकार को नोटिस जारी करने के सुप्रीम कोर्ट के फैसले से राजनीतिक हलकों में हलचल मच गई है। इससे सत्तारूढ़ पार्टी के साथ-साथ, भारत के चुनाव आयोग (इलैक्शन कमीशन ऑफ इंडिया- ईसीआई) के भीतर भी बेचैनी पैदा हो गई है।

चुनाव आयोग के एक वरिष्ठ अधिकारी के अनुसार, अदालत का यह हस्तक्षेप न सिर्फ चुनाव आयोग के लिए, बल्कि उस मोदी सरकार के लिए भी बेहद शर्मनाक साबित हो सकता है, जिसने इस विवादित कानून को संसद से पारित कराया।

नाम न छापने की शर्त पर बात करते हुए अधिकारी ने कहा कि सीईसी और दो चुनाव आयुक्तों को सेवानिवृत्ति के बाद कानूनी जांच से पूरी तरह बचाने पर असाधारण तरीके से जिस प्रकार जोर दिया गया है, उसने अन्य संवैधानिक संस्थाओं में भी गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं।

कानूनी और राजनीतिक जानकारों का कहना है कि सुप्रीम कोर्ट का यह नोटिस इसलिए अहम है, क्योंकि यह सिर्फ तकनीकी आपत्ति तक सीमित नहीं है, बल्कि संस्थागत जवाबदेही और स्वतंत्रता के मूल सिद्धांतों को स्पर्श करता है। याचिकाकर्ताओं का तर्क है कि आजीवन और बिना शर्त पूर्ण

(शेष पृष्ठ 4 पर)

तीसरी व अंतिम फुल ड्रेस रिहर्सल में उमड़ा जनसैलाब और देशभक्ति के गूंजे नारे

सेना दिवस परेड-2026 ने जयपुर शहर को राष्ट्रभक्ति, गौरव और सैन्य सामर्थ्य के उत्सव में बदल दिया है

जयपुर (निसं)। राजधानी जयपुर में आयोजित हो रही सेना दिवस परेड-2026 ने शहर को राष्ट्रभक्ति, गौरव और सैन्य सामर्थ्य के उत्सव में बदल दिया है। पहली बार आर्मी एरिया से बाहर आयोजित हो रही इस 78वीं सेना दिवस परेड को लेकर आमजन में अभूतपूर्व उत्साह देखने को मिल रहा है। जगतपुरा स्थित महल रोड पर मंगलवार को आयोजित तीसरी और अंतिम फुल ड्रेस रिहर्सल में हजारों की संख्या में मातृशक्ति, युवा, विद्यार्थी एवं नागरिकों ने सहभागिता कर भारतीय सेना के साहस, पराक्रम, अनुशासन और आधुनिक युद्ध क्षमता का सजीव अनुभव किया। इस दौरान लोगों ने देशभक्ति के नारों से वातावरण को गुंजायमान कर भारतीय सेना का उत्साहवर्धन किया।

फुल ड्रेस रिहर्सल के दौरान भारतीय सेना की आधुनिक सैन्य एवं युद्धक क्षमता का व्यापक प्रदर्शन किया गया। स्वदेशी तकनीक से विकसित मिसाइल प्रणालियां, अत्याधुनिक टैंक, सैन्य वाहन, ड्रोन, एंटी एयर एवं एंटी टैंक हथियारों के माध्यम से सेना की सामरिक शक्ति को प्रदर्शित किया गया।

ऑपरेशन सिंदूर की झांकी, ब्रह्मोस मिसाइल, हेलिकॉप्टर आधारित हथियार प्रणाली तथा रोबोटिक डॉग्स ने भविष्य की युद्ध रणनीतियों की झलक प्रस्तुत की।

राजधानी जयपुर में सेना दिवस परेड-2026 में सेना के जवानों ने अनेक करतब दिखाये जिससे आमजन रोमांचित हुए।

- भारतीय सेना की ड्रोन शक्ति (ईगल प्रहार) विशेष आकर्षण का केन्द्र रही

इस दौरान भारतीय सेना की ड्रोन शक्ति (ईगल प्रहार) विशेष आकर्षण का केन्द्र रही। चार हजार मीटर की ऊंचाई तक उड़ान भरने वाले अत्याधुनिक ड्रोन आधुनिक युद्ध तकनीक को स्पष्ट रूप से दर्शाते नजर आए। नवगठित भैरव बटालियन द्वारा ड्रोन आधारित अभियानों की क्षमता का प्रदर्शन किया गया।

कॉम्बैट ड्रोन्स ने जहां आमजन को आकर्षित किया वहीं रडार बेस्ड ड्रोन जैमर सिस्टम और सम्युक्ता जैमर सिस्टम आदि के माध्यम से आमजन को भारत की प्रतिरक्षा प्रणाली से अवगत करवाया गया।

ऑल-टेरेन वाहनों के प्रदर्शन तथा मॉड्यूलर ब्रिज निर्माण जैसी व्यवस्थाओं ने यह स्पष्ट किया कि भारतीय सेना केवल युद्ध में ही नहीं, बल्कि आपदा प्रबंधन और राहत कार्यों में भी समान रूप से सक्षम है। अनुशासित कदमताल के साथ आर्मी बैंड और घुड़सवार टुकड़ियों ने दर्शकों को गर्व से भर दिया।

वहीं, अपाचे, प्रचंड और चेतक हेलिकॉप्टरों की उड़ानों ने दर्शकों को रोमांचित किया। इसी प्रकार, भारतीय सेना के जवानों ने मोटरसाइकिल पर पिरामिड निर्माण, एक टायर पर सवारी तथा अशोक स्तंभ और कमल जैसे राष्ट्रीय प्रतीकों का प्रदर्शन कर दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया।

भारतीय सेना के शौर्य और बलिदान की परम्परा को दर्शाते इस आयोजन में विभिन्न वीरता पुरस्कार विजेताओं के दस्ते, नेपाली आर्मी बैण्ड, 61 कैवेलरी रेजीमेंट, हाई मॉबिलिटी रिकॉनिनेंस व्हीकल, भीष्म टैंक, मुख्य युद्ध टैंक अर्जुन मार्क-1, नाग मिसाइल सिस्टम मार्क-1, अपग्रेडेड शिल्का, स्पेशलिस्ट मॉबिलिटी व्हीकल, क्विक रिएक्शन फाइटिंग व्हीकल, लाइट स्ट्राइक व्हीकल, व्हीकल माउंटेड इन्फेन्ट्री मोर्टार सिस्टम, जू-23 मिनी गन, एल-70 वायु रक्षा तोप, यूनिवर्सल रॉकेट लॉन्चर सिस्टम-सूर्यास्त्र, सेटेलाइट संचार प्रणाली, शक्तिबाण रेजीमेंट, स्वदेशी नस्लों के सैन्य डॉग्स आदि की भागीदारी ने लोगों में गर्व, स्वाभिमान, उत्साह और रोमांच का संचार किया।

इस दौरान आत्मनिर्भर भारत, विकसित भारत 2047 की झलक दिखलाती झांकी आकर्षण का केन्द्र रही। वहीं, राजस्थानी कला-संस्कृति के प्रदर्शन ने भी लोगों का मन मोहा। उल्लेखनीय है कि 15 जनवरी को मुख्य सेना दिवस परेड का आयोजन किया जाएगा। दिल्ली से बाहर सेना दिवस परेड की मेजबानी करने वाले शहरों में जयपुर चौथा शहर है।

इस सेना दिवस परेड के सफल आयोजन के लिए राज्य सरकार एवं जिला प्रशासन द्वारा सुरक्षा, यातायात प्रबंधन, पार्किंग, स्वच्छता, पेयजल, चिकित्सा एवं आपातकालीन सेवाओं के साथ महिला एवं दिव्यांग दर्शकों की सुविधा सुनिश्चित की गई है।

अवैध खनन को वैध दर्शाकर सरकार को पहुंचाई राजस्व हानि

- एसीबी ने खनिज विभाग के अफसर-कर्मचारियों सहित क्रेशर मालिकों पर दर्ज किया मामला

जयपुर(निसं)। अवैध खनन को वैध दर्शाकर सरकार को भारी राजस्व हानि पहुंचाने के मामले में भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो (एसीबी) की भरतपुर टीम ने प्राथमिक जांच के बाद खनिज विभाग के अधिकारी-कर्मचारियों,क्रेशर मालिकों और रॉयल्टी ठेकेदारों के खिलाफ भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम के तहत प्रकरण दर्ज कर लिया है।

भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो पुलिस महानिदेशक गोविन्द गुप्ता ने बताया किएसीबी को मिली शिकायत में आरोप था कि खनिज विभाग भरतपुर के अधिकारी-कर्मचारी, क्रेशर मालिक और रॉयल्टी ठेकेदार मिलकर बंद पड़ी खदानों के रवन्नों का दुरुपयोग कर बड़े पैमाने पर अवैध खनन करा रहे हैं और उसे वैध खनन दर्शाया जा रहा है। जिस पर एसीबी द्वारा की गई जांच में प्रथम दृष्टया यह सामने आया कि आरोपियों ने आपसी मिलीभगत से लाखों टन खनिज संपदा का अवैध खनन किया और रवन्नों का दुरुपयोग कर उसे वैध बताकर सरकार को भारी राजस्व नुकसान पहुंचाया।

इसके बाद रामनिवास मंगल, तत्कालीन खनिज अभियंता,भरतपुर (वर्तमान में खनिज अभियंता, कोटा),वीरेंद्र कुमार खनिज कार्यदेशक द्वितीय,राजेन्द्र सिंह तत्कालीन खनिज अभियंता,संजू सिंह तत्कालीन सर्वेयर,भीम सिंह तत्कालीन खनिज कार्यदेशक प्रथम,अभिषेक तंवर लीज मालिक,जेपी एंड ब्रॉस क्रेशर मालिक,पारस इन्फ्रा,सीडीएस इन्फ्रा,बालाजी एंड कंपनी,शुभ लाभ स्टोन क्रेशर और रॉयल्टी ठेकेदार मैसर्स देव दशरथ सहित अन्य लोगों की भूमिका संदिग्ध पाई जाने पर इनके खिलाफ प्रकरण दर्ज किया गया ।एसीबी के अनुसार खनिज विभाग के अधिकारी-कर्मचारियों द्वारा अपने पद का दुरुपयोग करते हुए क्रेशर मालिकों और रॉयल्टी ठेकेदारों को अवैध खनन में संरक्षण दिया गया। जिससे राज्य सरकार को राजस्व की गंभीर हानि हुई। वहीं प्रकरण दर्ज होने के बाद एसीबी द्वारा अग्रिम अनुसंधान जारी है और मामले में और भी खुलासे होने की संभावना जताई जा रही है।

सेना दिवस,राष्ट्रपति यात्रा और आयोजनों के चलते जयपुर में ट्रैफिक डायवर्जन

जयपुर(निसं)। 15 जनवरी को सेना दिवस पर जयपुर में आर्मी परेड एवं शौर्य संध्या कार्यक्रम तथा 16 जनवरी को राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू की जयपुर यात्रा के मद्देनजर शहर में सुरक्षा और यातायात के विशेष इंतजाम किए गए हैं। इन आयोजनों के कारण कई प्रमुख मार्गों पर यातायात डायवर्ट रहेगा।

जयपुर पुलिस कमिश्नर सचिन मित्तल ने शहर वासियों से अपील की है कि 15 और 16 जनवरी को अनावश्यक रूप से प्रस्तावित यात्रा मार्गों और कार्यक्रम स्थलों की ओर न जाएं। अत्यावश्यक स्थिति में यातायात पुलिस द्वारा बताए गए वैकल्पिक मार्गों का ही उपयोग करें। 15 जनवरी को महल रोड, जगतपुरा पर आर्मी डे परेड 2026 का आयोजन होगा। इसके पूर्वाभ्यास के चलते 14 जनवरी तक प्रतिदिन सुबह 5 बजे से दोपहर 1 बजे तक एनआरआई चौराहा से बॉम्बे हॉस्पिटल चौराहा तक सामान्य यातायात प्रतिबंधित रहेगा। स्थानीय निवासियों के लिए समानांतर मार्ग खुले रहेंगे।

खाटू श्याम सर्किल से एनआरआई चौराहा की ओर जाने वाला यातायात हल्दीघाटी मार्ग और वीआईटी रोड से संचालित किया जाएगा। विधाणी चौराहा, राणा सांगा मार्ग और गोनेर रोड से आने वाले वाहनों को भी आवश्यकता अनुसार डायवर्ट किया जाएगा। कार्यक्रम में आने वाले वाहनों की पार्किंग निर्धारित स्थलों पर होगी।15 जनवरी को सवाई मानसिंह स्टेडियम में शौर्य संध्या कार्यक्रम आयोजित होगा। टोंक रोड, भवानी सिंह रोड, जनपथ, सहकार मार्ग और आसपास के क्षेत्रों में यातायात दबाव के अनुसार डायवर्जन लागू किया जाएगा। कार्यक्रम स्थल के आसपास कई मार्गों पर वाहन पार्किंग निषेध रहेगी।

रोडवेज बसों का संचालन वैकल्पिक मार्गों से किया जाएगा।होटल क्लार्क आमेर में आयोजित पांच दिवसीय जयपुर लिटरेचर फेस्टिवल के दौरान भी यातायात व्यवस्था लागू रहेगी। आगंतुकों के लिए चार निर्धारित पार्किंग स्थलों की व्यवस्था की गई है। ओला-उबर के लिए अलग पिक-एंड-ड्रॉप प्वाइंट तय किए गए हैं। सर्विस लेन में अनधिकृत यातायात और पार्किंग पर प्रतिबंध रहेगा।जयपुर पुलिस ने आमजन से सहयोग की अपील करते हुए कहा है कि यातायात नियमों का पालन करें, वैकल्पिक मार्ग अपनाएं और पुलिस द्वारा जारी निर्देशों का अनुसरण करें।

आम सूचना सर्व साधारण को सुचित किया जाता है कि मेरे अभिभाष्यगण श्री रामस्वरूप शर्मा पुत्र स्व0 श्री रामजीलाल शर्मा एवं श्रीमती मूर्ति देवी पत्नी श्री रामस्वरूप शर्मा निवासीगण प्लाट नं. 40 ए मधुवन कॉलोनी सीकर रोड रामपुरा डाबडी तहसील आमेर जिला जयपुर का पुत्र विकास शर्मा पुत्र श्री रामस्वरूप शर्मा आयु 38 वर्ष मेरे अभिभाष्यगण के कहने मे नही है इसलिये मेरे अभिभाष्यगण अपने पुत्र विकास शर्मा को अपनी समस्त चल व अंचल सम्पत्ति से बेदखल करते है विकास शर्मा का मेरे अभिभाष्यगण व अभिभाष्यगण के परिवार से कोई वास्ता नही है अगर कोई -व्यक्ति / संस्था मेरे अभिभाष्यगण के पुत्र विकास शर्मा से सबंध रखता है और लेन देन करता है तो स्वयं जिम्मेदार होगा इसमे मेरे अभिभाष्यगण की कोई जिम्मेदार नही रहेगी कृपया सुचित रहे।
जयपुर — मुकेश कुमावत, एडवोकेट
दिनांक-9/1/2026 — मो.नं. 9782466820

आम सूचना मेरे मुवक्किलान अब्दुल मुजीव, अब्दुल मोईन पुत्रान अब्दुल मुबीन के स्वामित्व व अधिकार की एक आवासीय सम्पत्ति प्लाट नम्बर 45 व 46 (नया नम्बर 277 व 278), एच ए आर कॉलोनी, मस्जिद के सामने, चार दरवाजा, जयपुर में स्थित है, उक्त सम्पत्ति का मेरे मुवक्किलान संयुक्त रूप से मालिक, स्वामी, काबिज व अधिकारी है, मेरे मुवक्किलान ने उक्त वर्णित सम्पत्ति को किसी भी व्यक्ति, संस्था, सरकार या किसी भी अन्य को बेचान नही की है ना अन्य किसी प्रकार से हस्तान्तरित की है। मेरे मुवक्किलान अपने संयुक्त स्वामित्व की उक्त सम्पत्ति को बेचान भी नही करना चाहते है यदि किसी व्यक्ति के द्वारा उक्त सम्पत्ति खरीद की जाती है तो उसका जिम्मेदार वह स्वयं होगा। सूचित रहे।
(इमरान अहमद) एडवोकेट, मो.9828087883, 7877107041

जयपुर विकास प्राधिकरण, जयपुर
www.jda.urban.rajasthan.gov.in
क्रमांक F-JDA/Zone 11/2025/D-162 — आम सूचना
आवेदक दुवारा ऑनलाईन क्रमांक 271332 दिनांक 12.12.2025 को निम्नांकित भूखण्ड का नाम ट्रांसफर जारी करने हेतु आवेदन प्रस्तुत किये गये है।

आवेदक का नाम	मूल आवंटी का नाम	भूखण्ड संख्या	क्षेत्रफल (व.ग.)	गृ.नि.स. स./निजी खातेदारी/ जविप्रा का नाम	योजना का नाम	सेवा जिसके लिए आवेदन किया गया	कार्यवाही हेतु प्रस्तुत दस्तावेज
Gajanand Kumawat S\O Babulal Kumawat	श्री खेमचन्द बंसल पुत्र श्री सुरेश चन्द बंसल	409	111.11 Sq Yard	Private	Gokul Residency Sector/ block	Name Transfer	एक से अधिक बार बेचान एवं रजि विक्रय पत्रों के आधार पर

उक्त भूखण्ड का आवेदक के पक्ष में Name Transfer जारी करने पर किसी व्यक्ति, वारिस एवं संस्था को आपत्ति हो तो मय साक्ष्य के इस सूचना की प्रकाशन तिथि से 7 दिवस के भीतर jda.rajasthan.gov.in पर जाकर Objection module के माध्यम से आपत्ति online सबमिट करें, अन्यथा आपत्ति प्रस्तुत नहीं करने की दशा में उक्त भूखण्ड की नियमानुसार कार्यवाही कर दी जावेगी ।

कार्यालय उप आवासन आयुक्त वृत्त-प्रथम
राजस्थान आवासन मण्डल, प्रताप नगर, जयपुर
क्रमांक-9453 — दिनांक-31.12.2025
जाहिर आम-सूचना
राजस्थान आवासन मण्डल की प्रताप नगर योजना में आवास संख्या 68/278 (MIG-B), का आवंटन श्री हरस्वरूप शर्मा व श्री सरोज शर्मा को किया जाकर आवंटन पत्र क्रमांक 827 दिनांक 29.06.1996 के द्वारा जारी किया गया था। श्री हरस्वरूप शर्मा व श्री सरोज शर्मा द्वारा श्री अखिलेश मिश्रा पुत्र श्री राजेन्द्र प्रकाश मिश्रा को दिनांक 05.02.2023 को मुख्त्यारनामा आम धारक नियुक्त किया गया। श्री अखिलेश मिश्रा द्वारा श्री हरस्वरूप शर्मा व श्री सरोज शर्मा के पक्ष में पंजीयन निष्पादन दिनांक 08.05.2008 को करवाया गया। श्री अखिलेश मिश्रा द्वारा मुख्त्यारआम की हैसियत से पंजीयन पश्चात उक्त आवास का विक्रय कर श्रीमती भावना शर्मा पत्नी श्री अखिलेश मिश्रा को दिनांक 31.10.2025 विक्रय पत्र उप पंजीयक (पंचम) जयपुर में पंजीकृत करवाया गया। क्रेता/क्रेती श्रीमती भावना शर्मा पत्नी श्री अखिलेश मिश्रा द्वारा आवासन मण्डल में उक्त आवास पर अपना नाम मण्डल रिकार्ड में दर्ज कराने बाबत आवेदन पत्र प्रस्तुत किया हैं।
अत उक्त आवास के हस्तान्तरण बाबत किसी व्यक्ति/पक्षकार को कोई आपत्ति हो तो अधोहस्ताक्षरकर्ता के कार्यालय में 7 दिवस में अपनी आपत्ति प्रस्तुत करें अन्यथा यह मानते हुए की मण्डल रिकॉर्ड में नाम दर्ज करने में किसी को कोई आपत्ति नहीं है, श्रीमती भावना शर्मा पत्नी श्री अखिलेश मिश्रा का नाम मण्डल रिकार्ड में दर्ज कर दिया जावेगा। का नाम मण्डल रिकॉर्ड में दर्ज कर दिया जावेगा।
सम्पदा प्रबन्धक, वृत्त-प्रथम
राज.आवा.मण्डल, जयपुर

राजस्थान आवासन मण्डल, वृत्त-प्रथम, प्रताप नगर, जयपुर
क्रमांक-9433 — दिनांक-30.12.2025
जाहिर आम-सूचना राजस्थान आवासन मण्डल की प्रताप नगर, सांगानेर योजना में आवास संख्या 71/54 (एरिया 120.00 वर्गमीटर) प्रताप नगर, सांगानेर का आवंटन श्रीमती वन्दना गुरुटू, पत्नी श्री विष्णु गुरुटू को किया जाकर आवंटन पत्र क्रमांक 2197 दिनांक 06.01.1996 को जारी किया गया। श्रीमती वन्दना गुरुटू के पक्ष में उक्त आवास के पंजीयन प्रपत्र दिनांक 30.05.2005 को उप पंजीयक सांगानेर-प्रथम, जयपुर के यहां पंजीकृत करवाये गये। श्रीमती वन्दना गुरुटू द्वारा श्री अरविन्द कुमार दीक्षित पुत्र श्री एस.डी. दीक्षित को दिनांक 08.06.2005 को मुख्त्यारनामा आम धारक नियुक्त किया गया। श्री अरविन्द कुमार दीक्षित द्वारा मुख्त्यारनामा आम की हैसियत से उक्त आवास को दिनांक 15.06.2005 के द्वारा श्री अभिनीत खुराना पुत्र श्री आत्मप्रकाश खुराना को विक्रय कर उप पंजीयक-सांगानेर-प्रथम, जयपुर के यहां विक्रय पत्र पंजीकृत करवाया गया। श्री अभिनीत खुराना द्वारा उक्त आवास को दिनांक 09.04.2010 के द्वारा श्रीमती मिथलेश गुप्ता पत्नी श्री महेश चन्द गुप्ता को विक्रय कर उप पंजीयक-जयपुर-चतुर्थ, जयपुर के यहां विक्रय पत्र का पंजीकृत करवाया गया। श्रीमती मिथलेश गुप्ता की मृत्यु दिनांक 13.08.2022 को हो जाने के कारण पंजीकृत हकत्याग के आधार पर इनके पति श्री महेश चन्द गुप्ता पुत्र श्री किरोड़ी लाल गुप्ता द्वारा उक्त आवास स्वयं के नाम हस्तान्तरण करने हेतु आवेदन किया गया है। अतः उक्त आवास के हस्तान्तरण बाबत किसी व्यक्ति/पक्षकार को कोई आपत्ति हो तो अधोहस्ताक्षरकर्ता के कार्यालय में 7 दिवस में अपनी आपत्ति प्रस्तुत करें अन्यथा यह मानते हुए की मण्डल रिकॉर्ड में नाम दर्ज करने में किसी को कोई आपत्ति नहीं है, श्री महेश चन्द गुप्ता पुत्र श्री किरोड़ी लाल गुप्ता का नाम मण्डल रिकॉर्ड में दर्ज कर दिया जावेगा।
सम्पदा प्रबन्धक, वृत्त-प्रथम, राज.आवा.मण्डल, जयपुर

नम्बर मिलाइए
9587884433

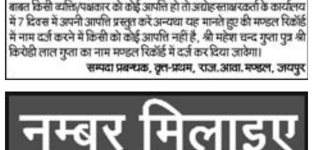

सिर्फ एक फोन कॉल पर विज्ञापन घर बैठे बुक करायें।

मकर संक्रांति पर एसएमएस ट्रोमा सेंटर हाई अलर्ट

जयपुर। मकर संक्रांति पर पतंगबाजी के दौरान होने वाली दुर्घटनाओं में घायलों के त्वरित और बेहतर उपचार के लिए सवाई मानसिंह (एसएमएस) अस्पताल के ट्रोमा सेंटर को हाई अलर्ट पर रखा गया है। अस्पताल प्रशासन ने 14 और 15 जनवरी को विशेषज्ञ डॉक्टरों की 24 घंटे विशेष ड्यूटी लगाने के निर्देश जारी किए हैं। ट्रोमा सेंटर इंजार्च डॉक्टर बीएल यादव के अनुसार ट्रोमा सेंटर में ऑर्थोपेडिक्स और जनरल सर्जरी के साथ-साथ न्यूरोसर्जरी, प्लास्टिक सर्जरी, एनेस्थीसिया और ईएनटी विभाग के एक-एक सीनियर डॉक्टर (असिस्टेंट प्रोफेसर) तथा एक-एक सीनियर रेजिडेंट तैनात रहेंगे।

इसका उद्देश्य पतंगबाजी से होने वाली गंभीर चोटों, मांझे से कटने, गिरने या अन्य हादसों के मामलों में घायलों को तुरंत विशेषज्ञ उपचार उपलब्ध कराना है।

अस्पताल प्रशासन के अनुसार सभी विभागों को आपसी समन्वय के साथ कार्य करने के निर्देश दिए गए हैं,ताकि आपात स्थिति में मरीजों को बिना देरी के इलाज मिल सके।

मकर संक्रान्ति पर राज्यपाल बागडे की शुभकामनाएं

जयपुर। राज्यपाल हरिभाऊ बागडे ने मकर संक्रान्ति (14 जनवरी) पर सभी को बधाई एवं शुभकामनाएं दी हैं।

राज्यपाल बागडे ने कहा है कि मकर संक्रांति जीवन के उजास का प्रतीक पर्व है। सूर्य की आराधना का यह पर्व हमें जीवन में सकारात्मक सोच रखते हुए आगे बढ़ते रहने के लिए प्रेरित करता है। बागडे ने सभी से अपील की है कि संक्रांति पर पतंग उड़ाते समय चाइनीज मांझे का प्रयोग नहीं करें। उन्होंने इस पर्व पर सभी के लिए अच्छे स्वास्थ्य, सौभाग्य और समृद्धि की कामना की है।

नाम परिवर्तन

मैंने मेरा नाम वन्दना से वन्दना बैरवा रख लिया है। भविष्य में मुझे इसी नाम से जाना जावें। निवासी जयपुर।

मैंने अपना नाम विवाह उपरांत पूजा कुमारी महरवाल से बदलकर पूजा गुप्ता पत्नी श्री अनुराग गुप्ता रख लिया है भविष्य में मुझे इसी नाम से जाना पहचाना जावें। निवासी 391/एस-2, जगदंबा रेजिडेंसी गणेश नगर विस्तार, कालवाड रोड झोटवाड़ा, जयपुर-302012

हम पति पत्नी अपना नाम बदलकर क्रमश प्रहलाद से प्रहलाद धोबी पुत्र श्री मदन लाल धोबी एवं श्रीमती प्रेम से अपना नाम प्रेम देवी पत्नी श्री प्रहलाद धोबी निवासी 9, ज्योति विहार प्रथम, मंग्यावास मानसरोवर, जयपुर रख रहे हैं भविष्य में हमें उक्त नये नाम से ही जाना पहचाना जावें।

किसानों के हितों को लेकर सरकार सख्त, लंबित क्लेम पर त्वरित कार्रवाई के निर्देश

जयपुर, (निसं)। प्रदेश में कृषकों के कल्याण को लेकर राज्य सरकार की प्रतिबद्धता के तहत मंगलवार को पंत कृषि भवन, जयपुर में प्रदेश के विभिन्न किसान संघों एवं संगठनों के प्रतिनिधियों ने कृषि मंत्री डॉ.किरोड़ी लाल के साथ संवाद किया। इस अवसर पर प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना, कृषक आदान-अनुदान, नवीन बीज विधेयक, पेस्टीसाइड्स मैनेजमेंट बिल सहित कृषि एवं उद्यानिकी विभाग से संबंधित योजनाओं तथा बजट घोषणाओं पर विस्तार से चर्चा की गई।

कृषि मंत्री ने कहा कि राज्य सरकार किसानों के हितों की रक्षा के लिए पूर्ण रूप से प्रतिबद्ध है और प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना एवं कृषक आदान-अनुदान योजनाओं के अंतर्गत देय राशि में किसी भी प्रकार के भ्रष्टाचार को बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। उन्होंने किसान संगठनों द्वारा बीमा कंपनियों के संबंध में की गई शिकायतों को गंभीरता से लेते हुए संबंधित कंपनियों से स्पष्टीकरण मांगने तथा लंबित क्लेम प्रकरणों पर त्वरित कार्रवाई करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि किसान संगठनों से प्राप्त सुझावों के आधार पर योजनाओं को और अधिक किसान हितैषी बनाया जाएगा। कृषि मंत्री ने विभागीय अधिकारियों को निर्देश दिए कि फसल बीमा एवं आदान-अनुदान से संबंधित प्रक्रियाओं को सरल, पारदर्शी एवं समयबद्ध बनाया जाए। संवाद के दौरान उन्होंने विभिन्न जिलों में लंबे समय से लंबित प्रकरणों की जानकारी ली और उन्हें शीघ्र निस्तारित करने के निर्देश दिए।

किसानों द्वारा खेतों में जंगली सूअरो एवं निराश्रित पशुओं से होने वाले नुकसान की शिकायत के संबंध में कृषि मंत्री ने बताया कि इस विषय में केंद्र सरकार को प्रस्ताव भेजा गया है। साथ ही, तारबंदी योजना में आवश्यक संशोधन के लिए भी कार्य प्रस्तावित है। उन्होंने फसलों में हुए नुकसान के सर्वे कार्य को समय पर पूर्ण कर किसानों को शीघ्र सहायता उपलब्ध कराने के निर्देश दिए।

रेलवे ट्रैक के पास युवक का शव मिलने से सनसनी फैली

जयपुर(निसं)। कानोता थाना इलाके में रेलवे ट्रैक के पास एक युवक का शव मिलने से क्षेत्र में सनसनी फैल गई। युवक की लाश लहूलुहान हालत में पड़ी मिली, चेहरा बुरी तरह बिगड़ा हुआ था और दोनों पैर टूटे हुए पाए गए। प्रथम दृष्टया युवक की मौत ट्रेन की चपेट में आने से होना प्रतीत हो रहा है।

सूचना मिलने पर जीआरपी थाना पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर एसएमएस अस्पताल की मोर्चरी में रखवाया। हेड कॉन्स्टेबल कमल किशोर ने बताया कि कानोता रेलवे स्टेशन से कुछ दूरी पर पटरियों के पास युवक का शव पड़ा मिला। पटरियों पर लाश देखे जाने के बाद स्टेशन मास्टर ने जीआरपी को सूचना दी थी। पुलिस द्वारा मौके पर किए गए मुआयने में प्रथम दृष्टया जांच में ट्रेन की चपेट में आने से युवक की मौत होने की संभावना जताई गई है।

केरल समाज आज मनाएगा मकर विलक्कू महोत्सव

जयपुर। केरल समाज की ओर से बुधवार को मकर विलक्कू महोत्सव मनाया जाएगा। गोपालपुरा और खातीपुरा स्थित अय्यप्पा मंदिरों में शबरिमला की परंपरा के अनुरूप विशेष पूजा-अर्चना की जाएगी। संक्रांति की संध्या महादीपाराधना के साथ कार्यक्रमों की शुरुआत होगी। इसके बाद अय्यप्पा भजना समिति एवं आमंत्रित कलाकारों द्वारा भरतनाट्यम, मोहिनियाट्टम, सेमी क्लासिकल नृत्य, कथक, कैकोट्टिकली तथा तिरूवातिराकली की भावपूर्ण प्रस्तुतियां दी जाएंगी। भक्तिमय वातावरण में स्वामी शरणम् अय्यप्पा शरणम् के जयघोष के साथ महोत्सव अपने चरम पर पहुंचेगा। इससे पूर्व मंगलवार को मकर विलक्कू महोत्सव की पूर्व संध्या पर विभिन्न धार्मिक अनुष्ठान संपन्न हुए। खातीपुरा स्थित अय्यप्पा मंदिर में सुबह पल्लिउणरत के बाद अष्ट द्रव्य महागणपति हवन किया गया। दिन भर भगवान अय्यप्पा का दूध, घी, शहद, नारियल जल एवं अन्य द्रव्यों से अभिषेक हुआ। संध्या काल में पुष्पालंकार, फूलों की रंगोली और चुट्ट विलक्कु के साथ महाआरती की गई। इस अवसर पर मंदिर परिसर में 1008 दीपों से चुट्टिवलक्कु तथा 108 दीपों की दीपास्थम्भम प्रज्वलित की गई।वहीं गोपालपुरा स्थित अय्यप्पा मंदिर में तीन दिवसीय 41वीं प्राण प्रतिष्ठा समारोह एवं मकर विलक्कू महोत्सव का शुभारंभ पल्लि उणरत से हुआ था। हरिनाम कीर्तन, अष्ट द्रव्य महागणपति हवन, आष्टाभिषेक और भगवान अय्यप्पा के विविध द्रव्यों से अभिषेक किए गए।

गोदम्बाजी का विवाह उत्सव मनाया

जयपुर। लक्ष्मीनारायण पुरी स्थित श्री लक्ष्मीनारायण मंदिर में महंत त्रिविक्रमचार्य के सान्निध्य में मंगलवार को गोदम्बाजी का विवाह वैष्णव परंपरा के अनुसार उत्सव धूमधाम से मनाया गया।

भजनलाल सरकार ने युवाओं को दी भर्ती कलैंडर की ऐतिहासिक सौगातः राजेंद्र राठौड़

जयपुर। भाजपा के वरिष्ठ नेता और पूर्व नेता प्रतिपक्ष राजेंद्र राठौड़ ने प्रदेश की भाजपा सरकार को युवा हितैषी बताते हुए कहा कि पहली बार राष्ट्रीय युवा दिवस पर 1 लाख से अधिक सरकारी पदों पर वर्ष 2026 का भर्ती कलैंडर जारी कर युवाओं को ऐतिहासिक सौगात दी है। उन्होंने कहा कि यह 44

- अब प्रदेश के युवाओं को बिना खर्ची और बिना पर्ची के मिल रही है सरकारी नौकरियां : राजेंद्र राठौड़

भर्ती परीक्षाओं का स्पष्ट रोडमैप है, जिससे युवा समय पर अपनी तैयारी कर सकेंगे। यह मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा की पारदर्शी, समयबद्ध और ईमानदार भर्ती प्रक्रिया के प्रति प्रतिबद्धता का द्योतक है। उन्होंने कहा कि भाजपा ने अपने संकल्प पत्र में 5 साल में 4 लाख सरकारी और 6 लाख निजी क्षेत्र में रोजगार उपलब्ध करवाने का वादा किया था।

उसके अनुसरण में पिछले दो साल में 92 हजार से अधिक सरकारी नौकरियां दी गई, 1.53 लाख पदों पर प्रक्रियाधीन है। भाजपा के वरिष्ठ नेता राजेंद्र राठौड़ ने कहा कि वहीं दूसरी ओर प्रदेश की पूर्ववर्ती कांग्रेस सरकार ने पूरे 5 साल में 2 लाख 7 हजार 570 सरकारी भर्तियां की थी, जिसमें से 82

भाजपा के वरिष्ठ नेता राजेन्द्र राठौड़ ने राज्य सरकार की उपलब्धियां गिनाई।

हजार नौकरियां संविदाकर्मियों की थी, और करीबन 31 हजार नौकरियां आज भी विभिन्न न्यायालयों में अटकी हुई है। वहीं मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के नेतृत्व में पिछले दो साल में 296 परीक्षाओं का सफलतापूर्वक और बिना एक भी पेपरलीक हुए आयोजन किया गया है।

राठौड़ ने कहा कि कांग्रेस की गहलोत सरकार में बेरोजगारी की औसत दर 26 प्रतिशत रही, वहीं भाजपा की भजनलाल सरकार में जुलाई-सितंबर 2025 तक 7.4 हो गई है। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने मुख्यमंत्री युवा स्वरोजगार योजना और राजस्थान रोजगार नीति 2026 लागू करते हुए युवाओं के भविष्य को सुरक्षित करने का काम किया है। इससे मार्च 2029 तक करीबन 15 लाख युवाओं को रोजगार के अवसर मिलेंगे।

भाजपा के वरिष्ठ नेता राजेंद्र राठौड़ ने भजनलाल सरकार को धन्यवाद देते हुए कहा कि कांग्रेस के शासनकाल में राजस्थान पर बेरोजगारी, पेपरलीक और नेटबंदी का जो कलंक लगा हुआ था, उसे भाजपा की भजनलाल सरकार ने मिटाने का ऐतिहासिक काम किया है। राठौड़ ने कहा कि वर्ष 2023-24 में कांग्रेस के शासनकाल में प्रतिव्यक्ति आय 1.66 लाख रुपए थी, जो अब सरकार के ईमानदार प्रयासों से 2.37 लाख रुपए अनुमानित हो गई। उन्होंने कहा कि यह भजनलाल सरकार का स्पष्ट लक्ष्य है कि 2030 तक प्रदेश की अर्थव्यवस्था 350 बिलियन डॉलर तक पहुंचे। इसके लिए चाहे सरकारी नौकरियां हो, एमएसएमई स्टार्टअप, कौशल विकास, या नवाचार के माध्यम से स्वरोजगार और रोजगार के अवसर सृजित किए जा रहे है। भाजपा के वरिष्ठ नेता राजेंद्र राठौड़ ने कांग्रेस प्रदेशाध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा पर तंज कसते हुए कहा कि डोटासरा साहब शायद वह दिन भूल गए हैं जब शिक्षकों ने तत्कालीन मुख्यमंत्री अशोक गहलोत के सामने खुलेआम रिश्वत लेकर तबादला कराने की बात स्वीकार की थी।

सम्मन बनाम कायम मुकाम
(आदेश 22 रूल 4 जाब्ता दीवानी)
अज अदालत न्यायालय अपर वरिष्ठ सिविल न्यायाधीश क्रम-1 जयपुर जिला जयपुर
महेश बनाम परमानन्द
दावा बाबत order 9 Rule 9 & CPC Restoration
मुकदमा नम्बर 4 सन् NCV No. 7/18
बनाम- 1/4/1 राखी शर्मा पत्नी स्व. योगेश चन्द शर्मा, 1/4/2 मानव शर्मा पुत्र स्व. योगेश चन्द शर्मा,, 1/4/3 उन्नति शर्मा पुत्री स्व. योगेश चन्द शर्मा निवासीगण ग्राम कांडनबास, तहसील बस्सी, जिला जयपुर
चूंकि वादी/प्रार्थी महेश ने इस अदालत में तारीख 12 माह 03 सन् 2018 को 1. महेश वगै. बनाम 2. परमानन्द वगै. प्रार्थना पत्र आदेश आदेश 9 नियम 9 सपठित धारा 151 CPC दायर की जो कि बाद अप्रार्थी योगेश अप्रार्थी में फोत हो गया और चूंकि प्रार्थी महेश मजकूर के दरख्वास्त अदालत हाजा में यह जाहिर करने की आप मुतवफ्फी योगेश अप्रार्थी मजकूर के कायम मुकाम जायज हो और इस्तदुआ की है बजाय उसके आप 3 पक्षकार/अप्रार्थीगण बनाये जावें।
लिहाजा बजरिये हाजा बगर्ज जवाबदेही 1....आपको तारीख 17 माह 1 सन् 2026 को अदालत हाजा में हाजिर होने के लिए तलब किया जाता है और तारीख मुकर्रर पर आपके हाजिर न होने पर मुकदमा आपकी गैर हाजिरी में सुना व फैसला किया जावेगा।
बसब्त मेरे दस्तखत व मुहर अदालत के आज तारीख 6 माह 1 सन् 2026 को जारी किया गया।
दस्तखत
अतिरिक्त वरिष्ठ सिविल न्यायाधीश एवं अपर मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट क्रम-1 जयपुर जिला जयपुर
मोहर अदालत

Proclamation Requiring Attendance of Defendant (Order 5, Rule 20 of the Code of Civil Procedure)
In the Court of Sh. Sumit Dalal, Adj-04/SW/Dwarka New Delhi
CS DJ ADJ 983/2023
AJAY KUMAR......Plaintiff
Vs.
YOGENDER KUMAR & ORS.....Defendant
To
KAMAL KANT R/O VPO BAS KRIPAL NAGAR, TEH KISHANGARH BASS ALWAR, RAJASTHAN-301405
MOB.: 9251341503
Whereas you are intentionally evading service of summons it is hereby notified that if you shall not defend the case on the 11/02/2026 the day fixed for the final disposal, it will be heard and determined ex-partie.
Given under my hand and the seal of the court, this 12/01/2026.
Seal — JUDGE-DJ-04, S.W., DWARKA COURTS, DELHI

प्रपत्र संख्या 7
(देखिये नियम 21)
कार्यालय सहायक आयुक्त (प्रथम) देवस्थान विभाग, जयपुर
राजस्थान सार्वजनिक प्रन्यास अधिनियम 1959 की धारा 18 (2) के अधीन नोटिस
समस्त सम्बन्धित व्यक्तियों को
मुकदमा नम्बर DEV/JAIPUR-I/TRUST/2025/1134
चूंकि प्रार्थी श्री DABLESH KUMAR VERMA SHYOPUR 57-58, SHYAM VIHAR COLONY, JAIPUR ने राजस्थान सार्वजनिक प्रन्यास अधिनियम 1959 की धारा 17(1) के अन्तर्गत प्रन्यास जन उत्थान सामाजिक सेवा संस्थान 23, NARDHAMAN COLONY SANGANER, JAIPUR के सम्बन्ध में अग्रिम जांच किये जाने के लिए आवेदन पत्र दिया है।
अतएवं धारा 18 की उपधारा (2) द्वारा प्रदत्त शक्तियों के प्रयोग में उपर्युक्त प्रन्यास जिसकी जांच की जा रही है में हित रखने वाले समस्त व्यक्तियों के नाम, व्यापक जानकारी के लिए यह नोटिस प्रकाशित किया जाता है कि वे इस नोटिस के जारी होने की तारीख से साठ दिन के भीतर उक्त प्रन्यास के सम्बन्ध में आपत्तियां, यदि कोई हो प्रस्तुत करें।
और यह सूचित किया जाता है कि यदि उपरोक्त निर्दिष्ट अवधि के भीतर कोई आपत्तियां नहीं की गई तो उक्त आवेदन पत्र निर्धारित रीति से निर्णित किया जावेगा तथा जांच ग्रसित मामले में निष्कर्ष अभिलिखित किया जावेगा।
आज दिनांक 09.01.2026 को मेरे हस्ताक्षर तथा कार्यालय मोहर के अधीन जारी किया गया।
आइदा तारीख पेशी 18.03.2026
मोहर अदालत — सहायक आयुक्त, देवस्थान विभाग, जयपुर-प्रथम

प्रपत्र संख्या 7
(देखिये नियम 21)
कार्यालय सहायक आयुक्त (प्रथम) देवस्थान विभाग, जयपुर
राजस्थान सार्वजनिक प्रन्यास अधिनियम 1959 की धारा 18 (2) के अधीन नोटिस
समस्त सम्बन्धित व्यक्तियों को
मुकदमा नम्बर DEV/JAIPUR-I/TRUST/2025/1135
चूंकि प्रार्थी श्री SHASHIKANT SHARMA A-51, GANPATI NAGAR, MAIN BUS STAND RAJAWAS JAIPUR ने राजस्थान सार्वजनिक प्रन्यास अधिनियम 1959 की धारा 17(1) के अन्तर्गत प्रन्यास श्री इच्छा पूणेश्वर महादेव मंदिर समिति A 190, MAIN GANPATI NAGAR RAJAWAS JAIPUR के सम्बन्ध में अग्रिम जांच किये जाने के लिए आवेदन पत्र दिया है।
अतएवं धारा 18 की उपधारा (2) द्वारा प्रदत्त शक्तियों के प्रयोग में उपर्युक्त प्रन्यास जिसकी जांच की जा रही है में हित रखने वाले समस्त व्यक्तियों के नाम, व्यापक जानकारी के लिए यह नोटिस प्रकाशित किया जाता है कि वे इस नोटिस के जारी होने की तारीख से साठ दिन के भीतर उक्त प्रन्यास के सम्बन्ध में आपत्तियां, यदि कोई हो प्रस्तुत करें।
और यह सूचित किया जाता है कि यदि उपरोक्त निर्दिष्ट अवधि के भीतर कोई आपत्तियां नहीं की गई तो उक्त आवेदन पत्र निर्धारित रीति से निर्णित किया जावेगा तथा जांच ग्रसित मामले में निष्कर्ष अभिलिखित किया जावेगा।
आज दिनांक 09.01.2026 को मेरे हस्ताक्षर तथा कार्यालय मोहर के अधीन जारी किया गया।
आइदा तारीख पेशी 18.03.2026
मोहर अदालत — सहायक आयुक्त, देवस्थान विभाग, जयपुर-प्रथम

प्रपत्र संख्या 7
(देखिये नियम 21)
कार्यालय सहायक आयुक्त (प्रथम) देवस्थान विभाग, जयपुर
राजस्थान सार्वजनिक प्रन्यास अधिनियम 1959 की धारा 18 (2) के अधीन नोटिस
समस्त सम्बन्धित व्यक्तियों को
मुकदमा नम्बर DEV/JAIPUR-I/TRUST/2025/1136
चूंकि प्रार्थी श्री GYARSI LAL SHARMA 40, PRATAP NAGAR COLONY, NEAR GLASS FACTORY, TONK ROAD, JAIPUR ने राजस्थान सार्वजनिक प्रन्यास अधिनियम 1959 की धारा 17(1) के अन्तर्गत प्रन्यास प्रियंका हार्ट केयर फाउन्डेशन सोसायटी 40, PRATAP NAGAR COLONY, NEAR GLASS FACTORY, TONK ROAD, JAIPUR के सम्बन्ध में अग्रिम जांच किये जाने के लिए आवेदन पत्र दिया है।
अतएवं धारा 18 की उपधारा (2) द्वारा प्रदत्त शक्तियों के प्रयोग में उपर्युक्त प्रन्यास जिसकी जांच की जा रही है में हित रखने वाले समस्त व्यक्तियों के नाम, व्यापक जानकारी के लिए यह नोटिस प्रकाशित किया जाता है कि वे इस नोटिस के जारी होने की तारीख से साठ दिन के भीतर उक्त प्रन्यास के सम्बन्ध में आपत्तियां, यदि कोई हो प्रस्तुत करें।
और यह सूचित किया जाता है कि यदि उपरोक्त निर्दिष्ट अवधि के भीतर कोई आपत्तियां नहीं की गई तो उक्त आवेदन पत्र निर्धारित रीति से निर्णित किया जावेगा तथा जांच ग्रसित मामले में निष्कर्ष अभिलिखित किया जावेगा।
आज दिनांक 09.01.2026 को मेरे हस्ताक्षर तथा कार्यालय मोहर के अधीन जारी किया गया।
आइदा तारीख पेशी 18.03.2026
मोहर अदालत — सहायक आयुक्त, देवस्थान विभाग, जयपुर-प्रथम

सशक्त उद्योगों से ही विकसित राजस्थान का निर्माण, प्रदेश बन रहा निवेशकों की पहली पसंद

जयपुर, (निसं)। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि सशक्त उद्योगों से ही विकसित राजस्थान का निर्माण होगा। राज्य सरकार निवेश प्रक्रियाओं में सरलता, पारदर्शिता एवं नीतियों में दीर्घकालीन स्थिरता लाने के साथ ही व्यवसाय की लागत में कमी की प्राथमिकताओं पर प्रतिबद्ध होकर कार्य कर रही है। उन्होंने आश्वस्त किया कि विभिन्न हितधारकों से प्राप्त सुझावों को आगामी राज्य बजट 2026-27 में शामिल करने के हरसंभव प्रयास किए जाएंगे।

शर्मा मंगलवार को मुख्यमंत्री कार्यालय में उद्योग, सेवा क्षेत्र, व्यापार, कर सलाहकार एवं युवा प्रोफेशनल्स के साथ बजट पूर्व चर्चा कर रहे थे। उन्होंने कहा कि उद्योगों की समृद्धि से ही विकास को नई गति मिलती है। एमएसएमई, पर्यटन, लॉजिस्टिक्स, नवीकरणीय ऊर्जा और तकनीकी सेवाओं सहित विभिन्न क्षेत्रों में उद्यमशीलता ने प्रदेश के आर्थिक परिदृश्य में बड़ा बदलाव लाया है। राजस्थान निवेशकों की पहली पसंद बन रहा है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार ने प्रदेश में ईज ऑफ डूइंग बिजनेस के लिए कई नीतियों, योजनाओं के साथ-साथ अहम निर्णय किए हैं। राइजिंग

सीएम भजनलाल शर्मा ने मुख्यमंत्री कार्यालय में उद्योग, सेवा क्षेत्र, व्यापार, कर सलाहकार एवं युवा प्रोफेशनल्स के साथ बजट पूर्व चर्चा की।

राजस्थान ग्लोबल इन्वेस्टमेंट समिट के दौरान हस्ताक्षिरत 35 लाख करोड़ रुपये से अधिक के एमओयू में से 8 लाख करोड़ रुपये की ग्राउंड ब्रेकिंग राजस्थान को इन्वेस्टमेंट फ्रेंडली राज्य के रूप में स्थापित करती है। राज्य सरकार ने जोधपुर-पाली-मारवाड़ इंडस्ट्रियल एरिया, पचपदरा रिफाइनरी के साथ ही प्रदेश में औद्योगिक क्षेत्रों के विकास को अभूतपूर्व गति प्रदान की है। वहीं, पर्यटन के क्षेत्र में प्रदेश में असीम संभावनाएं हैं। शर्मा ने कहा कि स्थानीय व्यापारियों ने राजस्थान की देश-दुनिया में नई पहचान बनाई है। वे युवा उद्यिमयों को उद्योग-व्यापार में निवेश करने के लिए अधिक से अधिक प्रोत्साहित करें। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार उद्योगों को पर्याप्त बिजली सहित आवश्यक सुविधाएं एवं सेवाएं सुनिश्चित करने के लिए प्रतिबद्ध है। व्यापारियों के विभिन्न विषयों के निराकरण के लिए राज्य सरकार हर संभव कदम उठाएगी।इस दौरान उद्योग, सेवा क्षेत्र, व्यापार, कर सलाहकार एवं युवा प्रोफेशनल्स से जुड़े विभिन्न संगठनों ने निवेश केन्द्रित नीतियों एवं प्रयासों के लिए मुख्यमंत्री की सराहना की। बैठक में लघु उद्योग भारती, कन्फेडरेशन ऑफ इंडियन इंडस्ट्रीज, राजस्थान चैम्बर्स ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्रीज, फोर्टी, एसोचैम, फिक्की, इंस्टीट्यूट ऑफ चार्टर्ड अकाउंटेंट्स

- **उद्योग, सेवा क्षेत्र, व्यापार, कर सलाहकार एवं युवा प्रोफेशनल्स के साथ बजट पूर्व चर्चा - मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा**

ऑफ इंडिया, एसोसिएशन ऑफ टैक्स पेयर्स एण्ड प्रोफेशनल्स, दलित इंडियन चैम्बर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री, फैडरेशन ऑफ माइंस एसोसिएशन ऑफ राजस्थान, राजस्थान खाद्य पदार्थ व्यापार संघ, होटल एण्ड रेस्टोरेंट एसोसिएशन ऑफ राजस्थान, इंडियन हैरिटेज होटल एसोसिएशन, राजस्थान एसोसिएशन ऑफ टूर ऑपरेटर्स, वेयरहाउस एसोसिएशन ऑफ राजस्थान, राजस्थान स्टील चैम्बर सहित विभिन्न सेक्टर्स के संगठनों के प्रतिनिधि मौजूद थे।इस अवसर पर उद्योग एवं वाणिज्य मंत्री कर्नल राज्यवर्धन राठौड़, मुख्य सचिव वी. श्रीनिवास, अतिरिक्त मुख्य सचिव मुख्यमंत्री कार्यालय अखिल अरोड़ा, अतिरिक्त मुख्य सचिव उद्योग शिखर अग्रवाल, प्रमुख शासन सचिव वित्त वैभव गालरिया सहित संबंधित अधिकारीगण मौजूद रहे।

घर लौट रहे दो बाइक सवारों को ट्रक व पिकअप ने कुचला

जयपुर (निसं)। राजधानी जयपुर में सोमवार देर रात हिट एंड रन की दो अलग-अलग घटनाओं में दो युवकों की मौत हो गई। दोनों युवक बाइक से अपने-अपने घर लौट रहे थे। एक हादसा विश्वकर्मा इलाके में हुआ,जहां ट्रक की टक्कर से युवक की जान चली गई,जबकि दूसरा हादसा करधनी क्षेत्र में पिकअप की टक्कर से हुआ। दोनों मामलों में वाहन चालक मौके से फरार हो गए। एक्सीडेंट थाना (पश्चिम) पुलिस ने दोनों मृतकों का पोस्टमार्टम कराकर शव परिजनों को सौंप दिए हैं और फरार वाहनों की तलाश की जा रही है। एक्सीडेंट थाना (पश्चिम) के हेड कांस्टेबल महावीर ने बताया कि पहला हादसा विश्वकर्मा थाना क्षेत्र में वीकेआई एकता रोड पर हुआ। इसमें रोड नंबर-1डी निवासी शुभम पांडे (30) की मौत हो गई। शुभम सी-स्कीम स्थित एक निजी बैंक में मैनेजर थे और अपनी पत्नी व दो वर्षीय बेटे के साथ रहते थे। सोमवार रात करीब 12.45 बजे वे बाइक से सी-स्कीम से अपने घर लौट रहे थे। इसी दौरान सामने से आ रहे तेज रफ्तार ट्रक ने उसकी बाइक को टक्कर मार दी। इस हादसे के बाद ट्रक चालक मौके से फरार हो गया। राहगीरों की सूचना पर पुलिस ने शुभम को गंभीर हालत में कांवटिया अस्पताल पहुंचाया।

सार-समाचार

केंद्रीय एमएसएमई राज्य मंत्री सुशोभा करंदलाजे का जयपुर दौरा

जयपुर, (निसं)। केंद्रीय एमएसएमई राज्य मंत्री शोभा करंदलाजे मंगलवार को जयपुर दौरे पर रहीं। इस दौरान उन्होंने उद्योग भवन में पीएम विश्वकर्मा योजना की प्रगति की समीक्षा की। करंदलाजे ने इस योजना के क्रियान्वयन को लेकर राजस्थान में किए जा रहे प्रयासों की सराहना की। उन्होंने इस बात पर भी प्रसन्नता व्यक्त की कि राजस्थान सरकार द्वारा इस योजना के लाभार्थियों को 2 प्रतिशत अतिरिक्त ब्याज सब्सिडी दी जाती है, इससे केवल 3 प्रतिशत के ब्याज पर ही ऋण मिल रहा है। उन्होंने कहा कि राज्य में 1 जनवरी, 2026 तक बैंकों के द्वारा 53,552 लोगों को 466.70 करोड़ रुपये का ऋण वितरण किया जा चुका है। करंदलाजे ने उद्योग एवं वाणिज्य आयुक्त को निर्देश दिए कि वे संबंधित बैंकों के साथ बैठक कर ऋण स्वीकृत करने में आ रही परेशानियों को दूर किया जाए, ताकि अधिक से अधिक व्यक्तियों को ऋण उपलब्ध कराया जा सके। साथ ही, टूल किट वितरण, बैंकों द्वारा ऋण स्वीकृत और प्रशिक्षण में आने वाली परेशानियों के बारे में जानकारी ली और सभी संबंधित अधिकारियों को समन्वय के साथ कार्य करने के निर्देश दिए।

वाहन चालकों ने उठाया पौषबड़ों का आनंद

जयपुर। मकर संक्रांति की पूर्व संध्या पर गायत्री परिवार की ओर से मंगलवार को जेएलएन मार्ग पर राजस्थान विश्वविद्यालय के बाहर पौष बड़ा महोत्सव का आयोजन किया गया। मां गायत्री और गुरुसत्ता को भोग लगाने के बाद जेएलएन मार्ग से गुजरने वाले लोगों, वाहन चालकों को गर्मागर्म बड़े खिलाए और चाय पिलाई। गायत्री परिवार के वरिष्ठ परिजन महेश कचोलिया और उनके परिजनों ने दोपहर दो से शाम साढ़े पांच बजे तक बड़े और चाय वितरित की। लोगों ने स्वयं वाहन को साइड में कर दाल के गर्मगर्म बड़ों के साथ अदरक की चाय की चुस्की ली।

शासन सचिव ने की विभागीय योजनाओं एवं गतिविधियों की समीक्षा

जयपुर। शिक्षा विभाग द्वारा संचालित विभिन्न योजनाओं एवं गतिविधियों की समीक्षा हेतु मंगलवार को शिक्षा संकुल में शासन सचिव, स्कूल शिक्षा श्री कृष्ण कुणाल की अध्यक्षता में पीएमयू की समीक्षा बैठक आयोजित की गई।

बैठक के दौरान शासन सचिव श्री कृष्ण कुणाल ने प्रदेश के पीएम श्री विद्यालयों की गहन भौतिक जांच सहित विभिन्न महत्वपूर्ण विषयों पर अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। उन्होंने बताया कि 41 अधिकारी प्रदेशभर में 6-6 पीएम श्री विद्यालयों का दौरा करेंगे, जिनमें 3 श्रेष्ठ प्रदर्शन करने वाले एवं 3 न्यूनतम प्रदर्शन करने वाले विद्यालय शामिल होंगे। ये निरीक्षण 18 निर्धारित रैंकिंग मानकों के आधार पर किया जाएगा।

शासन सचिव ने निर्देश दिए कि निरीक्षण के दौरान यह सुनिश्चित किया जाए कि सभी पीएम श्री विद्यालयों में शौचालय एवं स्वच्छ पेयजल की व्यवस्था सुचारू रूप से संचालित हो। जिन विद्यालयों में इन मूलभूत सुविधाओं में कमी है, वहां 8 मार्च तक सभी व्यवस्थाएं पूर्ण रूप से उपलब्ध कराना

- **शिक्षा संकुल में आयोजित हुई पीएमयू समीक्षा बैठक**

अनिवार्य होगा। प्रत्येक अधिकारी दो ब्लॉकों के विद्यालयों का निरीक्षण करेगा। इसके साथ ही उन्होंने आंगनबाड़ी केंद्रों के विद्यालयों के साथ मानचित्रण (मैपिंग) को लेकर भी दिशा-निर्देश दिए। उन्होंने स्पष्ट किया कि एक विद्यालय परिसर में अधिकतम दो आंगनबाड़ी केंद्र संचालित किए जा सकते हैं तथा इस आधार पर आंगनबाड़ियों को विद्यालय भवनों में स्थानांतरित करने की दिशा में कार्य किया जाए।

बैठक में शासन सचिव ने अपार आईडी पंजीकरण, शारीरिक शिक्षकों के लिए कार्यशालाओं, निपुण राजस्थान अभियान, क्लस्टर प्रशिक्षण योजना, ओआरएफ, सीबीए, कार्यपुस्तक के डिजाइन एवं वितरण, नवीन मानकों के आधार पर जिला रैंकिंग सहित अन्य महत्वपूर्ण विषयों की समीक्षा की तथा आवश्यक दिशा-निर्देश दिए।

मोबाइल स्नैचिंग गैंग के दो शातिर बदमाश गिरफ्तार

जयपुर(निसं)। शहर में लगातार बढ़ रही मोबाइल स्नैचिंग की घटनाओं पर अंकुश लगाने के लिए जयपुर कमिश्नरेट की स्पेशल टीम (क्राइम ब्रांच सीएसटी) ने एसएमएस थाना इलाके में कार्रवाई करते हुए दो मोबाइल स्नैचरों को गिरफ्तार किया है।

पुलिस टीम ने आरोपियों के कब्जे से वारदात में प्रयुक्त मोटरसाइकिल और एक कीमती आईफोन बरामद किया गया है। प्रारंभिक जांच में सामने आया है कि मुख्य आरोपी अब तक 17-18 से अधिक वारदातों को अंजाम दे चुका है। फिलहाल आरोपियों से पूछताछ की जा रही है। पुलिस उपायुक्त (अपराध) अभिजीत सिंह ने बताया कि सीएसटी आयुक्तालय की टीम ने एसएमएस थाना (पूर्व) क्षेत्र में कार्रवाई करते हुए मोबाइल स्नैचर सैफ अली उर्फ मोटा (27) निवासी रामगंज जयपुर और मोहम्मद सलमान (29) निवासी कोटा हाल रामगंज जयपुर को गिरफ्तार किया है। जिनके पास से वारदात में प्रयुक्त दुपहिया वाहन तथा एप्पल आईफोन 17 प्रो मैक्स बरामद किया गया है।

ऑडी हिट एंड रन मामला: मुख्य आरोपी की मदद करने वाले पांच गिरफ्तार

जयपुर(निसं)। राजधानी के पत्रकार कॉलोनी थाना इलाके में हुए चर्चित ऑडी हिट एंड रन मामले में पुलिस ने कार्रवाई करते हुए मुख्य आरोपी की मदद करने वाले एक डॉक्टर सहित पांच आरोपियों को गिरफ्तार किया है। जिन्होंने दिनेश रणवां (ड्राइवर) को फरार करवाने, छिपाने, गाड़ी और आर्थिक रूप से मदद की थी। हालांकि हादसे के समय ऑडी कार चला रहा मुख्य आरोपी दिनेश रणवां अब भी पुलिस की गिरफ्त से बाहर है। इस मामले में अब तक कुल सात आरोपियों को गिरफ्तार किया जा चुका है। सभी आरोपियों को आमने-सामने बैठाकर पूछताछ की जा रही है।

पुलिस उपायुक्त जयपुर (दक्षिण) राजर्षि राज ने बताया कि हादसे के वक्त ऑडी कार में सवार मुकेश कुमार रणवां और पप्पू चौधरी को पहले ही गिरफ्तार किया जा चुका है। । जिसमें एक मुकेश वर्तमान में पुलिस विभाग के निर्भया स्क्वॉड में कॉन्स्टेबल के रूप में जयपुर में तैनात है। वहीं मुख्य आरोपी दिनेश को फरार कराने और छुपाने में मदद

- **मुख्य आरोपी दिनेश अब भी फरार,अब तक सात लोगों की गिरफ्तारी**

करने के आरोप में डॉ. अशोक मीणा, सुमित कुमार, भागचंद, शिवराज और नितिन को गिरफ्तार किया गया है। इन आरोपियों ने दिनेश को घटनास्थल से भगाने, छुपाने तथा वाहन और नकदी मुहैया कराने में भूमिका निभाई।

पुलिस ने इस मामले में अब तक दो वाहन जब्त किए हैं। इनमें एक वह ऑडी कार शामिल है, जिससे हादसा हुआ था, जबकि दूसरी वह कार है, जिससे मुख्य आरोपी दिनेश घटनास्थल से फरार हुआ था।

हादसे में एक की मौत, 16 लोग कुचले गए: पुलिस के अनुसार 9 जनवरी की रात मानसरोवर स्थित पत्रकार कॉलोनी के खरबास सर्किल पर तेज रफ्तार ऑडी कार ने थड़ी-ठेलों को टक्कर मारते हुए 16 लोगों को कुचल दिया। हादसे में एक व्यक्ति की मौत हो गई, जबकि कई गंभीर घायलों का सवाई मानसिंह अस्पताल में उपचार जारी है। घटना के समय कुछ लोग वहां काम कर रहे थे और कुछ भोजन कर रहे थे। हादसे के बाद मौके पर अफरा-तफरी और चीख-पुकार मच गई।

शराब के नशे में था चालक: अब तक की जांच में सामने आया है कि कार चालक दिनेश शराब के नशे में धुत था और अत्यधिक तेज गति से वाहन चला रहा था। बेकाबू कार ठेलों में घुस गई और लोगों को कुचलती चली गई। मौके पर जमा भीड़ का फायदा उठाकर दिनेश फरार हो गया। इसके बाद उसने अपने परिचित डॉ. अशोक मीणा को फोन किया, जिन्होंने उसे कार में बैठाकर रिंग रोड तक छोड़ा। इसके बाद से दिनेश फरार है और उसने अपना मोबाइल फोन भी बंद कर लिया है। वहीं पुलिस ने मुख्य आरोपी (कार चलाने वाले) दिनेश रणवा (32) के सभी बैंक खाते सीज कर दिए। इसमें उसकी कंपनी के खाते भी शामिल हैं। दिनेश की सोलर से जुड़ी कंपनी है। पुलिस दिनेश रणवा को पकड़ने के लिए दबिश दे रही है।

नाबालिग से दुष्कर्म करने वाले अभियुक्त को सजा

जयपुर। पॉक्सो मामलों की विशेष अदालत क्रम-1 महानगर, द्वितीय ने नाबालिग का अपहरण कर उसके साथ दुष्कर्म करने वाले अभियुक्त दीपक कुमार को बीस साल की सजा सुनाई है। इसके साथ ही अदालत ने अभियुक्त पर 1.20 लाख रुपए का जुर्माना लगाया है। पीठासीन अधिकारी विकास कुमार खंडेलवाल ने अपने आदेश में कहा कि वर्तमान में इस प्रकार की घटनाएं बढ़ती जा रही है। यदि ऐसे अपराधियों के प्रति कोर्ट नरमी का रुख रखेगी तो इससे उनके हौसले बुलंद होंगे और अपराध की पुनरावृत्ति से इनकार नहीं किया जा सकता। अभियोजन पक्ष की ओर से विशेष लोक अभियोजक मातादीन शर्मा ने अदालत को बताया कि घटना को लेकर पीडिता की मां ने 18 फरवरी, 2022 को हरमाड़ा थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई थी। रिपोर्ट में कहा गया कि उसकी नाबालिग बेटी सुबह सात बजे घर से बिना बताए कहीं चली गई है। उसे कई जगह पर तलाश किया, लेकिन उसका पता नहीं चला। रिपोर्ट में आशंका जताई कि दीपक कुमार उसे कहीं लेकर चला गया है। रिपोर्ट पर कार्रवाई करते हुए पुलिस ने बिहार से अभियुक्त को गिरफ्तार कर पीड़िता को बरामद किया। सुनवाई के दौरान पीडिता ने अदालत को बताया कि उसके पास दीपक का फोन आता था। घटना के दिन वह दूध लेने गई थी। बीच रास्ते दीपक उसे अपने साथ बिहार लेकर चला गया था, जहां वह उसकी बहन के घर रुके थे। इस दौरान दीपक ने उसके साथ तीन बार जबरन संबंध बनाए थे। इस दौरान अभियुक्त ने उसे नशा करवा कर संबंध बनाए थे। वहीं अभियुक्त की ओर से कहा गया कि पीड़ित पक्ष का ठेला लगाने की बात को लेकर उसका झगडा हुआ था। ऐसे में परिवादी ने अपनी बेटी को मोहरा बनाकर उसके खिलाफ झूठा मामला दर्ज कराया है। दोनों पक्षों की बहस सुनने के बाद अदालत ने अभियुक्त को सजा और जुर्माने से दंडित किया है।

आज रहेगा आसमान में वो काटा वो मारा का शोर

जयपुर। नव अंग्रेजी वर्ष 2026 का पहला बड़ा पर्व मकर संक्रांति 14 जनवरी को श्रद्धा और उल्लास के साथ मनाया जाएगा। सुबह से शाम तक आसमान में रंग-बिरंगी पतंगें इलठाएंगी। डीजे की धुन पर दिनभर वो काटा के शोर के साथ पतंगबाजी होगी। सुबह का चाय-नाश्ता और दोपहर का भोजन छतों पर ही होगा। देर शाम आतिशबाजी कर विशिंग लैंप आसमान में छोड़े जाएंगे। मंगलवार को लोगों ने जमकर पतंगे और चरखी खरीदी। हांडीपुरा सहित पतंगों के बाजारों में दिनभर पतंग प्रेमियों का हुजूम उमड़ता रहा। वहीं घरों में महिलाओं ने तिल और गुड़ के लड्डू बनाए। बाजारों में फीणी की जमकर बिक्री हुई। मंगलवार को गलता गेट स्थित गीता गायत्री मंदिर में रंग-बिरंगी पतंगों की झांकी सजाई गई। पं. राजकुमार चतुर्वेदी ने बताया कि मकर संक्रांति पर पतंगों का निशुल्क वितरण भी किया जाएगा।

धौलपुर वनरक्षक हत्याकांड के विरोध में संयुक्त वन कर्मचारी संघ का उग्र प्रदर्शन

जयपुर(निसं)। धौलपुर में अवैध खनन माफियाओं द्वारा वनरक्षक जितेंद्र सिंह शेखावत की निर्मम हत्या के विरोध में संयुक्त वन कर्मचारी संघ, राजस्थान द्वारा श्रद्धांजलि सभा एवं धरना-प्रदर्शन का आयोजन किया गया। इस दौरान कर्मचारियों ने सरकार की लचर नीतियों एवं वन विभाग की संवेदनहीनता को इस दुखद घटना के लिए जिम्मेदार ठहराया।

कर्मचारियों ने मांग की कि शहीद वनरक्षक जितेंद्र सिंह शेखावत को शहीद का दर्जा दिया जाए, उनके परिजनों को सरकार की ओर से 1 करोड़ की आर्थिक सहायता प्रदान की जाए तथा प्रदेश के सभी रेंज कार्यालयों में पुलिस थानों की तर्ज पर पर्याप्त संसाधन, हथियार एवं वाहन उपलब्ध कराए जाएं।

धरना-प्रदर्शन के दौरान आक्रोशित कर्मचारियों ने अरण्य भवन के गेट पर ताला लगाकर वन मंत्री का पुतला दहन कर अपना विरोध दर्ज कराया। उसके बाद श्रद्धांजलि सभा में 2 मिनट का मौन धारण

धौलपुर में अवैध खनन माफियाओं द्वारा वनरक्षक जितेंद्र सिंह शेखावत की निर्मम हत्या के विरोध में संयुक्त वन कर्मचारी संघ का प्रदर्शन।

कर पुष्पांजलि अर्पित कर कैंडल मार्च निकाला गया। इस आंदोलन में प्रदेश के समस्त जिलों से विभिन्न संवर्गों के पदाधिकारी एवं कर्मचारी बड़ी संख्या में शामिल हुए। समस्त वन कर्मचारी संगठनों द्वारा एक बड़ा आंदोलन करने का निर्णय लिया गया। सभा को महावीर शर्मा, गजेंद्र सिंह राठौड़, कमल यादव, भूपेंद्र जादौन, अजयवीर सिंह, प्रकाश यादव,हनुमान चौधरी, पृथ्वी सिंह, सुरेंद्र फौजी, रामावतार पुरी सहित अनेक पदाधिकारियों ने संबोधित किया।

जन आकांक्षाओं पर खरा उतरेगा प्रदेश का आगामी बजट : जोगाराम पटेल

जयपुर। प्रदेश का आगामी बजट जन आकांक्षाओं पर खरा उतरने वाला होगा, जिसमें समाज के हर वर्ग और तबके के हितों का समुचित ध्यान रखा जाएगा। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा की मंशानुसार बजट से पूर्व सभी क्षेत्रों के हितधारकों से संवाद कर सुझाव आमंत्रित किए जा रहे हैं, ताकि बजट अधिक से अधिक जनोपयोगी बन सके। यह बात जयपुर जिले के प्रभारी मंत्री जोगाराम पटेल ने कही।

प्रभारी मंत्री जोगाराम पटेल मंगलवार को कलेक्ट्रेट सभागार में आयोजित जिला स्तरीय बजट पूर्व संवाद कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। जिला कलक्टर डॉ. जितेन्द्र कुमार सोनी की उपस्थिति में आयोजित इस बैठक में चिकित्सक, अनुसूचित जाति एवं अनुसूचित जनजाति समूहों के प्रतिनिधि, एनजीओ, सिविल सोसायटी एवं उपभोक्ता फोरम, कृषक, पशुपालक एवं डेयरी संगठन, युवा एवं खिलाड़ी, उद्योग एवं सेवा क्षेत्र, व्यापार, कर सलाहकार, युवा प्रोफेशनल्स, राजीविका से जुड़ी महिला प्रतिनिधियों सहित विभिन्न संगठनों ने बजट से जुड़े अपने सुझाव प्रस्तुत किए।

प्रभारी मंत्री जोगाराम पटेल ने सभी हितधारकों को आश्वस्त किया कि प्राप्त सुझावों का समुचित परीक्षण कर उन्हें बजट निर्माण प्रक्रिया में सम्मिलित करने हेतु राज्य सरकार को प्रेषित किया जाएगा। उन्होंने अमृत काल में राजस्थान को और अधिक समृद्ध, विकसित एवं आत्मनिर्भर बनाने के लिए सभी संगठनों और नागरिकों से सक्रिय भागीदारी निभाने की अपील की।हितधारकों के साथ संवाद के पश्चात प्रभारी मंत्री ने जिला स्तरीय अधिकारियों की समीक्षा बैठक भी ली। बैठक में पंच गौरव प्रोत्साहन योजना, डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी जिला उत्थान योजना सहित राज्य सरकार की फ्लैगशिप योजनाओं की प्रगति की समीक्षा की गई।

माधव गाडगिल के निधन पर राज्यपाल ने शोक जताया

जयपुर, (निसं)। राज्यपाल हरिभाऊ बागडे ने देश के प्रख्यात पर्यावरणविद माधव गाडगिल के निधन पर गहरा शोक व्यक्त किया है।

राज्यपाल बागडे ने कहा है कि देश के प्रख्यात पर्यावरणविद, चिंतक, पश्चिमी घाट जैव विविधता संरक्षण में अप्रतिम योगदान देने वाले माधव गाडगिल का निधन एक युग का अवसान है। वह धरती पुत्र थे। माधव गाडगिल जी ने जैव विविधता संरक्षण, सतत विकास और पर्यावरण नीति पर ही महती कार्य नहीं किया बल्कि पारिस्थितिकी संतुलन की दिशा में भी

- **राज्यपाल ने कहा है कि पर्यावरणविद, चिंतक, पश्चिमी घाट जैव विविधता संरक्षण में अप्रतिम योगदान देने वाले गाडगिल का निधन एक युग का अवसान है**

उनका बड़ा योगदान था। उनका निधन भारतीय प्रकृति संरक्षण की दृष्टि से चिंतन करने वाले मनीषी का बिछोह है। यह असहनीय क्षित है।

राजस्थान पुलिस के जवानों को मिलेगा आतंकवाद विरोधी अभियानों का उच्च स्तरीय प्रशिक्षण

जयपुर(निसं)। राष्ट्रीय सुरक्षा गार्ड (एनएसजी) और राजस्थान पुलिस के संयुक्त तत्वावधान में संपूर्ण सुरक्षा संवर्धन प्रशिक्षण कार्यक्रम मंगलवार को राजस्थान पुलिस अकादमी, जयपुर में शुरू हुआ। पुलिस महानिदेशक राजीव कुमार शर्मा और महानिदेशक राष्ट्रीय सुरक्षा गार्ड भृगु श्रीनिवास की मौजूदगी में हुए उद्घाटन समारोह में एनएसजी जवानों ने रोमांचक और आकर्षक प्रस्तुतियां दी। पुलिस महानिदेशक राजीव कुमार शर्मा ने उद्घाटन समारोह में कहा कि आतंकवाद एक गंभीर और वैश्विक चुनौती है, जिससे निपटने के लिए निरंतर सतर्कता, उच्च स्तरीय तैयारी और समन्वित प्रयासों की आवश्यकता है। उन्होंने कहा कि एनएसजी द्वारा केंद्रीय और राज्य पुलिस बलों को आतंकवाद विरोधी अभियानों के विभिन्न महत्वपूर्ण पहलुओं पर नियमित

राजस्थान पुलिस अकादमी, जयपुर में शुरू हुआ संपूर्ण सुरक्षा संवर्धन प्रशिक्षण कार्यक्रम।

रूप से प्रशिक्षण दिया जाता रहा है।

शर्मा ने बताया कि इस प्रशिक्षण से राजस्थान पुलिस के जवानों की व्यक्तिगत दक्षता और संयुक्त आतंकवाद विरोधी अभियानों में सामूहिक समन्वय और कौशल में वृद्धि सुनिश्चित होगी। महानिदेशक एनएसजी भृगु श्रीनिवासन ने कहा कि एनएसजी में सेना, केंद्रीय और राज्य पुलिस के चयनित कर्मियों को कठोर कमांडो प्रशिक्षण के बाद शामिल किया जाता है। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह के मार्गदर्शन में पिछले एक वर्ष में लगभग 26 हजार पुलिसकर्मियों को विशेष प्रशिक्षण दिया जा चुका है।

- **राष्ट्रीय सुरक्षा गार्ड और राजस्थान पुलिस के संयुक्त प्रशिक्षण कार्यक्रम का शुभारंभ**

इसी क्रम में राजस्थान पुलिस के लिए एक माह तक जयपुर और जोधपुर में विशेष आतंकवाद विरोधी प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया जा रहा है।एनएसजी ने अब तक ऑपरेशन ब्लैक थंडर, मुंबई आतंकी हमला और पठानकोट जैसे अभियानों में सफलता प्राप्त की है। इन अभियानों में 59 आतंकियों को ढेर किया गया, 178 को गिरफ्तार किया गया और 755 बंधकों को सुरक्षित बचाया गया।

एनएसजी के मेजर जनरल संदीप सिंह ने बताया कि राज्य पुलिस फर्स्ट रिस्पांडर होती है, इसलिए एनएसजी के साथ बेहतर समन्वय के लिए यह एक माह का जॉइंट ट्रेनिंग प्रोग्राम आयोजित किया गया है। इसमें बम डिस्पोजल, स्नाइपर, पर्सनल सिक्योरिटी, टेक्निकल ड्राइविंग सहित विभिन्न काउंटर टेरर ड्रिल्स पर प्रशिक्षण दिया जाएगा। पुलिस महानिदेशक स्पेशल ऑपरेशन्स आनंद कुमार श्रीवास्तव ने उपस्थित अधिकारियों का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि यह कार्यक्रम भविष्य की चुनौतियों को ध्यान में रखकर शुरू किया गया है।

पीएम मोदी पर जातिगत टिप्पणी मामला, राहुल गांधी के खिलाफ दायर रिवीजन याचिका खारिज

पीठासीन अधिकारी नीलम करवा ने कहा कि परिवादी के बयानों व अन्य साक्ष्यों से यह स्पष्ट है कि यह निगरानी खारिज किए जाने योग्य है

जयपुर। अतिरिक्त सत्र न्यायालय क्रम-4 महानगर द्वितीय ने पीएम नरेंद्र मोदी पर जातिगत टिप्पणी करने से जुड़े मामले में कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी खिलाफ दायर रिवीजन याचिका को खारिज कर दिया है।

इसके साथ ही अदालत ने मामले में निचली अदालत के आदेश को बरकरार रखा है। अदालत ने यह आदेश अधिवक्ता विजय कलंदर की रिवीजन याचिका पर दिए। पीठासीन अधिकारी नीलम करवा ने कहा कि परिवादी के बयानों व अन्य साक्ष्यों से यह स्पष्ट है कि यह निगरानी खारिज किए जाने योग्य है।

निगरानी में कहा था कि निचली कोर्ट ने परिवाद के वास्तविक तथ्यों पर गौर किए बिना ही आदेश पारित किया है। आरोपी मौजूदा लोकसभा में प्रतिपक्ष

- **अतिरिक्त सत्र न्यायालय क्रम-4 महानगर द्वितीय ने पीएम नरेंद्र मोदी पर जातिगत टिप्पणी करने से जुड़े मामले में कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी खिलाफ दायर रिवीजन याचिका को खारिज कर दिया है**

का नेता व जिम्मेदार नागरिक है। उन्होंने बार-बार जाति बदलकर भाषण दिया है और देश के आम नागरिकों को भड़काया जा रहा है। उनका मंसूबा देश एकता व अखंडता को नुकसान पहुंचाना है। ऐसे में उसकी रिवीजन याचिका को स्वीकार कर निचले कोर्ट का आदेश निरस्त किया जाए।

मामले के अनुसार परिवादी ने निचली कोर्ट में परिवाद दायर कर कहा था कि राहुल गांधी भारत जोडो न्याय यात्रा के दौरान छत्तीसगढ़ में कहा था कि पीएम नरेंद्र मोदी जन्म से ओबीसी वर्ग के नहीं है। गुजरात की भाजपा सरकार ने मोदी को ओबीसी बनाया है। वे पिछडों के हक व हिस्सेदारी के साथ न्याय नहीं कर सकते। यह बयान देश में अशांति पैदा करने वाला व अखंडता के खिलाफ है।

राहुल गांधी खुद को कश्मीरी कौल पंडित बताते हैं, जबकि उनके दादाजी फिरोज गांधी, गैर हिन्दू परिवार के थे। उन्होंने खुद की जाति छिपाकर बयान दिया, इससे परिवादी की धार्मिक भावनाएं आहत हुई है। इसलिए मामले में कानूनी कार्रवाई की जाए।

ARBIT it happens here...

Celebrating the Joy of Kites on International Kite Day

They're colourful, graceful, and dance freely in the sky, yes, they are kites! International Kite Day brings together enthusiasts from all walks of life, each showcasing their uniquely decorated creations. Believed to have originated in China over 2,000 years ago, kites were once used for practical purposes, like a general measuring battlefields, before becoming symbols of joy and creativity. In India, kite flying gained popularity around 500 years ago, often used in playful and romantic gestures. Today, the day celebrates culture, tradition, and the simple thrill of watching kites soar high above us.

राष्ट्रदूत
WEDNESDAY
14 January 2026
A-B

#PATANG

Kites!... Kites!... Kites!...

Ancient Chinese texts describe kites being used for measuring distances, testing the wind, lifting men, signaling, and communication for military operations

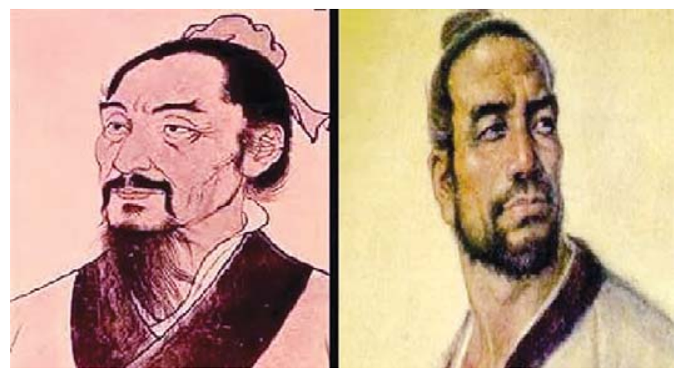

Kite flying (patang) in Rajasthan has a long history, with the tradition in cities like Bikaner reportedly starting in the 19th century. The specific introduction of kite flying to Jaipur is often attributed to Maharaja Ram Singh II, who brought the practice to the city around 150 years ago (mid-1800s).

He even established a dedicated kite factory and a system with horsemen to retrieve cut kites during the evening. This led to the prominent cultural phenomenon of kite flying in Rajasthan, especially during the Makar Sankranti festival in January each year.

While the exact origins of kites globally trace back to ancient China over 2,800 years ago, their earliest widespread adoption as a cultural and recreational activity in the specific region of Rajasthan is linked to these 19th-century developments.

In China, the kite has been claimed as the invention of the 5th-century BC Chinese philosophers Mozi and Lu Ban, who flew wooden kites called muyuan. With the invention of paper in the Han dynasty, kites made of paper became popular, and kites were called zhiyuan. Materials ideal for kite building were readily available, including silk fabric for sail material; fine, high-tensile-strength silk for flying line; and resilient bamboo for a strong, lightweight framework. By 549 AD, a kite was used as a message for a rescue mission. Ancient Chinese texts describe kites being used for measuring distances, testing the wind, lifting men, signaling, and communication for military operations. The earliest known Chinese kites were flat (not bowed) and often rectangular. Later, tailless kites incorporated a stabilizing bowline. Kites were decorated with mythological motifs and legendary figures. By the Tang dynasty, bamboo flutes, whistles, and ribbons were attached to kites to create sound, the precursor to the modern fengzheng, named after the sound the kites made in the wind. After its introduction into India, the kite further evolved into the fighter kite, known as the patang in India, where thousands are flown every year on

festivals such as Makar Sankranti. Kites were known throughout Polynesia, as far as New Zealand, with the assumption being that the knowledge diffused from China along with the people. Anthropomorphic kites, made from cloth and wood, were used in religious ceremonies to send prayers to the gods.

Kites were late to arrive in Europe, although windsock-like banners were known and used by the Romans. Stories of kites were first brought to Europe by Marco Polo towards the end of the 13th century, and kites were brought back by sailors from Japan and Malaysia in the 16th and 17th centuries. Konrad Kyeser described dragon kites in Bellifortis about 1400 AD. Although kites were initially regarded as mere curiosities, by the 18th and 19th centuries, they were being used as vehicles for scientific research. In 1752, Benjamin Franklin published an account of a kite experiment to prove that lightning was caused by electricity. Kites were also instrumental in the research of the Wright brothers, and others, as they developed the first airplane in the late 1800s. Several different designs of man-lifting kites were developed. The period from 1860 to about 1910 became the European 'golden age of kiting.'

In the 20th century, many new kite designs were developed. These included Eddy's tailless diamond, the tetrahedral kite, the Rogallo wing, the sled kite, the parafoil, and power kites. Kites were used for scientific purposes, especially in meteorology, aeronautics, wireless communications and photography. The Rogallo wing was adapted for stunt kites and hang gliding and the parafoil was adapted for parachuting and paragliding.

They set up hideouts in jungles near Chowkibal, a town in Kupwara district on the Indian side.

Don't Think Of A Gibraltar Again Pakistan

The Kashmir boundary has been a flashpoint for several decades.

Haji Pir Pass, at 8,652 feet, was the key. Whoever held it could control and dominate the main infiltration route between Pakistan-held territory and the Poonch-Uri axis. So long as the Pass was in Pakistani hands, Gibraltar's columns could keep coming. The Pass was dominated by three adjoining hill features, Bedori (3760 m) in the North-East, Ledwali Gali (3140 m) in the North-West and Sank (2895 m) in the North. The capture of these features was considered necessary for advancing to Haji Pir Pass.

Railroad officials and employees celebrate the completion of the first railroad transcontinental link in Promontory, Utah, on May 10, 1869. The Union Pacific's Locomotive No. 119 and Central Pacific's Jupiter edged forward over the golden spike that marked the joining of the nation by rail.

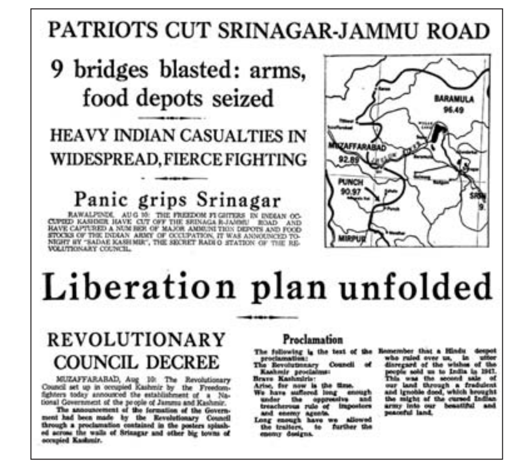

PATRIOTS CUT SRINAGAR-JAMMU ROAD

9 bridges blasted: arms, food depots seized

HEAVY INDIAN CASUALTIES IN WIDESPREAD, FIERCE FIGHTING

Panic grips Srinagar

Liberation plan unfolded

REVOLUTIONARY COUNCIL DECREE

Proclamation

Maj Gen Jagatbir Singh, VSM (RETD)

The first signs Operation Gibraltar Sixty were visible in early August 1965. Routine Patrols began reporting strangers in the high meadows. Villagers were often heard talking about men who claimed to be traders or herders but carried themselves like soldiers. Radio chatter that didn't match was being picked up. On the face of it, scattered dots on a map but the signs were revealing. There was a feeling that something was not right in Jammu and Kashmir

Pakistan's plan was audacious: slip thousands of trained men, disguised as civilians in coordinated columns, across the Ceasefire Line (CFL) and ignite an insurgency. The groups named after eight historical Muslim invaders such as Salahuddin, Babur, Ghaznavi and Tariq, were sent along designated routes with specific objectives starting from Kargil extending along Kishan Ganga River and further Southwards till Poonch. It was expected to garner local support and trigger mass uprising in J&K. Designed to tie down the Indian Army before regular Pakistani forces could exploit the chaos. Their aim was to create a 'People's War' in the Valley with a view to justify Pakistan intervention. General Harbaksh said it was 'brilliant in conception.'

But though ambitious, Operation Gibraltar was fundamentally flawed. There was an intelligence and analysis failure by Pakistan which relied excessively on inputs by few radical elements within the Valley who promised more than they could deliver regarding whipping up anti-India sentiment.

It also underestimated the Indian Army's preparedness, overestimated local support, and more importantly assumed infiltration routes would remain undetected. As the signs of hostile activities started emerging, the Indian Army moved rapidly from reactive defence to pre-emptive and offensive counter-operations, thus upsetting all Pakistani calculations.

Detection and Intelligence Fusion

The infiltration of the Gibraltar Force at various points across the 750-km long Cease-fire Line began on 05 August 1965. Initially, about 1,500 infiltrators crossed over in small batches, and concentrated at selected points organizing themselves into larger groups. The second batch of infiltrators, comprising some 6000 men, was pushed into Jammu and Kashmir in the third week of August. On the whole, about 8,000 infiltrators participated in these operations. By the first week of September 1965, a third batch of infiltrators, approximately 5,500 strong, was ready in Pakistan Occupied Kashmir for induction. But they could not be sent across the border due to the counter-offensive launched by India in Punjab.

Counter-Infiltration Operations

Recognising the magnitude of the threat, Army HQ tasked Western Command to neutralize the infiltrators before they could consolidate. 15 Corps' first move was to choke off the entry points the infiltrators depended on. Battalions were redeployed from depth areas to forward blocking positions in infiltration-prone areas. Mountain artillery Batteries were shifted to dominate likely approach routes and logistics were pushed up to sustain forward Platoons on exposed ridgelines.

Signals Detachments were embedded directly with Brigade HQs, ensuring that intercepted enemy transmissions could be turned into actionable intelligence within minutes. Air-Observation Post (Air OP) helicopters, risky to fly in such terrain, were tasked with scouting infiltration camps for strikes. Having successfully carried out a counter infiltration campaign, Lieutenant General Harbaksh Singh, the Western Army Commander, thereafter

Captured Pakistani soldiers during the 1965 Indo-Pakistan War.

#OPERATION GIBRALTAR 1965

India deployed 100,000 soldiers during the war.

> A renewed assault began at 2230 hours, 26 August. Indian troops advanced towards Point 9591 at Sank under intense fire. By 0430 hours, they reached within 450 meters of the enemy position and, in a determined frontal the charge, silenced enemy MMGs and LMGs. Pakistani troops withdrew to Sar feature. This was then captured and 1 PARA pushed to Ledwali Gali. However, the attack on the Bedori axis by 19 PUNJAB was stalled due to an unapproachable path. CO 1 PARA, Lieutenant Colonel Prabhjinder Singh, was now tasked to capture Haji Pir Pass. A small, self-contained, mixed Company Group was formed under Major (later Lieutenant General) RS Dayal.

pushed for three major offensives to seal J&K from further infiltration. The first was in the capture of three dominating Pakistani Posts in the Kargil Sector, thereafter, in Kishan Ganga Tithwal Sector where he had been a Brigade Commander in 1948, and finally, he concentrated on the strategic bulge between Uri and Poonch.

Kargil Sector: Recapture of Kargil Heights

In the Kargil Sector, the first step was to recapture the three Pakistani posts on the Kargil heights, which posed a constant danger to Srinagar-Leh Road. The Kargil heights, which had been captured by India in May 1965, were returned to Pakistan in June, in response to UN appeal.

On 14 August, a Task Force led by Major Balwant Singh of 17 PUNJAB captured Point 13620, Saddle, and Black Rocks. These objectives were attacked from three different directions. The troops had to climb up the slopes through the gaps in the minefield created by the Engineers in the night. The operation commenced at 0001 hours as planned and all the three objectives were captured by the morning of 15 August, without suffering any casualty.

Tithwal Sector

In the Tithwal Sector, the 'Nusrat Force' did not function effectively despite the fact that it was supported by regular Pakistani troops located near Mirpur. However, from 13 to 18 August, the Pakistanis raided some Indian Posts and indulged in intensive firing. In retaliation, the Indian troops crossed the Cease-fire Line on 24 August and occupied three Pakistani Posts. It was during this action that a 'Divisional Order' signed by Maj Gen Akhtar Hussain Malik was captured.

On 23 August, a combined Patrol of 2 RAJPUT and 3/8 GORKHA RIFLES secured the Ring Contour area across the Cease-fire Line. Although no opposition was encountered at the objective, the enemy shelled the position throughout the night. On 24 August, 1 SIKH attacked the Pakistani Post on Richhmar Ridge. The attack was ably led by Major Somesh Kapoor, and the enemy, taken by surprise, fled in confusion.

On the night of 25-26 August 1965, Pir Sahiba was captured after a determined climb and close combat. This blocked key infiltration routes into Kashmir.

On 03-04 September, 3/8 GORKHA RIFLES attacked the Sunjoi feature. After crossing minefields and fighting hand-to-hand, they successfully evicted Pakistanis from the feature. Two enemy counter-attacks were beaten back. By mid-September, Indian patrols found Parni and Mirpur abandoned, and on 20-21 September night, 4 KUMAON captured Point 9013 after three hours of fierce fighting. The Indian forces now secured control over the Mirpur Sector up to the Kishan Ganga River.

Uri-Haji Pir: Closing the Gateway

Haji Pir Pass, at 8,652 feet, was the key. Whoever held it could control and dominate the main infiltration route between Pakistan-held territory and the Poonch-Uri axis. So long as the Pass was in Pakistani hands, Gibraltar's columns could keep coming. The Pass was dominated by three adjoining hill features, Bedori (3760 m) in the North-East, Ledwali Gali (3140 m) in the North-West and Sank (2895 m) in the North. The capture of these features was considered necessary for advancing to Haji Pir Pass. The Haji Pir Operation, designed as a major pincer, called for a Northern thrust along the Uri-Haji Pir axis and a Southern push from the Punch-Kahuta side. The objective was to cut all approach routes to the bulge. The Northern advance was assigned to 19 Infantry Division under Major General SS Kalaan, with 68 Infantry Brigade commanded by Brigadier (later Lieutenant General) ZC Bakshi under command. The operation was given the codename Operation BAKSHI and was conducted in three phases.

It began at 2150 hours on 25 August with Brigadier Zoru Bakshi himself following the Western thrust. The artillery shelled suspected enemy positions while 1 PARA advanced towards Sank Ridge. The Pakistanis held fire until the attackers were within 45 meters, then opened up with all weapons. Next morning, the attack was called off duty to heavy casualties.

A renewed assault began at 2230 hours, 26 August. Indian troops advanced towards Point 9591 at Sank under intense fire. By 0430 hours, they reached within 450 meters of the enemy position and, in a determined frontal the charge, silenced enemy MMGs and LMGs. Pakistani troops withdrew to Sar feature. This was then captured and 1 PARA pushed to Ledwali Gali. However, the attack on the Bedori axis by 19 PUNJAB was stalled due to an unapproachable path. CO 1 PARA, Lieutenant Colonel Prabhjinder Singh, was now tasked to capture Haji Pir Pass. A small, self-contained, mixed Company Group was formed under Major (later Lieutenant General) RS Dayal. The column started descending, at 1530 hours on 27 August, from Ledwali Gali into the Hyderabad nullah along the Spur. Two intermediate objectives, Ring Contours 1194 and 1094, were also to be captured. About 1730 hours, it started raining heavily making the going very difficult. By 1900 hours, the Company Group reached Hyderabad nullah. It was now completely dark and Major Ranjit Dayal decided to climb to the Pass.

At 0430 hours, the Company hit the old Uri-Punch Road, 10 kms below the Pass. Here, the troops were given a much-needed rest in a very cold and bitter morning before the final assault. At 0700 hours, the column was again on the march. They reached 700 meters short of the Pass by 0900 hours.

The men again came under fire but Major Dayal ordered two Platoons to climb on to the Spur and assault the enemy from the Western side of the Pass. The enemy could not withstand this daring daylight attack and withdrew in confusion. By 1000 hours on 28 August, the objective had been taken and the Tricolour flew on Haji Pir Pass.

Major Ranjit Singh Dayal then repulsed the expected fierce counterattack on 29 August, surviving a LMG burst in close-quarter combat that pierced his web equipment but left him unscathed. In one stroke, the main artery of Operation Gibraltar was cut. Both Brigadier Z C Bakshi and Major Ranjit Singh Dayal were awarded the Maha Vir Chakra.

Operation FAULAD

Meanwhile, 93 Infantry Brigade commanded by Brigadier Zora Singh, had been pushing Northwards to establish a link up. There were many hill features between Punch and Kahuta which dominated the Punch-Haji Pir track. The enemy picquets also had cement emplacements for MMGs and shellproof bunkers.

'Operation FAULAD' saw gallant actions fought for the capture of the Raja and Chand Tekri picquets, both of which were considered to be virtually impregnable. On the night of 05/06 September 1965, a simultaneous attack was launched on Raja and Chand Tekri picquets by 2 SIKH and 3 DOGRA respectively. As the approach lay along steep and slippery slopes, the assaulting troops had to crawl on all fours rather than walk. When they neared the picquets, heavy automatic fire greeted them. A grim hand-to-hand battle raged for over two hours before the picquets fell. Raja picquet fought to the last man. The Indian side also suffered heavy casualties. During the assault on Raja Picquet on 06 September, Lieutenant Colonel NN Khanna, commanding 2 SIKH, laid down his life while leading his men bravely. He was decorated with the Maha Vir Chakra for his exceptional courage and leadership.

With the fall of Raja and Chand Tekri, the back of Gibraltar Force was broken. Thereafter, Indian troops faced little difficulty in mopping up and liquidating the remaining pockets of resistance in the area. The link-up was completed with the capture of Kahuta on 10 September 1965, and with that, the mouth of the Bulge was sealed.

Operation Gibraltar was meant to be a covert blow, giving Pakistan deniability while undermining India's hold on Jammu and Kashmir. Instead, it turned into a lesson in how bad assumptions and weak intelligence can set off a chain reaction. India answered this threat with calm but firm moves that involved counter-infiltration grids, sharp thrusts across the Ceasefire Line, and quick mobilization to meet any wider threat.

By the end of it all, Operation Gibraltar collapsed in less than a month. Pakistan's gamble regarding the liberation of Kashmir remained a pipe dream due to a combination of rapid strategic diagnosis, resolve and sector-specific tactics. Unfortunately, Pakistan is yet to learn its lesson.

rajeshsharma1049@gmail.com

A Kashmiri village destroyed during the war.

THE WALL

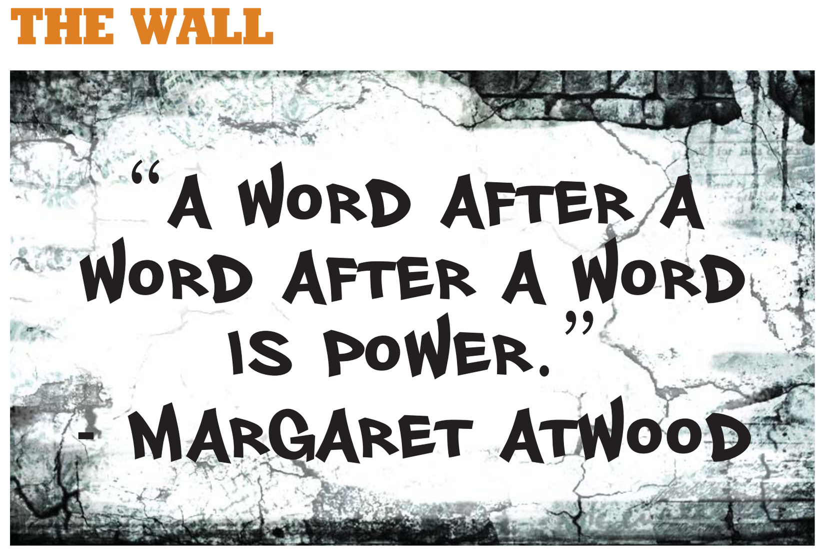

BABY BLUES

By Rick Kirkman & Jerry Scott

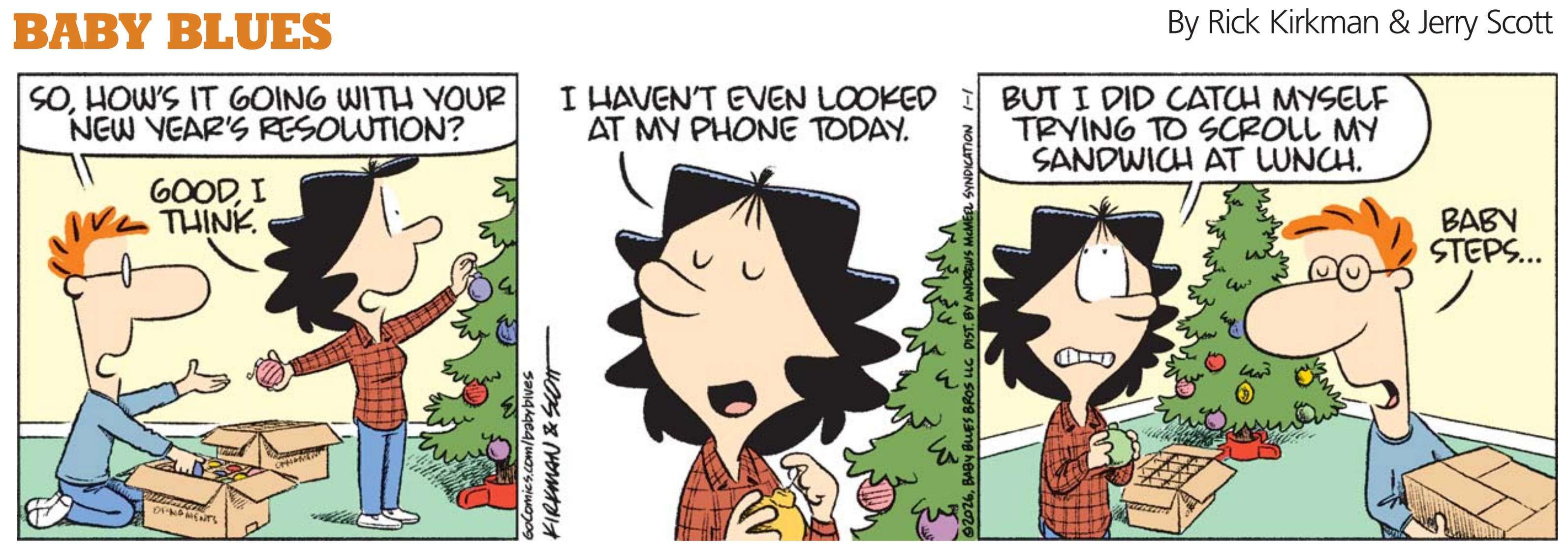

ZITS

By Jerry Scott & Jim Borgman

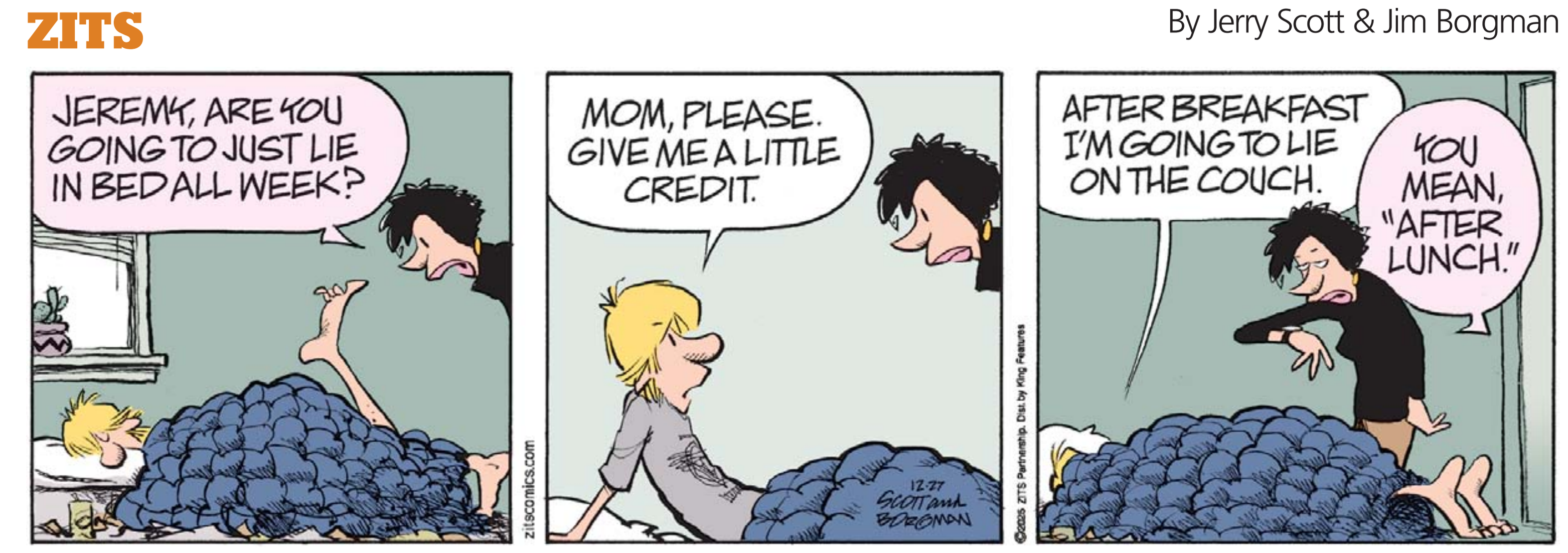

विराट के लिए 2024-2025 ऑस्ट्रेलिया दौरा खास नहीं रहा इस टूर पर कोहली ऑफ स्टंप्स से बाहर जाती गेंदों पर आउट हुए। जिसके बाद मांजरेकर ने कहा था कि विराट अपनी कमियों को दूर करने में नाकाम रहे और टेस्ट से रिटायरमेंट ले लिया। – **संजय मांजरेकर**

पूर्व भारतीय खिलाड़ी संजय मांजरेकर, विराट कोहली को लेकर बोलते हुए।

खेल जगत

आज का खिलाड़ी ▶ रोहित शर्मा

हिटमैन रोहित शर्मा ने एक बार फिर कमाल कर दिखाया है। न्यूजीलैंड के खिलाफ पहले वनडे में उन्होंने धमाकेदार बल्लेबाजी करते हुए दो छक्के जड़े और क्रिस गेल के रिकॉर्ड को धवस्त कर दिया और अब वनडे क्रिकेट इतिहास में बतौर ओपनर सबसे ज्यादा छक्के लगाने वाले दुनिया के नंबर 1 बल्लेबाज बन गए है। क्रिस गेल ने बतौर ओपनर वनडे में कुल 328 छक्के (274 पारियों में)लगाए थे, लेकिन अब रोहित शर्मा ने इस रिकॉर्ड को पीछे छोड़ दिया है। उन्होंने 329 छक्के लगा दिए हैं और वह अब वनडे क्रिकेट में ओपनर के रूप में सबसे ज्यादा छक्के मारने वाले बल्लेबाज बन गए है।

क्या आप जानते हैं ?... साल 2006 में साउथ अफ्रीका के खिलाफ कोलंबो टेस्ट मैच में श्रीलंका की पहली पारी में महेला जयवर्धने और कुमार संगकारा ने मिलकर तीसरे विकेट के लिए 624 रन की पार्टनरशिप की थी

सफलता अनुशासन, धैर्य और वर्षों के अनदेखे प्रयास पर बनती है : सहरावत

मुंबई, 13 जनवरी। मुंबई में परंपरा और आधुनिक खेल महत्वाकांक्षा का एक शक्तिशाली संगम देखने को मिला, जब ओलंपिक कांस्य पदक विजेता अमन सहरावत ने 12 जनवरी को शहर भर में एक दिवसीय युवा और अखाड़ा कनेक्ट दौरे का समापन किया। इवेंट के बाद अब सारा ध्यान प्रो रेसलिंग लीग पर है, जो 16 जनवरी से शुरू होने वाली है, जिसमें एस्पेक्ट ग्लोबल वेंचर्स की स्पोर्ट्स शाखा एस्पेक्ट स्पोर्ट्स के स्वामित्व वाली और एपीसीओ इंफ्राटेक के साथ साझेदारी में टाइगर्स ऑफ मुंबई दंगल (टीओएमडी) अपना बहुप्रतीक्षित डेब्यू करेगी। पेरिस 2024 ओलंपिक खेलों के पदक विजेता, सहरावत ने मुंबई भर के कॉलेज छात्रों और जमीनी स्तर के पहलवानों के साथ बातचीत की, और पारंपरिक अखाड़ा प्रशिक्षण से लेकर दुनिया के सबसे बड़े खेल मंच तक की अपनी यात्रा साझा की। मुंबई में सुबह-सुबह ट्रेनिंग सेशन के साथ अपने दिन की शुरुआत करते हुए, सहरावत ने बाद में बांद्रा में एक कॉलेज मीट-एंड-ग्रीट के दौरान छात्रों के साथ बातचीत की, जहाँ उन्होंने युवा एथलीटों और खेल प्रेमियों को संबोधित किया, और इस विचार को मजबूत किया कि कुलीन सफलता अनुशासन, धैर्य और वर्षों के अनदेखे प्रयास पर बनती है। एस्पेक्ट ग्लोबल वेंचर्स की कार्यकारी अध्यक्ष और टाइगर्स ऑफ मुंबई दंगल की मालिक, अक्ष कंबोज ने कहा, एक नई फ्रेंचाइजी के तौर पर, हमारे लिए सही संदेश के साथ शुरुआत करना महत्वपूर्ण था। अमन उस चीज़ का प्रतीक हैं जिसके लिए हम टीओएमडी को खड़ा करना चाहते हैं, जो कि जमीनी स्तर की ताकत, अनुशासन और प्रक्रिया में विश्वास है। यह दौरा सिर्फ प्रो रेसलिंग लीग में हमारे आगमन की घोषणा करने के बारे में नहीं था, यह यह दिखाने के बारे में था कि हम किस तरह की टीम बना रहे हैं। इस दौरे के सबसे यादगार पलों में से एक सहरावत का माटुंगा अखाड़े का दौरा था, जहाँ उन्होंने प्रशिक्षण मुकाबलों को देखा, युवा पहलवानों के साथ करीब से बातचीत की, और उस प्रशिक्षण माहौल में कदम रखा जो भारतीय कुश्ती की जमीनी संस्कृति को परिभाषित करता है। एक ओलंपिक पदक विजेता की उसी मिट्टी पर खड़े होने की तस्वीर, जहाँ भविष्य के पहलवान प्रशिक्षण लेते हैं, ने खेल की भावना और टाइगर्स ऑफ मुंबई दंगल जिस लोकाचार का निर्माण कर रहे हैं, उसे दर्शाया।

नॉर्वे शतरंज 2026 से आस्लो में शिफ्ट होगा, 13 साल का स्टावेंजर चैप्टर खत्म

ओस्लो, 13 जनवरी। दुनिया के सबसे प्रतिष्ठित शतरंज टूर्नामेंट में से एक, नॉर्वे शतरंज, 2026 से एक नए दौर में प्रवेश करेगा, क्योंकि यह इवेंट 13 साल बाद स्टावेंजर से ओस्लो में शिफ्ट हो रहा है, जैसा कि नॉर्वे शतरंज द्वारा जारी विज्ञिप्त में बताया गया है। यह टूर्नामेंट, नॉर्वे शतरंज महिला के साथ, 25 मई से 5 जून तक नॉर्वे की राजधानी में डाइकमैन ब्योर्विका में आयोजित किया जाएगा। 2013 में अपनी शुरुआत के बाद से, स्टावेंजर नॉर्वे शतरंज का स्थायी घर रहा है, जिसने इसे अंतर्राष्ट्रीय शतरंज कैलेंडर पर एक प्रमुख स्थान बनाने में मदद की है। आयोजकों ने टूर्नामेंट की पहचान को आकार देने में शहर की भूमिका को स्वीकार किया, विशेष रूप से नॉर्वे शतरंज महिला के लॉन्च का समर्थन करने में, जो समान पुरस्कार राशि और खेलने की स्थिति प्रदान करता है। नॉर्वे शतरंज के संस्थापक और सीईओ केजेल मैडलैंड ने कहा,नॉर्वे शतरंज आज जो इवेंट है, वह स्टावेंजर में हमें मिले क्रॉस-पार्टी राजनीतिक समर्थन और उदार स्वागत के बिना संभव नहीं होता। हम स्टावेंजर शहर को तहे दिल से धन्यवाद देना चाहते हैं, जो हर कदम पर हमारे साथ खड़ा रहा, खासकर नॉर्वे शतरंज महिला के विकास में, जो समान पुरस्कार शर्तों वाला एक अग्रणी महिला टूर्नामेंट है। हम अपने स्थानीय प्रायोजकों और अविश्वसनीय स्वयंसेवकों को भी धन्यवाद देना चाहते हैं। आप सभी ने मिलकर नॉर्वेजियन खेल इतिहास का एक अध्याय लिखा है। नॉर्वे शतरंज के सीओओ बेनेडिक्टे वेस्ट्रे स्कोगा, हम देश की राजधानी में नॉर्वे शतरंज स्थापित करने में बड़े अवसर देखते हैं। ओस्लो एक अंतर्राष्ट्रीय मिलन स्थल है और यह हमें दर्शकों, भागीदारों और शतरंज के प्रति उत्साही नई पीढ़ियों के बीच और भी व्यापक दर्शकों तक पहुंचने का एक अनूठा अवसर देता है।

पीजीटीआई के '72 द लीग' के विजेताओं को मिलेगी द जेंटलमैन जैकेट

नई दिल्ली, 13 जनवरी। भारत की पहली एक्सक्लूसिव नेशनल प्रोफेशनल गोल्फ लीग, 72 द लीग, का मकसद भारतीय गोल्फरों को अपनी प्रतिभा दिखाने के लिए एक मंच देना है, और विजेताओं और फ्रेंचाइजी मालिकों को जेंटलमैन जैकेट मिलेगी, जो अनुशासन और शांत सटीकता का एक खास प्रतीक है। यह लीग गेम ऑफ लाइफ स्पोर्ट्स (गोल्स) के साथ पार्टनरशिप में लॉन्च की गई है और 21 फरवरी को शुरू होगी, जिसका फाइनल 6 मार्च को होगा। पहला सीजन दिल्ली एनसीआर के तीन सबसे प्रतिष्ठित गोल्फ वेन्यू – क्लासिक गोल्फ एंड कंट्री क्लब, जेपी ग्रीन्स और कुतुब गोल्फ कोर्स में होगा।

लीग में विजेताओं और फ्रेंचाइजी मालिकों को शांतनु निखिल द्वारा डिज़ाइन किया गया एक्सक्लूसिव जेंटलमैन जैकेट मिलेगी, जो 72 द लीग के ऑफिशियल फैशन पार्टनर बने हैं। लीग की छह शहर-आधारित फ्रेंचाइजी के मालिकों और जीतने वाली टीम के लिए खास तौर पर डिज़ाइन किया गया, द जेंटलमैन जैकेट नेवी स्पोर्टिंग ब्लेजर को शांतनु निखिल के सिग्नेचर स्ट्रक्चर और सहजता के नजरिए से फिर से डिज़ाइन करता है। एक साफ सिंगल-ब्रेस्टेड सिल्हूट में कटा हुआ, इसमें लैपल, जेब और हेम के साथ कुरकुरी सफेद पाइपिंग है, जो पारंपरिक स्पोर्टिंग यूनिफॉर्म की याद दिलाता है, जिसे इसके एग्जीक्यूशन में और भी शार्प और मॉडर्न बनाया गया है।

बांग्लादेश ट्वंटी-20 वर्ल्डकप भारत में न खेलने पर अड़ा

कहा- खिलाड़ियों की सुरक्षा टॉप प्रायोरिटी

ढाका, 13 जनवरी। बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड टी-20 वर्ल्ड कप के अपने मैच भारत में न खेलने की मांग पर अड़ा हुआ है। वह चाहता है कि उसके मैच भारत की बजाय श्रीलंका में खेले जाएं। ने प्रेस रिलीज जारी करके कहा- उसने मंगलवार को के साथ वीडियो कॉन्फ्रेंस पर एक बार फिर अपनी मांग दोहराई है। ने बांग्लादेशी बोर्ड से इस मांग पर फिर से विचार करने के लिए कहा है।

रिपोर्ट के मुताबिक सोमवार को ने की वेन्यू बदलने की मांग खारिज कर दी थी। बांग्लादेश में हिंदुओं की हत्या के कारण ने मुस्तफिजुर रहमान को में खेलने की अनुमति नहीं दी है। बीसीसीआई के निर्देश पर ने 3 जनवरी को उन्हें टीम से बाहर कर दिया था। इससे बौखलाई बांग्लादेश सरकार ने अपने यहां मैचों के प्रसारण पर रोक लगा दी। इसके बाद खिलाड़ियों की सुरक्षा का हवाला देकर 7 फरवरी से होने वाले टी-20 वर्ल्ड कप में वेन्यू बदलने की मांग भी की।

बोला- हम अपना फैसला नहीं बदलेंगे ने मीडिया रिलीज में कहा कि वीडियो कॉन्फ्रेंस में हमने अपनी मांग दोहराई है। ने हमें बताया है कि शेड्यूल घोषित हो चुका है। उसने हमसे भारत में न खेलने के फैसले पर फिर से विचार करने का अनुरोध किया है। हमने अपना फैसला नहीं बदला है। प्लेयर्स, ऑफिशियल और सपोर्ट स्टाफ की सुरक्षा हमारी सबसे बड़ी प्रायोरिटी है। हम समाधान निकालने के लिए से बातचीत जारी रखेंगे।

7 फरवरी को बांग्लादेश का पहला मैच टी-20 वर्ल्ड कप में बांग्लादेश को ग्रुप-सी में रखा गया है। टीम 7 फरवरी को वेस्टइंडीज, 9 फरवरी को इटली और 14 फरवरी को इंग्लैंड से भिड़ने वाली हैं। तीनों मैच कोलकाता के ईडन गार्डन्स स्टेडियम में खेले जाने हैं। वहीं टीम का आखिरी ग्रुप स्टेज मैच 17 फरवरी को मुंबई में नेपाल से होना है।

सबसे लगातार ऑस्ट्रेलियन ओपन खिताब जीतने का रिकॉर्ड

सिडनी, 13 जनवरी। ऑस्ट्रेलियन ओपन जीतना एक मील का पत्थर है। इसे लगातार जीतना अपने सबसे शुद्ध रूप में दबदबा है। मेलबर्न पार्क की कठिन परिस्थितियाँ – चिलचिलाती गर्मी, तेज हार्ड कोर्ट और लगातार बढ़ता मुकाबला खिलाड़ियों को सिर्फ़ कौशल से आगे ले जाता है, जिसके लिए लचीलापन, अनुकूलन क्षमता और मानसिक मज़बूती की ज़रूरत होती है।

टूर्नामेंट के लंबे इतिहास में, केवल कुछ ही लोग इन चुनौतियों पर साल-दर-साल जीत हासिल कर पाए हैं, जिससे ऐसी जीत की लकीरें बनी हैं जो टेनिस की सबसे कठिन उपलब्धियों में से हैं और चैंपियंस को युग-परिभाषित दिग्गजों से अलग करती हैं।

मेलबर्न में अब तक दर्ज की गई सबसे प्रतिष्ठित लगातार टाइटल जीत।

मार्गरेट कोर्ट – 7 लगातार टाइटल (1960-1966) महिला एकल।

नोवाक जोकोविच – 3 लगातार टाइटल (2019-2021) पुरुष एकल।

मार्टिना हिंगिस – 3 लगातार टाइटल (1997-1999) महिला एकल।

स्टेफी ग्राफ – 3 लगातार खिताब (1988-1990) महिला एकल।

जैसे-जैसे ऑस्ट्रेलियन ओपन 2026 करीब आ रहा है, ये रिकॉर्ड इस बात की स्थायी याद दिलाते हैं कि मेलबर्न पर राज करने के लिए क्या चाहिए – अनुशासन, सहनशक्ति और महानता के लिए एक अटूट भूख। क्या आज की पीढ़ी इन ऐतिहासिक जीतों को चुनौती दे पाएगी, यह इस खेल की सबसे दिलचस्प कहानियों में से एक बनी हुई है

भारत ने मालदीव को रौंदकर अंतरराष्ट्रीय महिला फुटसल में पहली जीत हासिल की नोंथाबुरी (थाईलैंड), 13 जनवरी। भारतीय महिला फुटसल टीम ने मंगलवार को यहां नोंथाबुरी स्टेडियम में सैफ महिला फुटसल चैंपियनशिप के अपने पहले मैच में मालदीव को 11-1 से हराकर अपनी पहली अंतरराष्ट्रीय जीत शानदार अंदाज़ में हासिल की।

खुशबू सरोज (17', 22', 24', 26') ने चार गोल किए, जबकि रितिका सिंह (6', 17'), सोनाली मंडल (17', 37') और निश्का प्रकाश (33', 34') ने दो-दो गोल किए। मिथिला रमानी (4') ने टूर्नामेंट का पहला गोल किया। मैच खत्म होने से कुछ मिनट पहले, अचोम डेगियो के आत्मघाती गोल (39) से मालदीव का खाता खुला।

प्रभसिमरन, गेंदबाज़ों ने पंजाब को सेमीफ़ाइनल में पहुंचाया बेंगलुरु, 13 जनवरी। कप्तान प्रभसिमरन सिंह की 88 रन की शानदार पारी और गेंदबाजों के सधे प्रदर्शन से पंजाब ने मध्य प्रदेश को मंगलवार को 183 रन के बड़े अंतर से हराकर विजय हजारे ट्रॉफी के सेमीफाइनल में प्रवेश कर लिया।

पंजाब ने 50 ओवर में छह विकेट पर 345 रन का विशाल स्कोर बनाने के बाद मध्य प्रदेश को 31.2 ओवर में 162 रन पर निपटा दिया। प्रभसिमरन को उनकी शानदार पारी के लिए प्लेयर ऑफ द मैच का पुरस्कार मिला।

पहले बल्लेबाजी करते हुए, प्रभसिमरन सिंह (88) और हरनूर सिंह (51) ने 116 रनों की ओपनिंग साझेदारी की। नंबर 3 के बल्लेबाज अनमोलप्रीत सिंह ने 70 रन बनाए और पंजाब ने ओपनर्स द्वारा बनाए गए अच्छे प्लेटफॉर्म का फायदा उठाया। इसके बाद नेहाल वढेरा (56) और रमनदीप सिंह (24) ने पारी को खत्म किया और पंजाब ने पारी के आखिरी 10 ओवरों में 101 रन बनाकर 6 विकेट पर 345 रन बनाए। आर्यन पांडे एमपी के लिए सबसे अच्छे गेंदबाज रहे, जिन्होंने अपने 10 ओवरों में 39 रन देकर 1 विकेट लिया।

इतने बड़े लक्ष्य का पीछा करते हुए, एमपी ने यश दुबे का विकेट जल्दी गंवा दिया। हिमांशु मंत्री और शुभम शर्मा ने पारी को संभाला, लेकिन हिमांशु 45 के स्कोर पर आउट हो गए। इसके बाद, एमपी का स्कोर 45 पर 1 विकेट से गिरकर 83 पर 6 विकेट हो गया। इसमें वेंकटेश अय्यर का दो गेंदों पर शून्य पर आउट होना भी शामिल था। रजत पाटीदार (38) और त्रिपुरेश सिंह (31) ने एमपी के लिए सबसे ज्यादा रन बनाए, लेकिन यह एमपी के लिए बहुत मुश्किल लक्ष्य था।

सनवीर सिंह ने 31 रन देकर 3 विकेट लिए, जबकि गुरनूर बरार, कृष्ण भगत और रमनदीप की तिकड़ी ने दो-दो विकेट लिए और पंजाब सेमीफाइनल में पहुंच गया। अब वे 16 जनवरी को दूसरे सेमीफाइनल में सौराष्ट्र से भिड़ेंगे।

टॉम करेन ने स्टार्स को प्लेऑफ में पहुंचाया

मेलबर्न, 13 जनवरी। टॉम करेन ने 10 रन देकर 4 विकेट लिए – जो इस बीबीएल सीजन का दूसरा सबसे अच्छा प्रदर्शन है, जिससे मेलबर्न स्टार्स ने सोमवार रात एमसीजी में एडिलेड स्ट्राइकर्स पर छह विकेट से शानदार जीत हासिल करके बिग बैश लीग के प्लेऑफ में जगह बनाई। इंग्लिश सीमर के मददगार पिच पर शानदार गेंदबाजी प्रदर्शन ने स्ट्राइकर्स को सिर्फ 83 रन पर समेट दिया, जिसे स्टार्स ने कप्तान मार्कस स्टोइनिस को देर से लगी चोट के बावजूद 29 गेंदें शेष रहते हासिल कर लिया, जिससे टी20 विश्व कप से पहले ऑस्ट्रेलिया के लिए चिंताएं बढ़ेंगी।

स्टोइनिस के टॉस जीतकर पहले फील्डिंग करने का फैसला करने के बाद, स्टार्स के गेंदबाजों ने एमसीजी की पिच का शानदार फायदा उठाया और स्ट्राइकर्स को शुरू से ही मुश्किल में डाल दिया। एलेक्स कैरी ने दूसरे ओवर में करेन की गेंद को हवा में मिड-ऑफ की तरफ मारा, जहां हारिस रऊफ ने अपनी बाईं ओर डाइव लगाकर शानदार कैच लिया। क्रिस लिन ने जवाबी हमला करने की कोशिश की लेकिन करेन की क्लासिक धीमी गेंद पर आउट हो गए जो अंदर की तरफ आई और उन्हें सीधे सामने फंसा लिया, जिससे वह सिर्फ दो रन बनाकर आउट हो गए। जब पीटर सिडल ने अतिरिक्त उछाल का फायदा उठाकर मैथ्यू शॉर्ट का किनारा लिया, तो स्ट्राइकर्स 14 रन पर 3 विकेट गंवाकर मुश्किल में थे। पावरप्ले खत्म होने से पहले, वे 21 रन पर 4 विकेट गंवा चुके थे, जिसमें जेसन संघा करेन का शिकार बने।

ड्रिंक्स ब्रेक तक 40 रन पर 5 विकेट गंवाकर स्ट्राइकर्स पूरी तरह से लड़खड़ा गए थे, और मिशेल स्वेपसन ने सुनिश्चित किया कि कोई वापसी न हो। लेग-स्पिनर ने जेमी ओवरटन को एक सीधी गेंद पर आउट किया जो स्टंप्स से टकरा गई, इससे पहले हसन अली पहली ही गेंद पर डीप मिड-विकेट पर कैच आउट हो गए। हैरी मैनेंटी 7 रन बनाकर स्टोइनिस की चालाक स्लोअर-बॉल यॉर्कर पर आउट हो गए, और जब लॉयड पोप स्वैपसन की गेंद पर आगे बढ़कर खेलने की कोशिश में हार्पर द्वारा स्टंप आउट हो गए, तो स्ट्राइकर्स सिर्फ 55 रन पर नौ विकेट गंवा चुके थे। कैमरन बॉयस ने 20 रन बनाकर कुछ देर मनोरंजन किया, जिसमें स्टोइनिस की गेंद पर एक छक्का भी शामिल था, लेकिन जब उन्होंने 20वें ओवर में लॉन्ग-ऑन पर ग्लेन मैक्सवेल को कैच थमा दिया, तो एडिलेड इस सीजन के अपने सबसे कम टोटल और बीबीएल इतिहास के दूसरे सबसे कम टोटल पर ऑल आउट हो गई। स्वैपसन के 3 विकेट पर 22 रन ने करन की शानदार गेंदबाज़ी का बखूबी साथ दिया, जबकि स्टोइनिस ने 3.3 ओवर में 2 विकेट लेकर सिर्फ 8 रन दिए।

जीत के लिए सिर्फ 84 रनों का पीछा करते हुए, स्टार्स की शुरुआत थोड़ी घबराहट भरी रही, जब सैम हार्पर डीप में सब्स्टीट्यूट फील्डर मैकेंज़ी हार्वे के शानदार डाइविंग कैच पर आउट हो गए। कैंपबेल केलवे का खराब प्रदर्शन जारी रहा जब वह बिना खाता खोले हसन की गेंद पर सीधे मिड-ऑन पर कैच दे बैठे, जिससे मेजबान टीम का स्कोर 13 रन पर 2 विकेट हो गया। हालांकि, थॉमस रोजर्स ने एक परफेक्ट एंकर की भूमिका निभाई, और ब्लेक मैकडॉनल्ड के साथ मिलकर एक स्थिर साझेदारी की, इससे पहले कि मैकडॉनल्ड 11 रन बनाकर आउट हो गए। फिर रोजर्स ने स्टोइनिस के साथ 34 महत्वपूर्ण रन जोड़े, जो खतरनाक फॉर्म में दिख रहे थे, लेकिन लियाम स्कॉट की गेंद पर अंगूठे में चोट लगने के बाद 23 रन पर रिटायर्ड हर्ट हो गए, जिससे ऑस्ट्रेलिया के टी 20 विश्व कप अभियान से पहले चिंताएं बढ़ गईं।

मुंबई इंडियंस ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी चुनी

नवी मुंबई, 13 जनवरी। मुंबई इंडियंस ने गुजरात जायंट्स के खिलाफ महिला प्रीमियर लीग के मुकाबले में मंगलवार को टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी करने का फैसला किया। मुंबई इंडियंस की कप्तान हरमनप्रीत कौर ने टॉस जीतने के बाद कहा कि इस प्रारूप और ख़ासकर शाम के मुक़ाबले में चेज करना सबसे सही विकल्प होता है। हरमनप्रीत कौर ने कहा कि हेली मैथ्यूज की टीम में वापसी हुई है, हालांकि नैट सिवर-ब्रंट तबीयत खराब होने के चलते बाहर हैं। गुजरात की कप्तान एश्ले गार्डनर ने कहा कि उनकी टीम की तैयारी अच्छी है और उनकी टीम अपने प्रदर्शन को जारी रखना चाहेगी और एक बड़ा स्कोर खड़ा करने का प्रयास करेगी। जायंट्स में एक बदलाव है, अनुष्का शर्मा चोटिल हैं।

रायपुर में आईपीएल के 2 मैच खेलेगी, इंदौर भी हो सकता है वेन्यू

बेंगलुरू में विक्ट्री परेड में 11 लोगों की मौत हुई थी

नई दिल्ली, 13 जनवरी। रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु की टीम रायपुर में आईपीएल 2026 के 2 मैच खेलेगी। दैनिक भास्कर के सूत्रों ने बताया है कि रायपुर के शहीद वीर नारायण सिंह स्टेडियम को 2 मुकाबलों की मेजबानी दी जा चुकी है। इसके अलावा बेंगलुरु, मुंबई और इंदौर भी मेजबानी रेस में शामिल हैं। बेंगलुरु में भी बाकि के बचे 5 मैच कराने प्रयास किए जा रहे हैं। यदि एम. चिन्नास्वामी स्टेडियम को मिल जाता है तो मैच होंगे। ऐसा नहीं होने पर रायपुर को 3 और मैच दिए जाएंगे। शेष दो मैच इंदौर में कराए जा सकते हैं। के सीजन में एक टीम के 14 लीग मैच होते हैं। टीम इनमें से 7 मैच होम ग्राउंड में खेलती है।

आईसीसी ने बांग्लादेश से अपने रुख पर फिर से विचार करने का आग्रह किया

ढाका, 13 जनवरी। बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड ने मंगलवार को घोषणा की कि अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) ने उनसे आगामी टी20 वर्ल्ड कप 2026 में उनकी भागीदारी पर अपने रुख पर फिर से विचार करने का अनुरोध किया है। यह घटनाक्रम दोपहर में बीसीबी और आईसीसी के बीच हुई एक वीडियो कॉन्फ्रेंस के दौरान हुआ। बंगलादेश की भागीदारी पर सवाल बना हुआ है क्योंकि बीसीबी ने आईसीसी से सुरक्षा कारणों का हवाला देते हुए अपने वेन्यू को भारत से सह-मेजबान श्रीलंका में स्थानांतरित करने के लिए कहा था, जब बीसीसीआई ने दोनों देशों के बीच मौजूदा राजनीतिक तनाव के कारण आईपीएल फ्रेंचाइजी कोलकाता नाइट राइडर्स को मुस्तफिजुर रहमान को अपनी टीम से रिलीज करने का निर्देश दिया था।

वीडियो कॉन्फ्रेंस में बीसीबी का प्रतिनिधित्व उसके अध्यक्ष अमीनुल इस्लाम, उपाध्यक्ष शकावत हुसैन और फारूक अहमद के साथ-साथ निदेशक और क्रिकेट संचालन समिति के अध्यक्ष नजमुल आबेदीन और सीईओ निज़ाम उद्दीन चौधरी ने किया। बीसीबी ने एक बयान में कहा, "चर्चाओं के दौरान, बीसीबी ने सुरक्षा चिंताओं का हवाला देते हुए भारत न जाने के फैसले के संबंध में अपनी स्थिति की पुष्टि की। बोर्ड ने आईसीसी से बांग्लादेश के मैचों को भारत के बाहर स्थानांतरित करने पर विचार करने का भी अनुरोध दोहराया।" इसमें कहा गया है, "जबकि आईसीसी ने इस बात पर जोर दिया कि टूर्नामेंट का कार्यक्रम पहले ही घोषित किया जा चुका है और बीसीबी से अपने रुख पर फिर से विचार करने का अनुरोध किया है, बोर्ड की स्थिति अपरिवर्तित है।

नोवाक जोकोविच ने राओनिक के रिटायरमेंट पर दी भावुक प्रतिक्रिया

मेलबर्न, 13 जनवरी। मिलोस राओनिक ने रविवार को सोशल मीडिया के जरिए प्रोफेशनल टेनिस से रिटायरमेंट की घोषणा की। इस खबर के बाद, नोवाक जोकोविच ने अपनी इंस्टाग्राम स्टोरी पर एक दिल को छू लेने वाला मैसेज शेयर किया, जिसमें उन्होंने राओनिक को उनके यादगार करियर के लिए बधाई दी।

जोकोविच ने लिखा, "एक शानदार करियर के लिए बधाई।" फेलिक्स ऑगर-एलियासिम, जिन्होंने 2024 पेरिस ओलंपिक में डबल्स में राओनिकके साथ पार्टनरशिप की थी, उन्होंने भी इंस्टाग्राम पर एक मैसेज शेयर किया। उन्होंने लिखा: "अब तक के सबसे महान कनाडाई। आपने कनाडाई टेनिस में जो कुछ भी योगदान दिया, उसके लिए धन्यवाद और व्यक्तिगत तौर पर इतने सालों तक एक शानदार उदाहरण और मेंटर बनने के लिए धन्यवाद।"

बियांका एंड्रीस्कू, स्टीव नैश, जोस बॉतिस्ता, वेरा वैंग, जॉन इस्नर और ज़िज़ू बर्ग्स उन सितारों में से थे जिन्होंने इंस्टाग्राम पर राओनिक की रिटायरमेंट पोस्ट पर कमेंट्स में अपने मैसेज शेयर किए। एंड्रीस्कू ने कमेंट किया, "कनाडाई लेजेंड"। इस्नर ने लिखा, "शानदार करियर, जिसे पूरे समय क्लास और प्रोफेशनलिज़्म के साथ पूरा किया।"

चोटिल फाफ डु प्लेसिस एसए-20 सीजन के बाकी मैचों से बाहर

जोहानसबर्ग, 13 जनवरी। जोबर्ग सुपर किंग्स को मंगलवार को एक बड़ा झटका लगा, जब कप्तान फाफ डु प्लेसिस एसए20 सीजन के बाकी मैचों से बाहर हो गए। फ्रेंचाइजी के अनुसार, डु प्लेसिस के दाहिने अंगूठे का लिगामेंट फट गया है और अब चोट को ठीक करने के लिए उन्हें सर्जरी की जरूरत होगी।

41 वर्षीय खिलाड़ी को यह चोट 10 जनवरी को एमआई केप टाउन के खिलाफ जेएसके के सबसे हालिया मैच के दौरान लगी थी। एमआईसीटी के 234/3 का विशाल स्कोर बनाने के बाद, कप्तान चेज के दौरान बल्लेबाज़ी करने के लिए मैदान पर नहीं उतरे और जेएसके आखिरकार मैच हार गई।

डु प्लेसिस ने मौजूदा टूर्नामेंट में खेली गई पांच पारियों में 135 रन बनाए हैं। जेएसके का प्रदर्शन मिला-जुला रहा है।

केंद्रीय मंत्री किशन रेड्डी ने स्वामी विवेकानंद चैलेंज कप का उद्घाटन किया

हैदराबाद, 13 जनवरी। केंद्रीय कोयला और खान मंत्री जी किशन रेड्डी ने मंगलवार को रंगारेड्डी जिले के महेश्वरम मंडल के पेंड्याल गांव में आयोजित स्वामी विवेकानंद चैलेंज कप टूर्नामेंट का उद्घाटन किया। सभा को संबोधित करते हुए किशन रेड्डी ने याद दिलाया कि सोमवार को स्वामी विवेकानंद की जयंती के अवसर पर पूरे देश में राष्ट्रीय युवा दिवस मनाया गया। उन्होंने कहा कि स्वामी विवेकानंद के आदर्शों से प्रेरित होकर केंद्र सरकार के तत्वावधान में कई कार्यक्रमों का आयोजन किया गया और पूरे देश में भव्य तरीके से समारोह आयोजित किए गए।

राष्ट्रीय प्रगति में युवाओं की भूमिका पर प्रकाश डालते हुए केंद्रीय मंत्री ने कहा कि भारत में युवा शक्ति की कोई कमी नहीं है और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी देश को विकास के पथ पर ले जाने के लिए इस ऊर्जा को सभी क्षेत्रों में लगाने का काम कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि मोदी सरकार खेलों के विकास पर विशेष ध्यान दे रही है और युवा एथलीटों और प्रतिभाशाली खिलाड़ियों, खासकर ग्रामीण क्षेत्रों के खिलाड़ियों को प्रोत्साहित कर रही है। किशन रेड्डी ने आगे कहा कि आने वाले वर्षों में राष्ट्रमंडल खेल और ओलंपिक खेलों जैसे प्रमुख अंतरराष्ट्रीय खेल आयोजनों को भारत में लाने के प्रयास किए जा रहे हैं। गांव की अपनी पिछली यात्रा को याद करते हुए केंद्रीय मंत्री ने कहा कि उन्होंने लगभग 25 साल पहले पेंड्याल गांव में एक कबड्डी प्रतियोगिता में भाग लिया था और इतने लंबे अंतराल के बाद उसी जगह पर लौटकर खुशी व्यक्त की।

लक्ष्य सेन ने आयुष शेट्टी के खिलाफ ऑल-इंडियन मुकाबले में जीत हासिल की

नई दिल्ली, 13 जनवरी। पूर्व चैंपियन लक्ष्य सेन, सैयद मोदी इंटरनेशनल की विजेता ट्रीसा जॉली और गायत्री गोपीचंद ने अपने योनेक्स-सनराइज इंडिया ओपन 2026 अभियान की शानदार शुरुआत की, जबकि चीनी ताइपे के पुरुष चौथे सीड चाउ टिएन चेन, जापान के सातवें सीड कोडाई नारोका और फ्रांस के छठे सीड एलेक्स लैनियर मंगलवार को इंदिरा गांधी इंडोर स्टेडियम में बैडमिंटन एसोसिएशन ऑफ इंडिया द्वारा आयोजित वर्ल्ड टूर सुपर 750 टूर्नामेंट के पहले दिन बाहर हो गए। सेन को अपने एकेडमी-साथी शेट्टी को 21-12, 21-15 से हराने में सिर्फ 36 मिनट लगे, जबकि ट्रीसा और गायत्री ने इंदिरा गांधी मल्टी-पर्पस इंडोर स्टेडियम में थाईलैंड की ओर्निचा जोंगसथापॉर्नपर्न और सुकिता सुवाचाई को 21-15, 21-11 से हराया। इससे पहले, कनाडा के ब्रायन यांग ने चाउ को 21-19, 21-11 से हराया, चीनी ताइपे के ची यू जेन ने लैनियर को 21-17, 21-19 से हराया और कोडाई नाराओका ने अपने हमवतन केंटा निशिमोटो के खिलाफ 6-21, 5-7 से पीछे रहने के बाद मैच छोड़ दिया। इस साल इंडिया ओपन 2026 एक बहुत बड़े स्टेडियम में होने के कारण, पहले दिन का फोकस सेन और शेट्टी के बीच ऑल-इंडियन मुकाबले पर था। 24 वर्षीय इंडियन ऑयल के कर्मचारी ने शुरू से ही तेजी दिखाई और पहले गेम में 7-1 की बढ़त बना ली, नेट पर दबदबा बनाया और अपने युवा प्रतिद्वंद्वी को जमने का मौका नहीं दिया। पहले गेम के आखिर में ही शेट्टी ने अपनी लय पकड़ी और लगातार छह अंक जीतकर स्कोर 6-17 से 12-17 कर दिया, लेकिन तब तक बहुत देर हो चुकी थी। शेट्टी ने दूसरे गेम में अच्छी शुरुआत की और 5-1 की बढ़त बना ली, इस बार सेन साइड-वे ड्रिफ्ट के कारण अपने स्ट्रोक्स को कंट्रोल करने में संघर्ष कर रहे थे। लेकिन फिर 2021 वर्ल्ड चैंपियनशिप के ब्रॉन्ज मेडलिस्ट ने अपने स्टिक स्मैश का इस्तेमाल करके लंबे शेट्टी को झुकाया और उसके बाद एक टैप करके गेम में अपनी वापसी शुरू की, और बिना किसी परेशानी के मैच खत्म कर दिया। सेन ने कहा, किसी भी टूर्नामेंट में पहला मैच बहुत महत्वपूर्ण होता है और परिस्थितियाँ थोड़ी मुश्किल थीं। क्योंकि यह एक बड़ा हॉल है, हम सोच रहे थे कि परिस्थितियाँ धीमी होंगी लेकिन शटल तेज़ी से चल रही थी। साथ ही, काफी ठंड थी और मैं खुश था कि मैच शुरू होने से पहले मैंने अच्छी तरह से वार्म-अप कर लिया था। सेन अब दूसरे राउंड में निशिमोटो का सामना करेंगे। सेन के कोर्ट में आने से पहले, ट्रीसा और गायत्री ने शानदार प्रदर्शन करते हुए मेजबानों को विजयी शुरुआत दी। दुनिया की नंबर 21 भारतीय जोड़ी थाई जोड़ी के खिलाफ 42 मिनट के मुकाबले में शायद ही कभी दबाव में थी। भारतीय जोड़ी अब चीन की सातवीं वरीयता प्राप्त ली यी जिंग और लुओ जू मिन का सामना करेगी, जिन्होंने अमेरिका की फ्रांसेस्का कॉर्बेट और जेनी गाई को 21-12, 21-8 से हराया। पुरुष डबल्स जोड़ी हरिहरन अमसकरुणन और एमआर अर्जुन भी दूसरे राउंड में पहुँच गए, क्योंकि उन्होंने पहले राउंड में मलेशियाई जोड़ी ओंग येव सिन और टेओ ई यी को 21-15, 21-18 से हराया। वे अगले राउंड में चीन के चौथी वरीयता प्राप्त लियांग वेई केंग और वांग चांग का सामना करेंगे। इस बीच, नेशनल महिला डबल्स चैंपियनशिप की फाइनलिस्ट श्रुति मिश्रा और प्रिया कोंजेंगबम ने कुल पाँच मैच पॉइंट बचाए, लेकिन वे एक मैच पॉइंट को भुना नहीं पाईं और हांगकांग चीन की लुई लोक लोक और त्सांग हियू यान से एक घंटे और आठ मिनट में 21-11, 20-22, 24-22 से हार गईं। पूर्व विश्व चैंपियन पीवी सिंधु, पुरुष सिंगल्स के स्टार किदांबी श्रीकांत और एचएस प्रणय बुधवार को अपने अभियान की शुरुआत करेंगे। तीसरी वरीयता प्राप्त चिराग शेट्टी और सात्विकसाईराज रंकीरेड्डी को पहले राउंड में वॉकओवर मिला क्योंकि अमेरिका के चेन झी यी और प्रेस्ली स्मिथ ने नाम वापस ले लिया।

सीकर हाइवे पर डीआरआई ने 81 करोड़ रुपये की एमडी ड्रग्स पकड़ी

नाकाबंदी में 270 किलो एमडी ड्रग्स से भरी गाड़ी जब्त कर तस्कर डिटेन किए

- राजस्व खुफिया निदेशालय ने यह कार्रवाई स्थानीय पुलिस और अन्य सुरक्षा एजेंसियों के सहयोग से की
- डीआरआई अधिकारियों के अनुसार तस्करी नेटवर्क के अन्य सदस्यों और इसके पीछे सक्रिय गिरोह को लेकर जांच जारी है

जयपुर, (निसं)। राजस्व खुफिया निदेशालय (डीआरआई) ने मादक पदार्थ तस्करी के खिलाफ बड़ी कार्रवाई करते हुए सीकर हाइवे पर 81 करोड़ रुपए मूल्य की एमडी ड्रग्स जब्त की है। डीआरआई ने यह कार्रवाई स्थानीय पुलिस और अन्य सुरक्षा एजेंसियों के सहयोग से की।

डीआरआई को गुप्त सूचना मिली थी कि तस्कर बड़ी मात्रा में एमडी ड्रग्स को एक वाहन में लोड कर तस्करी के लिए ले जा रहे हैं। सूचना के आधार पर डीआरआई की टीम ने सोमवार देर रात सीकर हाइवे पर नाकाबंदी कर संदिग्ध गाड़ी को घेराबंदी कर रोका। तलाशी के दौरान वाहन से 270 किलोग्राम एमडी ड्रग्स बरामद की गई। टीम ने वाहन में सवार तस्करों को मौके पर ही डिटेन कर लिया।

प्रारंभिक जांच में जब्त मादक पदार्थ की अंतरराष्ट्रीय बाजार में कीमत करीब 81 करोड़ रुपए आंकी गई है। इस कार्रवाई के बाद डीआरआई और अन्य सुरक्षा एजेंसियां स्थानीय पुलिस के साथ मिलकर पकड़े गए संदिग्धों से गहन पूछताछ कर रही हैं। जब्त मादक पदार्थ की पुष्टि और कानूनी प्रक्रिया के तहत सैंपलिंग के लिए एफएसएल (फॉरेंसिक साइंस लेबोरेटरी) की टीम को भी मौके पर बुलाया गया है। डीआरआई अधिकारियों के अनुसार तस्करी नेटवर्क के अन्य सदस्यों और इसके पीछे सक्रिय गिरोह को लेकर जांच जारी है। मामले में जल्द ही और बड़े खुलासे होने की संभावना है।

स्मैक बेचने का आरोपी गिरफ्तार

कोटा, (निसं)। रेलवे कॉलोनी पुलिस टीम ने मादक पदार्थ सहित पकड़े गये आरोपियों से अनुसंधान के बाद मामले में मादक पदार्थ बेचने के मामले में फरार चल रहे आरोपी को गिरफ्तार किया। शहर पुलिस अधीक्षक तेजस्वनी गौतम ने बताया कि 9 जनवरी को भीमगंजमंडी पुलिस टीम ने 132.05 ग्राम स्मैक सहित दो तस्करों को गिरफ्तार किया था। मामले में अनुसंधान रेलवे कॉलोनी थाना पुलिस कर रही थी, अनुसंधान के दौरान मादक पदार्थ सहित पकड़े गये तस्करों से पूछताछ के दौरान सामने आया कि मादक पदार्थ स्मैक की खरीद एवं आपूर्ति जिला झालावाड़ के दुर्जनपुरा निवासी प्रकाश रामबिलास उर्फ मोलक से की थी। मामले में गठित टीम ने जिला झालावाड़ के दुर्जनपुरा निवासी प्रकाश रामबिलास उर्फ मोलक को अवैध मादक बिक्री में दस्तयाब कर प्रकरण में गिरफ्तार किया।

नहर में गिरने से युवक की मौत

कोटा, (निसं)। कोटा में रेलवे कॉलोनी थाना इलाके में एक युवक की नहर में असंतुलित होकर गिरने से मौत हो गई। मृतक की पहचान जेपी कॉलोनी निवासी आनंद राव के रूप में हुई है। जानकारी के अनुसार आनंद राव सोमवार रात्रि को काम से लौटकर घर जाते समय संतुलन बिगड़ने से गिर गया। घटना की सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची। रेलवे कॉलोनी पुलिस ने बताया कि सोमवार रात्रि को जेपी कॉलोनी निवासी आनंद राव पैदल जाते समय शराब के नशे में संतुलन बिगड़ने से गिर गया, जिससे उसकी मौत हो गई।

कोटा में घी व तेल के नमूने लिये

कोटा, (निसं)। कोटा जिले में खाद्य सुरक्षा दल द्वारा विभिन्न घी तेल निर्माता/विक्रेता प्रतिष्ठानों पर कार्रवाई की। खाद्य सुरक्षा टीम ने रीको इंडस्ट्रियल एरिया रोड़ नंबर सात पर स्थित एक फैक्टरी में घी निर्माण की सूचना पर निरीक्षण किया गया। मौके पर कुकिंग मिडियम वनस्पति पैक किया जा रहा था यहां से अवसर, जय कृष्णा एवं मंगलम ब्रांड के वनस्पति का एक-एक नमूना लिया गया।

कार्यालय नगरपालिका मण्डल, परबतसर जिला डीडवाना-कुचामन राज.
E-mail – npparbatsar@gmail.com Phone No. 01589-270141
क्रमांक–न.पा.प / स्टोर शाखा / 2025–26 / 3834 दिनांकः– 08.01.2026

निविदा सूचना

नगरपालिका परबतसर के द्वारा नियमानुसार बोनाफाइड / अधिकृत ईच्छुक एवं अनुभवी संवेदको से निर्धारित प्रपत्र मे प्रोक्यूरमेन्ट प्रक्रिया द्वारा निविदाएँ आमंत्रित की जाती है। कार्य की निविदा बेचे जाने की दिनांक 16.01.2026 को 10:00 बजे से है तथा शेष विवरण व निविदा शर्तें आदि सम्पूर्ण जानकारी वेबसाईट www.sppp.raj.nic.in पर देखी जा सकती है।

NIB UBN NO : DLB2526B0102
UBN NO : DLB2526GSOB29982
राज.संवाद / सी / 25 / 17587 अधिशाषी अधिकारी

श्रीगंगानगर में 17 लाख का ग्वार और मूंग चोरी के छह आरोपी डिटेन

- रीको में तीन गोदामों के सुरक्षा गार्डों पर ही चोरी का संदेह जताया था

श्रीगंगानगर, (निसं)। रीको में तीन गोदामों से एक साथ करीब 17 लाख रुपए मूल्य का ग्वार और मूंग चोरी हो गया है। हालांकि यह वारदात 15 दिसंबर से तीन जनवरी के बीच की गई होने का संदेह है। गोदाम किराए पर लेने वाली कंपनी के सुपरवाइजर की ओर से सदर थाने में इन तीन गोदामों के सुरक्षा गार्डों पर ही चोरी का संदेह जताते हुए मामला दर्ज करवाया गया है। रीको चौकी प्रभारी रामपाल गोदारा को मामले की जांच सौंपी गई है। जांच अधिकारी एसआई गोदारा के अनुसार भांभू कॉलोनी निवासी पवन शर्मा की ओर से परिवाद देकर मामला दर्ज करवाया है। परिवादी की ओर से इन तीनों गोदाम की सुरक्षा के लिए रखे गए गार्ड अनिल कुमार, देशराज, विनोद कुमार, रविराज, सुनील कुमार तथा सन्नी पर ही चोरी करवाने का संदेह जताया है, इसलिए पुलिस ने इन 6 आरोपियों को नामजद करके डिटेन कर लिया है। इनसे चोरी के संबंध में पूछताछ की जा रही है। ये सभी सुरक्षा गार्ड एक कंपनी के जरिए निगरानी को रखे गए थे।

परिवादी ने परिवाद में बताया है कि वह स्टार एग्री वेयर हाउसिंग एंड कालेट्राल मैनेजमेंट लिमिटेड के सुपरवाइजर मैनेजिंग अधिकारी के पद पर सेवारत है। कंपनी की ओर से किराए पर लिए गए रीको में हार्दिक एग्रीट्रेड प्राइवेट लिमिटेड से 225 बैग ग्वार चोरी हो गया है। इसी कंपनी के दूसरे गोदाम एल्पनो पलसेर प्राइवेट लिमिटेड से 125 बैग मूंग चोरी किया गया है। तीसरे गोदाम शक्ति एग्रो फूड प्राइवेट लिमिटेड से 115 बैग ग्वार तथा 110 बैग मूंग चोरी किया गया है। इस तरह से तीनों गोदाम से 170 क्विंटल ग्वार तथा 117 क्विंटल मूंग चोरी किया गया है। इनकी बाजार कीमत 16 लाख 70 हजार से अधिक आंकी गई है। परिवादी ने बताया कि तीन जनवरी को जब उसने गोदामों का निरीक्षण किया तो अंदर जिंस के स्टेग से बोरियां कम लगी। इस पर स्टॉक मिलान किया गया तो बोरियां कम पाई गईं। गोदाम के सुरक्षा गार्डों से इस बारे में पूछताछ की गई तो उन्होंने इस संबंध में अनभिज्ञता जताई जबकि उनकी मिलीभगत के बिना यह चोरियां होना संभव ही नहीं है। प्रारंभिक तौर पर आशंका है कि इस चोरी को अंजाम देने वाले कम से कम 6 लोग हो सकते हैं। क्योंकि जिन गोदामों में चोरी की गई है।

सीएम भजनलाल शर्मा ने डूंगरपुर जिले के युवाओं से संवाद किया

- सीएम भजनलाल शर्मा ने वागड़ के युवाओं से कहा कि वे कौशल प्रशिक्षण सीखकर तकनीक अपनाएं

जयपुर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि युवा देश का भविष्य हैं और राजस्थान का गौरव हैं। देश-विदेश के विकास में युवा शक्ति का अहम योगदान है। युवाओं की मेहनत एवं दृढ़ इच्छाशक्ति से ही विकसित भारत 2047 के सपने को साकार किया जा सकेगा। उन्होंने कहा कि वागड़ क्षेत्र आदिवासी बहुल क्षेत्र है तथा हमारी सरकार आदिवासियों के सशक्तीकरण के लिए निरन्तर निर्णय ले रही है। राज्य सरकार द्वारा संचालित की जा रही योजनाओं से प्रत्येक वर्ग व क्षेत्र लाभान्वित हो रहा है तथा इनसे वागड़ क्षेत्र में भी विकास के नये आयाम स्थापित हो रहे हैं। सीएम भजनलाल शर्मा मंगलवार को मुख्यमंत्री निवास पर डूंगरपुर से आए युवाओं को संबोधित कर रहे थे।

सीएम भजनलाल शर्मा ने कहा कि आदिवासी बहुल क्षेत्रों के युवाओं के सशक्तीकरण पर सरकार विशेष रूप से ध्यान दे रही है तथा इस क्षेत्र के समग्र विकास के लिए राज्य सरकार ने अनेक योजनाए संचालित की हैं। उन्होंने वागड़ के युवाओं से अपील करते हुए कहा कि वे कौशल प्रशिक्षण सीखकर तकनीक अपनाएं और नवाचार करें जिससे वे रोजगार प्रदाता भी बन सके। मुख्यमंत्री ने कहा कि राइजिंग राजस्थान में हुए 35 लाख करोड़ के एमओयू में से 8 लाख करोड़ के एमओयू धरातल पर उतर चुके हैं। इसका फायदा वागड़ क्षेत्र के युवाओं को मिलेगा। साथ ही, वागड़ क्षेत्र में रोजगार मेलों का भी आयोजन किया जाएगा, जिससे युवाओं को रोजगार के अवसर प्रदान हों।

मुख्यमंत्री ने कहा कि राजस्थान का हरिद्वार माने जाने वाला बेणेश्वर धाम एक ऐतिहासिक स्थल है। देश-प्रदेश में इस धाम की विशेष मान्यता है। हमारी सरकार आस्था के इस प्रमुख केन्द्र के संरक्षण, यहां आधारभूत सुविधाओं का विस्तार करने तथा इसे संवारने के लिए प्रतिबद्ध है। कार्यक्रम के दौरान बेणेश्वर धाम के सौन्दर्यीकरण को लेकर प्रस्तुतीकरण दिया गया। इस अवसर पर सागवाड़ा के विधायक शंकरलाल डेचा सहित बड़ी संख्या में युवा उपस्थित रहे।

कार्यालय अतिरिक्त जिला परियोजना समन्वयक समग्र शिक्षा सवाई माधोपुर
Indara Colony Girls School Mantown Sawai Madhupur, E-mail :- adpcsmsaswm@gmail.com
क्रमांक :- अजिपस/समग्र शिक्षा/समा/2025-26/374 दिनांक :- 09/01/2026

ई-निविदा सूचना संख्या 49,50 (सिविल)/2025-26
(राजकीय विद्यालय मे मरम्मत कार्यो हेतु)

राज्य एवं केन्द्र सरकार के राजकीय / अर्द्धशासकीय / स्वायत्तशासी निकायों में सक्षम श्रेणी में पंजीकृत संवेदकों से बाढ़ / अत्यधिक वर्षा से क्षतिग्रस्त विद्यालयों की तात्कालिक मरम्मत हेतु स्वीकृत क्रमशः 56 राजकीय विद्यालयों (11 कलस्टर) में मरम्मत कार्य हेतु लागत राशि रु. 101.40 लाख एवं 63 राजकीय विद्यालयों (10 कलस्टर) में मरम्मत कार्य हेतु लागत राशि रु. 124.30 लाख बाबत निविदाएं 09 / 01 / 2026 प्रातः 10.00 बजे से 19 / 01 / 2026 को सायं 6.00 बजे तक आमंत्रित की जाती है।

- निविदा से सम्बधित समस्त विस्तृत विवरण वेबसाईट http://sppp.rajasthan.gov.in एवं http://eproc.rajasthan.gov.in पर देखा जा सकता है।
- निविदा से सम्बन्धित प्रक्रिया अतिरिक्त जिला परियोजना समन्वयक, समग्र शिक्षा सवाई माधोपुर कार्यालय के स्तर से की जावेगी।

ई–निविदा सूचना संख्या 49 / 2025–26 UBIN :- RSE2526WSOB06369
ई–निविदा सूचना संख्या 50 / 2025–26 UBIN :- RSE2526WSOB06371
राज.संवाद/सी/25/17552 अतिरिक्त जिला परियोजना समन्वयक

कार्यालय, नगरपालिका मण्डल, बीदासर (चूरू) राज0
E-Mail :nagarpalikabidasar@gmail.com Phone No. : 01560 – 262028
क्रमांक–नपाबी / 2025–26 / 3255 दिनांक–08.01.2026

ई–निविदा सूचना सख्यां 09/2025–26

नगरपालिका बीदासर में निम्नलिखित सप्लाई / सेवा / निर्माण कार्यो के लिये नियमों के अन्तर्गत नगर निगम बीकानेर / नगरपालिका बीदासर में पंजीकृत व अन्य विभागों के 'A' एवं 'AA' श्रेणी में पंजीकृत संवेदकों से निर्धारित प्रपत्र में ई–प्रोक्यूरमेन्ट प्रकिया से निविदा से कार्यो हेतु ऑनलाईन निविदायें आमंत्रित की जाती है। निविदा कार्य दिनांक 08.01.2026 को 17:00 बजे से तथा दिनांक 19.01.2026 समय 18.00 बजे तक ऑनलाईन निविदा जमा करवाई जा सकती है। निविदा शर्ते आदि सम्पूर्ण विवरण वेबसाईट http://www.eprco.rajasthan.gov.in, http://www.sppp.rajasthan.gov.in पर देखी जा सकती है।

NIB Code- DLB2526B0126
UBN NO.- DLB2526WSRC30040 UBN NO.- DLB2526WSRC30041
UBN NO.- DLB2526WSRC30042 UBN NO.- DLB2526WSRC30043
UBN NO.- DLB2526WSRC30044 UBN NO.- DLB2526WSRC30045
UBN NO.- DLB2526WSRC30046 UBN NO.- DLB2526WSRC30047
UBN NO.- DLB2526WSRC30048 UBN NO.- DLB2526WSRC30049
UBN NO.-DLB2526WSRC30049

अध्यक्ष नगरपालिका,बीदासर — अधिशाषी अधिकारी नगरपालिका,बीदासर
राज.संवाद / सी / 25 / 17572

लूणकरनसर में तापमान 0.4 डिग्री पहुंचा

बीकानेर, (निसं)। यहां ग्रामीण क्षेत्रों में तापमान अब 0.4 डिग्री सेल्सियस तक पहुंच गया है। लूणकरणसर में पिछले चौबीस घंटों में न्यूनतम तापमान इतना ही रहा। फतेहपुर के बाद राजस्थान का सबसे ठंडा कस्बा लूणकरणसर ही रहा। हालांकि बीकानेर शहर में न्यूनतम तापमान 5.6 डिग्री सेल्सियस तक रहा।

मौसम विभाग के अनुसार सोमवार रात साढ़े आठ बजे तक जारी रिपोर्ट के मुताबिक लूणकरणसर का न्यूनतम तापमान 0.4 डिग्री सेल्सियस रहा, वहीं अधिकतम पारा 21.2 डिग्री सेल्सियस रहा। वहीं बीकानेर शहर में अधिकतम तापमान 22 डिग्री सेल्सियस रहा, वहीं न्यूनतम पारा 5.6 डिग्री सेल्सियस था। अधिकतम पारा सामान्य दिनों की तुलना में 1.2 डिग्री सेल्सियस कम था, न्यूनतम तापमान में ये गिरावट 2.1 डिग्री सेल्सियस रही। मंगलवार की सुबह भी बीकानेर में हल्का कोहरा रहा।

श्रीगंगानगर में पारा 3.6 डिग्री पर टिका : श्रीगंगानगर में कड़ाके की ठंड जारी है। मंगलवार सुबह 10 बजे तक घना कोहरा छाया रहा, जिसके बाद करीब 11 बजे सूरज ने दर्शन दिए और हल्की धूप निकली। मौसम रडार स्टेशन, श्रीगंगानगर पर मंगलवार सुबह न्यूनतम तापमान 3.6 डिग्री रिकार्ड किया गया।

छात्रा से सामूहिक दुष्कर्म का आरोपी हिरासत में

- नापासर थाना पुलिस ने आरोपी को 48 घंटे के भीतर हिरासत में ले लिया, दूसरे आरोपी की तलाश जारी

नापासर, (निसं)। थाना पुलिस ने स्कूल की छात्रा से सामूहिक दुष्कर्म के मामले में त्वरित कार्रवाई करते हुए आरोपी को 48 घंटे के भीतर हिरासत में ले लिया है। इस मामले में दो आरोपी नामजद थे, जिनमें से एक को पुलिस ने डिटेन किया है।

थानाधिकारी सुषमा शेखावत ने बताया कि मामले की संवेदनशीलता को देखते हुए पुलिस ने तत्काल कार्रवाई की। यह पूरी कार्रवाई पुलिस अधीक्षक कावेंद्र सागर, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक (शहर) चक्रवर्ती सिंह राठौड़ और गंगाशहर वृत्ताधिकारी हिमांशु शर्मा के निर्देशन में की गई। शेखावत ने जानकारी दी कि दूसरे आरोपी को हिरासत में लेने के लिए विशेष पुलिस टीमें गठित की गई हैं। ये टीमें संभावित ठिकानों पर लगातार दबिश दे रही हैं। पुलिस का कहना है कि जल्द ही दूसरे आरोपी को भी डिटेन कर गिरफ्तार कर लिया जाएगा, जिसके बाद दोनों से गहन पूछताछ की जाएगी।

नापासर पुलिस की इस त्वरित कार्रवाई से क्षेत्र में कानून-व्यवस्था के प्रति विश्वास बढ़ा है। स्थानीय लोगों ने पुलिस की सक्रियता और कर्तव्यनिष्ठा की सराहना की है। क्षेत्रवासियों ने इस कार्रवाई को सराहनीय बताते हुए कहा कि ऐसी सख्त और त्वरित कार्यवाही से कानून-व्यवस्था मजबूत होती है तथा नागरिक सुरक्षित महसूस करते हैं। पुलिस की इस पहल ने अपराधियों पर शिकंजा कसा है और उसकी सकारात्मक छवि को भी मजबूत किया है।

सेल्समैन से मारपीट कर नगदी लूटी

कोटा, (निसं)। गुमानपुरा थाना इलाके में एक सेल्समैन से मारपीट कर रूपये छीनने का मामला सामने आया है। गुमानपुरा थानाधिकारी महेश करवाल ने बताया कि मारपीट में घायल किशन सिंह तंवर ने पर्चा बयान दिया कि वह शराब की दुकान पर सेल्समैन का काम करता है। दुकान से केश लेकर जमा करवाने जा रहा था। उस दौरान बाइक से कट मारने को लेकर बाइक सवार दो जनों से कहासुनी हो गई। उस समय तो मामला रफा-दफा हो गया और जब वह कैश देकर वापस आ रहा था, तो गुमानपुरा इलाके में वही बाइक सवार दो जनों ने अन्य साथियों के साथ मिलकर उसके साथ मारपीट कर दी और मोबाइल व 20 हजार नकद छीनकर ले गये।

सात हजार लीटर वॉश नष्ट : छबड़ा में आबकारी व पुलिस विभाग की संयुक्त टीम ने मंगलवार को लक्ष्मीपुरा एवं चांचौड़ा गांव में दबिश देकर चौदह लीटर हथकढ़ शराब बरामद व शराब बनाने की तेईस पुरानी भट्टियां नष्ट की तथा लक्ष्मीपुरा गांव में जमींदोज व बाहर रखे ड्रमों में भरी 5000 लीटर एवं चांचौड़ा गांव में 2100 लीटर कुल 7100 लीटर वाश नष्ट की व एक भट्टी जब्त की गई।

RAJASTHAN POLICE INFRASTRUCTURE DEVELOPMENT CORPORATION LTD, JAIPUR
(Government of Rajasthan Undertaking) CIN NO. U45201RJ2013SGC083014, Regd. Office : 756, Police Head Quarter, Lal Kothi, Jaipur (Raj.), Phone: 0141-2740784, Fax: 0141-2744294, e-mail: rpidcl@rajasthan.gov.in
क्रमांक :- RPHCCL/469/NIT/2025-26/D-3858 दिनांक :- 08/01/2026

ई-निविदा सूचना सं. 36/2025-26

निम्नलिखित कार्यों के लिए राज्य / केन्द्र सरकार के अभियांत्रिकी विभागों / उपक्रमों में समकक्ष श्रेणी में पंजीकृत योग्य एवं अनुभवी संवेदकों से नियमानुसारएक वर्ष की डीएलपी के अन्तर्गत निर्धारित प्रपत्र में क्रम संख्या 1 से 73 तक के कार्यों की निविदा एकल बिड के तहत आमंत्रित की जाती है।

निविदा की कुल लागत	रुपये 2461.62 लाख
ऑनलाईन निविदा फॉर्म मिलने की तारीख	15 जनवरी 2026 दोपहर 02.00 बजे से 27 जनवरी 2026 सायं 4.00 बजे तक
ऑनलाईन निविदा फॉर्म जमा कराने की तारीख	27 जनवरी 2026 सायं 6.00 बजे तक
ऑनलाईन निविदा खोलने की तारीख	28 जनवरी 2026 दोपहर 1.00 बजे

निविदा सम्बन्धित जानकारी राजस्थान पुलिस की बेबसाइट www.police.rajasthan.gov.in/ www.sppp.raj.nic.in एवं http://eproc.rajasthan.gov.in पर भी उपलब्ध रहेगी। इच्छुक संवेदको को निविदा संबंधित जानकारी प्रबन्ध निदेशक कार्यालय से कार्यालय समय में प्राप्त की जा सकती है। भविष्य में निविदाओं में संशोधन होने पर उपरोक्त वेबसाइटों पर ही प्रेषित किया जावेगा।

UBN No. : RID2526WSOB00475 To RID2526WSOB00547

महाप्रबन्धक
राजस्थान पुलिस आधारभूत संरचना विकास निगम लिमिटेड
राज.संवाद/सी/25/17547

पाकिस्तान से आई हैरोइन की डिलीवरी लेने चोरी की बाइक से आये थे तस्कर

बीकानेर, (निसं)। पाकिस्तान से ड्रोन के जरिये खाजूवाला के चक 40 केजेडी में भेजी गई 2.50 करोड़ रुपए की हैरोइन की डिलीवरी लेने के लिए तस्कर चोरी की बाइक पर आए थे। बीएसएफ और पुलिस की सक्रियता को देखकर घटनास्थल से करीब दो किमी दूर बाइक छोड़कर फरार हो गए थे, जिनकी तलाश की जा रही है।

जानकारी के अनुसार पाकिस्तानी तस्करों ने 8 जनवरी की देर रात को बीकानेर के खाजूवाला में बॉर्डर से तीन किमी दूर 40 केजेडी में ड्रोन से 2.50 करोड़ रुपए की 505 ग्राम हैरोइन गिराई थी। बीएसएफ और पुलिस ने सर्च अभियान चलाकर हैरोइन बरामद कर ली थी। पाकिस्तान से आई हैरोइन की डिलीवरी लेने के लिए तस्कर चोरी की बाइक पर सवार होकर खाजूवाला पहुंचे थे। जब उन्होंने बीएसएफ और पुलिस की सक्रियता देखी तो पकड़े जाने के डर से घटनास्थल से 2 किमी दूर सुनसान जगह पर बिना नंबरी बाइक छोड़कर फरार हो गए, जिसे पुलिस ने संदिग्ध मानकर जब्त कर लिया था। बरामद की गई बाइक की छानबीन की गई तो सामने आया कि वह चोरी की है। वर्ष, 16 में श्रीगंगानगर के पुरानी आबादी थाने में बाइक चोरी का मुकदमा दर्ज हुआ था, जिसमें पुलिस ने अदम पता एफआर लगा दी थी। चोरी की उसी बाइक पर सवार होकर तस्कर हैरोइन की डिलीवरी के लिए खाजूवाला पहुंचे थे।

अवैध खनन ले जाते दो ट्रैक्टर-ट्रॉली जब्त

कोटा, (निसं)। बोरखेड़ा पुलिस टीम ने इलाके में गश्त के दौरान पत्थरों का अवैध रूप से परिवहन करते दो ट्रैक्टर-ट्रॉली को जब्त करने की कार्रवाई की। पुलिस टीम ने मामले की जानकारी खनिज विभाग को दी। शहर पुलिस अधीक्षक तेजस्वनी गौतम ने बताया कि अवैध गतिविधियों की रोकथाम व पत्थरों के अवैध परिवहन के खिलाफ आमजन द्वारा लगातार शिकायतें मिल रही थी। शहर एसपी ने बताया कि बोरखेड़ा थानाधिकारी अनिल कुमार टेलर के नेतृत्व में टीम का गठन किया गया। शहर एसपी ने बताया कि बोरखेड़ा थानाधिकारी अनिल कुमार टेलर ने मय जब्त इलाके मे गश्त के दौरान पत्थरों का परिवहन करते दो ट्रैक्टर-ट्रॉली को रूकवाकर कागज चैक किये तो कोई वैध दस्तावेज या लाईसेंस नही होना पाया गया। पुलिस टीम ने मौके पर कार्रवाई करते हुए पत्थरों का अवैध रूप से परिवहन करते दोनों ट्रैक्टर-ट्रॉली को जब्त किया।

माध्यमिक शिक्षा बोर्ड, राजस्थान, अजमेर
बोर्ड परीक्षा–2026 हेतु परीक्षार्थियों की उपस्थिति गणना हेतु शाला प्रधानों को निर्देश

माध्यमिक / उच्च माध्यमिक / प्रवेशिका / वरिष्ठ उपाध्याय / व्यावसायिक परीक्षा 2026 में प्रविष्ट होने वाले नियमित छात्रों की उपस्थिति गणना हेतु (प्रपत्र 49, 50) बोर्ड वेबसाईट पर अपलोड किये गये है। अतः सभी शाला प्रधानों द्वारा बोर्ड बेवसाईट पर जारी संबंधित नियमों (प्रपत्र–51) के अनुसार उपर्युक्त परीक्षाओं हेतु उपस्थिति की गणना 22 जनवरी 2026 तक की जानी है। उपस्थिति न्यूनता प्रपत्र 49 / 50 में गणना करके केवल NSO/DET/REJ/EXP. की सूचना दिनांक 28 जनवरी 2026 तक बोर्ड की ई–मेल ddexamfirst@gmail.com पर ऑनलाईन अपलोड करें। उपस्थिति गणना करने हेतु विस्तृत नियमों की जानकारी प्रपत्र 51 में बोर्ड की वेबसाईट http:// rajeduboard .rajasthan.gov.in पर उपलब्ध है। सचिव

पूर्व राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद जोधपुर पहुंचे

जोधपुर, (कासं)। पूर्व राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद मंगलवार को जोधपुर पहुंचे। यहां एयरपोर्ट पर उनका जोधपुर की परंपरा के अनुसार सम्मान किया गया। कोविंद सोजत में होने वाले धार्मिक कार्यक्रम में हिस्सा लेंगे।

जानकारी के अनुसार पूर्व राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद दो अपने परिवार के साथ जोधपुर आए हैं। कोविंद 15 जनवरी तक जोधपुर दौरे पर रहेंगे। यहां मंगलवार ताज हरि महल रेजिडेंसी रोड पर रात्रि विश्राम किया। यहां से 14 जनवरी को सुबह 11:15 बजे सोजत सिटी जिला पाली के लिए रवाना होंगे। यहां वे श्रीमद्भागवत कथा समिति सोजत सिटी की ओर से आयोजित श्रीमद्भागवत कथा एवं सहस्त्र चंडी महायज्ञ में शामिल होंगे।

इसके बाद पूर्व राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद रात को 7:30 बजे दोबारा जोधपुर पहुंचकर ताज हरि महल में रात्रि विश्राम करेंगे। पूर्व राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद गुरुवार को दोपहर 3:30 बजे जोधपुर एयरपोर्ट पहुंचेंगे। इसके बाद 4 बजे दिल्ली के लिए रवाना होंगे। पिछले दो महीने में कोविंद दूसरी बार अब जोधपुर आए हैं। इस दौरान एयरपोर्ट पर उनका केंद्रीय मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत सहित प्रशासनिक अधिकारियों ने अभिनंदन किया।

शिक्षा जीवन परिवर्तन का सबसे बड़ा माध्यम : राज्यपाल बागड़े

- डीडवाना में श्री बांगड़ महिला महाविद्यालय के वार्षिकोत्सव में राज्यपाल बागड़े व पूर्व मुख्यमंत्री वसुन्धरा राजे ने शिरकत की

कार्यक्रम के दौरान राज्यपाल बागड़े व पूर्व मुख्यमंत्री राजे का फोटो भेंट कर स्वागत किया गया।

डीडवाना, (निसं)। राज्यपाल हरिभाऊ बागड़े कहा कि सही शिक्षा वहीं है जो किताबी ज्ञान के साथ-साथ व्यक्ति का चारित्रिक और बौद्धिक विकास भी करे। उन्होंने कहा कि शिक्षा ही जीवन को बदलने का माध्यम है। एकाग्रता के साथ निरंतर अभ्यास और मेहनत से लक्ष्य प्राप्त करना विद्यार्थियों का ध्येय होना चाहिए। राज्यपाल हरिभाऊ बागड़े मंगलवार को डीडवाना में बांगड़ महिला महाविद्यालय के वार्षिकोत्सव कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में संबोधित कर रहे थे।

राज्यपाल बागड़े ने कहा कि वर्तमान में तकनीकी शिक्षा का अत्यधिक महत्व है, बालिकाओं को भी तकनीकी शिक्षा हासिल कर प्रतिभा का विकास करना चाहिये। उन्होंने कहा कि यह प्रसन्नता का विषय है कि बांगड महिला महाविद्यालय बालिकाओं को मुफ्त शिक्षा प्रदान कर रहा है।

कार्यक्रम में पूर्व मुख्यमंत्री वसुन्धरा राजे ने भी शिरकत की और महाविद्यालय की छात्राओं को संबोधित करते हुए कहा कि आजादी से लेकर आज तक महिलाएं किसी भी क्षेत्र में पीछे नहीं है, और वर्तमान में भी हर क्षेत्र में लगातार आगे बढ़ रही हैं। इस दौरान राज्यपाल हरिभाऊ बागड़े एवं पूर्व मुख्यमंत्री वसुन्धरा राजे ने पदक विजेता छात्राओं को डिग्री प्रदान कर सम्मानित किया।

इससे पूर्व राज्यपाल हरिभाऊ बागड़े एवं पूर्व मुख्यमंत्री वसुन्धरा राजे ने छात्राओं की प्रदर्शनी का अवलोकन किया और महाविद्यालय के नवीन भवन का लोकार्पण किया। कार्यक्रम को श्री सीमेंट के प्रबंध निदेशक हरिमोहन बांगड एवं डीडवाना विकास समिति के अध्यक्ष कैलाश चन्द शर्मा ने भी संबोधित किया। इससे पूर्व राज्यपाल हरिभाऊ बागड़े ने पंडित बच्छराज आदर्श विद्या मन्दिर पहुंच कर पंडित बच्छराज व्यास की मूर्ति पर पुष्प अर्पित कर नमन किया।

इस अवसर पर डीडवाना विधायक युनुस खान, पूर्व मंत्री राजपाल सिंह शेखावत, संभागीय आयुक्त शक्ति सिंह राठौड़, अजमेर रेंज आईजी राजेंद्र सिंह, जिला कलक्टर डॉ महेंद्र खड़गावत, जिला पुलिस अधीक्षक ऋचा तोमर सहित सभी संबंधित अधिकारी, छात्राएं और बड़ी संख्या में नागरिक उपस्थित रहे।

कार्यालय जिला परिवहन अधिकारी, कोटपूतली
पत्ताः- अमाई, आरटीएम होटल के पास, कोटपूतली / Email-dto.kotputli.tport@rajasthan.gov.in
क्रमांकः- जि.प.अ.कोट/लेखा/2025-26/49904 दिनांकः- 24.12.2025

नोटिस एवं नीलामी विज्ञापन

निम्नलिखित वाहनों के विरुद्ध एवं इन वाहनों के पंजीकृत स्वामियों / फर्म के प्रोपराईटरों के नाम से पंजीकृत अन्य वाहनों पर राज्य सरकार को देय कर राशि बकाया होने के कारण इन वाहनों को राजस्थान मोटरयान कराधान अधिनियम 1951 की धारा 17 (2) के अन्तर्गत जब्त किया जाकर इन्हे राजस्थान मोटरयान कराधान अधिनियम 1951 की धारा 13A के अन्तर्गत प्रदत्त शक्तियो के अनुसार कुर्क किया गया है। सीज वाहनों के पंजीकृत स्वामियों / फर्म के नाम से पंजीकृत वाहनों के सम्बन्ध में फर्म के प्रोपराइटरों को सीज वाहनों तथा इनके नाम से अन्य पंजीकृत वाहनों पर बकाया कर राशि जमा कराने के लिए इस कार्यालय के रजिस्टर्ड पत्रों के माध्यम से जरिए मांग नोटिस पूर्व में सूचित किया जा चुका है।

दैनिक समाचार पत्रों के माध्यम से जारी उक्त सार्वजनिक नोटिस के माध्यम से वाहन स्वामियों/फर्मों के प्रोपराइटरों को सीज किये गये वाहनों पर तथा अन्य पंजीकृत वाहनों पर राज्य सरकार को देय कर राशि नीलामी से पूर्व जमा कराने का अवसर प्रदान करते हुए सूचित किया जाता है कि इन वाहनों की नीलामी दिनांक से पूर्व राज्य सरकार को देय समस्त कर जमा करा देवें। यदि फिर भी इनके द्वारा बकाया कर राशि जमा नहीं कराई जाती है तो निम्न वाहनों को निम्नानुसार नीलामी के जरिए विक्रय करने की कार्यवाही सम्पन्न की जावेगी।

इन नीलाम किये जा रहे वाहनों के संबंध में किसी व्यक्ति / संस्था / बैंक / वित्तपोषक आदि को किसी भी प्रकार कोई उज/ऐतराज/दावा हो तो नीलामी दिनांक से एक दिन पूर्व तक विभाग का बकाया कर जमा करवाकर अपना ऐतराज /उज/दावा प्रस्तुत कर सकेगें। उक्त अवधि की समाप्ति के पश्चात् कोई भी आपत्ति होने पर उस आपत्ति पर विचार नहीं किया जायेगा। वाहन जहाँ खडा है, जैसा है, के आधार पर उनके सामने अंकित स्थान दिनांक एवं समय पर नीलाम कर दिया जावेगा।

क्र. सं	वाहन का पंजीयन संख्या	वाहन स्वामी का संक्षिप्त विवरण	वाहन का प्रकार	वाहन जहां खड़ा है	वाहन का नीलामी स्थान	नीलामी की दिनांक व समय
1	HRS5AP9646	श्री विजय पाल पुत्र श्री सुखदेव सिंह	BUS	पुलिस थाना पनियाला	जिला परिवहन कार्यालय परिसर, कोटपूतली	06.02.2026 2PM से 6PM
2	HR63D0660	श्री प्रदीप कुमार पुत्र श्री धर्मपाल निवासी 28 फ्तेहपुरी ढाकला झज्जर हरियाणा	BUS	सीजर यार्ड श्री रामचन्द धर्म कांटा, मोलाहेड़ा		
3	RJ32GD0104	मैसर्स एस0डी0 एसोसिएट्स निवासी अल्ट्राटेक सीमेंट रोड गोरधनपुरा, तह कोटपूतली जिला कोटपूतली-बहरोड़	HORSE (केवल Horse)	सीजर यार्ड श्री रामचन्द धर्म कांटा, मोलाहेड़ा		
4	RJ32GC7213	श्री शक्ति सिंह यादव पुत्र जयनारायण यादव निवासी ग्राम गण्डाला, तह. बहरोड, जिला कोटपूतली-बहरोड	TRUCK	सीजर यार्ड श्री रामचन्द धर्म कांटा, मोलाहेड़ा		
5	RJ32GB3374	श्री नरेश कुमार जाट पुत्र श्री वीरभान अजीतपुरा कलां, तह0 कोटपूतली, जिला कोटपूतली-बहरोड़	TRUCK	सीजर यार्ड श्री रामचन्द धर्म कांटा, मोलाहेड़ा		

नीलामी की शर्तेः-
1. नीलामी प्रक्रिया में भाग लेने वाले व्यक्ति/फर्म को नीलामी प्रक्रिया शुरु होने से 1 दिन पूर्व अमानत राशि के रुप में रु. 200000/- डी.डी. के रुप में जमा करानी होगी।
2. नीलामी समाप्ति पर अधिकतम बोलीदाता को एक चौथाई राशि तुरंत जमा करवानी होगी। शेष तीन चौथाई राशि नीलामी के तीन दिवस की अवधि में जमा करानी होगी, अन्यथा जमा शुद्धा एक चौथाई राशि जब्त कर ली जायेगी।
3. नीलामी की शर्तों एवं नियमों तथा वाहन के संबंध में किसी भी प्रकार की जानकारी कार्यालय समय में प्रातः 9.30 बजे से 6.00 बजे तक प्राप्त की जा सकती है।
4. जो वाहन नीलाम किये जाने है उनके वाहन स्वामी / परमिटधारी उक्त नीलामी में भाग नहीं ले सकेगें।
5. वाहन की नीलामी पर बिकी कर विभाग द्वारा किसी भी प्रकार की कर देयता बनने पर उक्त कर अलग से संबंधित विभाग को क्रेता द्वारा देय होगा।
6. नीलामी को स्वीकार अथवा अस्वीकार किये जाने का पूर्ण अधिकार नीलामी समिति को होगा।
7. वाहन जहाँ खड़ा है जिस स्थिति में है की निलामी की जायेगी।

(सुनील कुमार सैनी)
जिला परिवहन एवं सड़क सुरक्षा अधिकारी
कोटपूतली (जयपुर)

DIPR/C/297/2026

प्रदेश की प्रत्येक महिला को विकास की मुख्यधारा से जोड़ेंगे- भजनलाल

मुख्यमंत्री ने मंगलवार को महिला प्रतिनिधियों के साथ बजट पूर्व संवाद किया

जयपुर, 13 जनवरी। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि शिक्षित और सशक्त महिलाएं समाज में सकारात्मक बदलाव की वाहक हैं। महिलाओं के आगे बढ़ने से ही प्रदेश प्रगति के पथ पर अग्रसर होता है। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार प्रदेश की प्रत्येक महिला को विकास की मुख्यधारा से जोड़ने के लिए

- **इस कार्यक्रम के दौरान महिला प्रतिनिधियों ने राज्य सरकार द्वारा संचालित महिला सशक्तिकरण कार्यक्रम की सराहना की तथा स्वरोजगार, कौशल प्रशिक्षण, महिला सुरक्षा शिक्षा व स्वास्थ्य पर अपने विचार रखे।**

प्रतिबद्धता के साथ कार्य कर रही है, जिससे इस आधी आबादी की सक्रिय भागीदारी से विकसित तथा उत्कृष्ट राजस्थान का निर्माण किया जा सकेगा।

शर्मा मंगलवार को मुख्यमंत्री कार्यालय में महिला प्रतिनिधियों के साथ बजट पूर्व संवाद कर रहे थे। उन्होंने कहा कि महिलाओं के सशक्त होने से

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने मंगलवार को महिला प्रतिनिधियों के साथ बजट पूर्व संवाद किया। इस अवसर पर उपमुख्यमंत्री दिया कुमारी, मुख्य सचिव वी. श्रीनिवास भी मौजूद थे।

ही आत्मनिर्भर परिवार, समाज और आत्मनिर्भर राजस्थान का निर्माण होगा। इसीलिए राज्य सरकार ने महिला सशक्तिकरण को अपनी नीतियों और कार्यक्रमों का प्रमुख केन्द्रबिंदु बनाया है। शर्मा ने आश्वस्त किया कि महिला प्रतिनिधियों के सुझावों को बजट 2026-27 में यथासंभव शामिल करने के प्रयास किए जाएंगे।

शर्मा ने कहा कि लाडो प्रोत्साहन योजना के तहत देय राशि 1 लाख रुपये से बढ़ाकर डेढ़ लाख रुपये की गई है। प्रधानमंत्री मातृ वंदना योजना के तहत राशि को बढ़ाकर 6 हजार 500 रुपये किया गया है। मुख्यमंत्री ने कहा कि माँ वाउचर योजना से गर्भवती महिलाओं को प्रदेशभर में निशुल्क सोनोग्राफी की सुविधा उपलब्ध कराई जा रही है। इस दौरान महिला प्रतिनिधियों ने राज्य सरकार द्वारा संचालित महिला सशक्तिकरण कार्यक्रमों एवं योजनाओं के लिए मुख्यमंत्री के निर्णयों एवं प्रयासों की सराहना की। महिलाओं ने स्वरोजगार, कौशल प्रशिक्षण, महिला सुरक्षा, शिक्षा, स्वास्थ्य सहित, विभिन्न विषयों पर अपने सुझाव दिए।

बैठक में उपमुख्यमंत्री दिया कुमारी, मुख्य सचिव वी. श्रीनिवास, प्रमुख शासन सचिव वित्त वैभव गालरिया, प्रमुख शासन सचिव महिला एवं बाल विकास भवानी सिंह देथा सहित, वरिष्ठ अधिकारीगण तथा बड़ी संख्या में महिलाएं मौजूद थे।

दिल्ली में जिम तथा व्यापारी के घर पर फायरिंग

नयी दिल्ली, 13 जनवरी। दो जगह पूर्वी दिल्ली के पश्चिमी विनोद नगर और पश्चिमी विहार में हुई ताबड़तोड़ फायरिंग से दिल्ली दहल उठी है। दोनों की जगह कई-कई राउंड फायरिंग की गई है। पश्चिमी विनोद नगर में व्यवसायी के घर के बाहर

- **लॉरेंस बिश्नोई गैंग ने दोनों जगह फायरिंग की जिम्मेदारी ली।**

और पश्चिमी विहार में स्थित एक जिम पर फायरिंग हुई है। शुरूआती जांच में पता लगा कि दोनों ही जगह फिरौती (वसूली) के लिए फायरिंग की गई है। लॉरेंस बिश्रोई गैंग ने दोनों जगह हुई फायरिंग की जिम्मेदारी ली है। संबंधित थाना पुलिस के साथ-साथ दिल्ली पुलिस की स्पेशल सेल व अपराध शाखा की टीमें मामले की जांच कर रही हैं। शुरुआती जांच में पता लगा कि लॉरेंस बिश्नोई गैंग की ओर से फायरिंग करवाई गई है। इससे पुलिस महकमे में भी अलर्ट जारी कर दिया गया है।

20 जनवरी को नितिन नबीन भाजपा ने नए अध्यक्ष बन सकते हैं

सूत्रों के अनुसार वे 19 जनवरी को नामांकन दाखिल करेंगे

नयी दिल्ली, 13 जनवरी। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के राष्ट्रीय कार्यकारी अध्यक्ष नितिन नवीन अगले हफ्ते पार्टी अध्यक्ष पद के लिए अपना नामांकन दाखिल कर सकते हैं। बिहार से पांच बार के विधायक नितिन नवीन को पिछले साल 14 दिसंबर को भाजपा का राष्ट्रीय कार्यकारी अध्यक्ष नियुक्त किया गया था। सूत्रों के मुताबिक,नितिन नबीन 19 जनवरी को नामांकन दाखिल करेंगे और 20 जनवरी को उनके निर्विरोध चुने जाने की संभावना है।

- **पार्टी सूत्रों के अनुसार, इस अवसर पर भाजपा शासित सभी राज्यों के मुख्यमंत्रियों, प्रदेश अध्यक्षों, पदाधिकारियों को नई दिल्ली में मौजूद रहने की हिदायत दी गई है।**

पार्टी सूत्रों के मुताबिक, उनके निर्विरोध चुने जाने की पूरी संभावना है, क्योंकि किसी अन्य नेता के मैदान में उतरने की संभावना बेहद कम है। भाजपा के सूत्र ने बताया, अध्यक्ष पद के चुनाव के लिए नामांकन 19 जनवरी को दाखिल किया जाएगा। सूत्रों के अनुसार, यदि आवश्यकता पड़ी तो जेपी नड्डा के स्थान पर नए भाजपा अध्यक्ष के चुनाव की प्रक्रिया पार्टी मुख्यालय में आयोजित की जाएगी।

सूत्रों के अनुसार, भाजपा शासित राज्यों के सभी मुख्यमंत्रियों, प्रदेश अध्यक्षों, राष्ट्रीय पदाधिकारियों और वरिष्ठ नेताओं को इस मौके पर दिल्ली में मौजूद रहने को कहा गया है। पार्टी के मुख्य निर्वाचन अधिकारी के. लक्ष्मण राष्ट्रीय अध्यक्ष के नाम की औपचारिक घोषणा करेंगे। बताया गया है कि अध्यक्ष पद के लिए तीन सेट में नामांकन दाखिल किए जाएंगे। एक सेट पर 20 से अधिक निर्वाचित प्रदेश अध्यक्षों के हस्ताक्षर होंगे।

दूसरे सेट पर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी, राजनाथ सिंह, अमित शाह और जेपी नड्डा के हस्ताक्षर होंगे। तीसरा सेट भाजपा राष्ट्रीय परिषद के सदस्यों का होगा। यदि केवल एक ही नामांकन आता है, तो उसी दिन अध्यक्ष की घोषणा कर दी जाएगी। इस बीच, भाजपा अध्यक्ष चुनाव की तैयारियों को लेकर जेपी नड्डा की अध्यक्षता में एक अहम बैठक भी हुई। बैठक में नितिन नबीन के साथ बी एल संतोष, सुनील बंसल, अरुण सिंह और तरुण चुघ मौजूद थे।

'विधवा बहू को ससुर की संपत्ति से भरण पोषण का अधिकार है'

सुप्रीम कोर्ट ने एक मामले में यह अहम् फैसला दिया कि पुत्र की विधवा आश्रित मानी जाएगी

नयी दिल्ली, 13 जनवरी। जस्टिस पंकज मिथल ने फैसले को आसान शब्दों में समझाते हुए कहा, मृतक हिंदू के सभी वारिसों की यह जिम्मेदारी है कि वे मृतक की संपत्ति से उसके आश्रितों का भरण-पोषण करें। कोर्ट ने यह भी स्पष्ट किया, मृतक हिंदू के पुत्र की कोई भी विधवा, अधिनियम की धारा 21(7) के तहत आश्रित मानी जाएगी और धारा 22 के तहत भरण-पोषण का दावा करने का अधिकार रखती है।

यह मामला मृतक महेन्द्र प्रसाद की संपत्ति से जुड़े पारिवारिक विवाद के कारण सामने आया। महेन्द्र प्रसाद का दिसंबर 2021 में निधन हो गया था। उनके पुत्रों में से एक रंजीत शर्मा का भी मार्च 2023 में निधन हो गया। रंजीत

- **यह मामला मृतक महेन्द्र प्रसाद की सम्पत्ति से जुड़ा था। महेन्द्र प्रसाद का निधन 2021 में हुई था तथा उनके पुत्र रंजीत का निधन 2023 में हुआ था। यह मुकदमा रंजीत की विधवा गीता शर्मा ने दायर किया था।**

की मृत्यु के बाद उनकी विधवा गीता शर्मा ने अपने ससुर की संपत्ति से भरण-पोषण के लिए परिवार न्यायालय में याचिका दायर की।

परिवार न्यायालय ने शुरू में उनका दावा खारिज कर दिया। कोर्ट ने कहा कि वह ससुर की मृत्यु के समय विधवा नहीं थीं और इसलिए आश्रित नहीं मानी जा सकतीं। हालांकि, हाईकोर्ट ने यह फैसला पलट दिया, जिसके बाद परिवार के अन्य सदस्यों ने सुप्रीम कोर्ट में अपील दायर की। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि हाईकोर्ट का फैसला गैरकानूनी नहीं था। शीर्ष कोर्ट ने कहा कि सुप्रीम कोर्ट यह मानता है कि मृतक के पुत्र की विधवा की याचिका सुनवाई योग्य है और परिवार न्यायालय को इसे कानून के अनुसार जांचना चाहिए।

कोर्ट ने कहा कि पुत्र या अन्य कानूनी वारिसों की जिम्मेदारी है कि वे मृतक की संपत्ति से सभी आश्रितों का भरण-पोषण करें। इसमें वे सभी लोग शामिल हैं, जिनका पालन-पोषण करना मृतक का कानूनी और नैतिक कर्तव्य था।

कश्मीर ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

अधिकारियों का कहना है कि यह अभ्यास हालिया आतंकवाद-रोधी कार्रवहियों के बाद किया जा रहा है और इसका मकसद कट्टरपंथ को रोकना तथा धार्मिक स्थलों के दुरुपयोग को रोकना है। वहीं राजनीतिक नेताओं का तर्क है कि यह चुनिंदा तौर पर निशाना बनाने और धार्मिक मामलों में दखल देने जैसा है।

राष्ट्रपति मुर्मू ने लोहड़ी की बधाई दी

नयी दिल्ली, 13 जनवरी। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने फसलों के उत्सव लोहड़ी, मकर संक्रांति, पोंगल और माघ बिहू के मौकों पर देशवासियों को बधाई देते हुए कहा कि ये त्योहार भारत की समृद्ध कृषि विरासत और राष्ट्रीय एकता की भावना के प्रतीक हैं। राष्ट्रपति ने सोशल मीडिया पर पोस्ट किए गए एक संदेश में कहा, "मैं लोहड़ी, मकर संक्रांति, पोंगल और माघ बिहू के शुभ अवसर पर भारत और विदेश में रहने वाले सभी भारतीयों को हार्दिक बधाई देती हूं।"

खड़गे -राहुल ने लोहड़ी की बधाई दी

नयी दिल्ली, 13 जनवरी। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे तथा पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी ने लोहड़ी के अवसर पर देशवासियों को मंगलवार को बधाई दी और सबके जीवन में खुशहाली की कामना की। खरगे ने अपने बधाई संदेश में कहा, "लोहड़ी के शुभ अवसर पर सभी को बहुत- बहुत बधाई। आशा है हर्ष और उल्लास का यह त्योहार आपके जीवन में अपार ख़ुशियाँ व समृद्धि लेकर आए।" गांधी ने कहा, "आप सभी को लोहड़ी की लख-लख बधाईयां। यह पावन त्यौहार सभी के जीवन में ढेर सारी खुशियां, सुख और शांति लेकर आए।"

बंगाल में एसआईआर के दौरान हिंसा के मामलों की सुनवाई 19 जनवरी को होगी

सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि तब तक सभी पक्षों के जवाब मिल जाएंगे, उसके बाद एक साथ सुनवाई की जाएगी

नयी दिल्ली, 13 जनवरी। उच्चतम न्यायालय ने मंगलवार को कहा कि पश्चिम बंगाल में मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) के दौरान कथित हिंसा से जुड़े मामलों की सुनवाई संबंधित पक्षों से जवाब मिलने के बाद 19 जनवरी को एक साथ की जाएगी।

मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत, न्यायमूर्ति जॉयमाल्या बागची और न्यायमूर्ति विपुल एम. पंचोली की पीठ ने यह टिप्पणी तब की जब एक वकील ने अदालत के समक्ष इस मुद्दे को उठाया तथा एक प्रतिवाद हलफनामे का हवाला दिया जिसमें कथित तौर पर राज्य में हिंसा की कम से कम छह घटनाओं को स्वीकार किया गया है। वकील ने अनुरोध किया कि इस मामले की सुनवाई उसी दिन दोपहर 2 बजे बिहार से संबंधित एक समान मामले के साथ की जाए। मुख्य न्यायाधीश ने हालांकि यह अनुरोध अस्वीकार कर दिया और

- **मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत, जस्टिस जॉयमाल्या बागची और जस्टिस विपुल एम. पंचोली की बैंच ने यह टिप्पणी तब की जब एक वकील ने अदालत में इस मुद्दे को उठाया और बिहार से संबंधित मामले के साथ इसकी सुनवाई करने का आग्रह किया।**

कहा कि वरिष्ठ अधिवक्ता कपिल सिबल के पहले उल्लेखित संबंधित याचिका पर पहले ही नोटिस जारी किया जा चुका है और केन्द्र तथा अन्य पक्षों को शुक्रवार तक अपना जवाब दाखिल करने का समय दिया गया है।

न्यूयॉर्क में नर्सों की हड़ताल

न्यूयॉर्क, 13 जनवरी। न्यूयॉर्क शहर के कई बड़े अस्पतालों में नए अनुबंध पर बातचीत असफल हो जाने से लगभग 15,000 नर्सों की हड़ताल सोमवार को पहले दिन में प्रवेश कर गई। कोलंबिया ब्रॉडकास्टिंग सिस्टम न्यूज (सीबीएस) ने यह जानकारी दी। हड़ताल सोमवार को सुबह पांच निजी अस्पतालों में शुरू हुई, जिसमें माउंट सिनाई, माउंट सिनाई मॉर्निंगसाइड, माउंट सिनाई वेस्ट और मैनहट्टन में न्यूयॉर्क-प्रेस्बिटेरियन सुविधाएं शामिल हैं।

'कुत्तों को ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

के लिए गोद लेने के "नैशनल एडॉप्शन मिशन" की मांग की थी। उसने कहा था कि प्रोत्साहन के रूप में नसबंदी और टीकाकरण जैसे उपाय हो सकते हैं।

इस पर जस्टिस मेहता ने कहा, "क्या आप सच में ऐसा सोच रहे हैं? अभी-अभी एक युवा वकील ने हमें सड़कों पर रहने वाले अनाथ बच्चों के आंकड़े दिखाए हैं। शायद कुछ वकील उन बच्चों को गोद लेने पर भी बहस कर सकते हैं। साल 2011 से, जब से मैं जज बना हूं, ये सबसे लंबी दलीलें हैं जो मैंने सुनी हैं, और अब तक किसी ने इंसानों के लिए इतनी लंबी बहस नहीं की है।

चीन की कम्युनिस्ट ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

से आया था। आरएसएस प्रमुख मोहन भागवत, जो यात्रा पर थे, बैठक में उपस्थित नहीं थे।

कांग्रेस ने भाजपा की आलोचना करते हुए कहा कि जब "ऑपरेशन सिंदूर" जारी है और, पाकिस्तान के साथ गतिरोध के दौरान चीन ने पाकिस्तान की मदद की थी, इन हालात में भाजपा का सीपीसी से संपर्क करना गलत है। चीन ने जम्मू और कश्मीर के शक्साम घाटी सहित, भारतीय क्षेत्र पर भी अपना दावा किया है।

कांग्रेस के प्रवक्ता पवन खेड़ा ने एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में स्थिति की विडंबना को उजागर किया। उन्होंने कहा, "प्रधानमंत्री अपने देशवासियों से चीन के पटाखे न खरीदने की अपील करते हैं, लेकिन खुद एक चीनी स्मार्ट मीटर, डोंगफांग, खरीदने जाते हैं। चीन उर्वरक और दुर्लभ पृथ्वी खनिजों की बिक्री रोकता है, लेकिन भारत सरकार कुछ नहीं करती। प्रधानमंत्री को यह फिक्र नहीं है कि गलवान में 20 भारतीय सैनिक मारे गए।" खेड़ा ने कहा, "विडंबना यह है कि चीन को "लाल आंख" दिखाने के बजाय, भाजपा उसके लिए "लाल कालीन" बिछा रही है।

भ्रष्टाचार निरोधक ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

जस्टिस नागरत्ना ने आगे कहा कि यह कानून "असल में एक निश्चित स्तर से ऊपर के सरकारी कर्मचारियों को ही सुरक्षा देता है।"

उन्होंने कहा, "ऊंचे स्तर के अधिकारी ही सिफारिश करते हैं या फैसले लेते हैं... एक खास वर्ग है, जिसके लिए ही पूर्व मंजूरी जरूरी कर दी गई है... यह संविधान के अनुच्छेद 14 का उल्लंघन है, क्योंकि इसका कानून के उद्देश्य से कोई सम्बन्ध नहीं है तथा यह वर्गीकरण की स्थिति पैदा करता है।"

उन्होंने सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता की दलील का भी जिक्र करते हुए कहा कि प्रारंभिक जांच की मंजूरी के बिना, सच हमेशा अधर में लटका रहेगा।

उन्होंने पूछा, "एसजी मेहता ने कहा है कि आज के दौर में सच और झूठ में फर्क करना मुश्किल है। तो क्या ऐसी सभी शिकायतों पर आगे कार्रवाई नहीं होनी चाहिए?"

जस्टिस नागरत्ना ने कहा, "अगर जांच के बाद फैसले लिए जाते हैं, तो इससे किसी भी तरह का नीति अवरोध नहीं होगा।"

चुनाव आयुक्त को इम्युनिटी पर ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

प्रतिरक्षा पारदर्शिता को कमज़ोर करती है और स्वतंत्र व निष्पक्ष चुनाव सुनिश्चित करने वाली संवैधानिक संस्था पर जनता का भरोसा घटाती है।

यह विवाद ऐसे समय में सामने आया है, जब चुनाव आयोग को लेकर विपक्ष का गुस्सा बढ़ता जा रहा है। लगभग सभी गैर-भाजपा दलों ने ईसीआई पर पक्षपातपूर्ण रवैये का आरोप लगाया है, खासकर मतदाता सूची के "स्पेशल इंटेंसिव रिविज़न" (एसआईआर) और कई राज्यों में मतदाताओं के नाम हटाने की नई रूपरेखा को लेकर। विपक्षी नेताओं का दावा है कि इन प्रक्रियाओं का असर कमज़ोर और अल्पसंख्यक मतदाताओं पर ज्यादा पड़ता है, हालांकि ईसीआई ने इन आरोपों को बार-बार खारिज किया है।

तनाव तब और बढ़ गया, जब दिल्ली स्थित ईसीआई मुख्यालय में तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) के सांसदों और चुनाव आयोग के अधिकारियों के बीच टकराव की नौबत आ गई, जिससे आयोग और विपक्षी दलों के बीच अविश्वास की गहरी खाई साफ नज़र आई।

पक्षपात के ऐसे ही आरोप हाल ही में संपन्न बिहार चुनावों के बाद लगे थे, जहां विपक्षी दलों ने आदर्श आचार संहिता को चयनात्मक रूप से लागू करने और प्रशासनिक दखल का आरोप लगाया।

यह प्रतिरक्षा कानून अब चुनावी सुधारों पर चल रही व्यापक बहस का अहम् मुद्दा बन गया है। आलोचकों का कहना है कि चुनाव आयुक्तों के चयन वाली समिति से भारत के मुख्य न्यायाधीश को हटाकर, उसे पूरी तरह कार्यपालिका-प्रधान समिति बनाना पहले ही संस्थागत (चैक्स एंड बैलेंस) नियंत्रण एवं संतुलन को कमज़ोर कर चुका है।

आलोचकों का कहना है, इसके बाद आजीवन प्रतिरक्षा देने का कदम इस धारणा को और मजबूत करता है कि सरकार आयोग को किसी भी जांच-पड़ताल या संवीक्षा (स्क्रूटिनी) से बचाना चाहती है।

एक वरिष्ठ विपक्षी नेता ने कहा, इससे जाने वाला संदेश चिंताजनक है। ऐसा लगता है, मानो लगातार सत्तारूढ़ दल के पक्ष में फैसले देने के बदले में, सरकार चुनाव आयोग को कानूनी सुरक्षा दे रही हो।

लेकिन सरकारी सूत्र इन आरोपों को खारिज करते हुए कहते हैं कि यह प्रतिरक्षा संवैधानिक पदाधिकारियों को निरर्थक मुकदमों और पद छोड़ने के बाद की परेशानी से बचाने के लिए है। उनका कहना है कि यह कानून अन्य उच्च संवैधानिक पदों को मिलने वाली सुरक्षा के अनुरूप है और इससे आयोग की स्वतंत्रता पर कोई असर नहीं पड़ता।

अब सुप्रीम कोर्ट से यह जांच करने की उम्मीद है कि इतनी व्यापक प्रतिरक्षा संवैधानिक जवाबदेही और कानून के सामने समानता के सिद्धांतों के अनुरूप है या नहीं। कानूनी विशेषज्ञों का मानना है कि अदालत की टिप्पणियों का कार्यपालिका और स्वतंत्र संस्थाओं के बीच के शक्ति संतुलन पर दूरगामी असर पड़ सकता है।

जैसे-जैसे यह मुद्दा अदालत और संसद से बाहर निकलकर सार्वजनिक चर्चा का हिस्सा बन रहा है, सरकार पर अपने रुख को सही ठहराने का दबाव बढ़ता जा रहा है। कई अहम राज्यों के चुनाव सामने हैं, ऐसे में इस कानूनी चुनौती का नतीजा न केवल चुनाव आयोग के भविष्य, बल्कि भारत की चुनावी प्रक्रिया की विश्वसनीयता को भी प्रभावित कर सकता है।

राष्ट्रदूत (एच.यू.एफ.) के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक सोमेश शर्मा द्वारा वतन प्रेस, सुधर्मा, एम.आई.रोड, जयपुर एवं सुधर्मा-II, लालकोठी शॉपिंग सेंटर, टोंक रोड, जयपुर से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक:- राजेश शर्मा। आर.एन.आई. नं. 3641/57, ई-मेल-rastrdut@gmail.com **कोटा कार्यालय:**-पलायथा हाउस, छत्रपति शिवाजी मार्ग, कोटा। फोन:2386031, 2386032, फैक्स:0744-2386033 **बीकानेर कार्यालय:**-कुंम्भाना हाउस, हनुमान हत्था, बीकानेर। फोन:2200660, फैक्स: 0151-2527371 **उदयपुर कार्यालय:**-आयड, मेन रोड आयड, उदयपुर। फोन: 2413092, 2418945, फैक्स: 0294-2410146 **अजमेर कार्यालय:**-घूघरा घाटी, जयपुर रोड,अजमेर। फोन: 2627612, फैक्स:0145-2624665 **जालोर कार्यालय :**- जी 1/63, इन्डस्ट्रीयल एरिया, फेस प्रथम, जालोर। फोन: 226422, 226423, फैक्स: 02973-226424 **हिण्डौनसिटी कार्यालय :**- जी -1-201, रीको औद्योगिक क्षेत्र, हिण्डौनसिटी। फोन: 230200, 230400, फैक्स: 07469-230600 **चूरू कार्यालय:** एच-150, रीको औद्योगिक क्षेत्र, चूरू, फोन: 256906, 256907, फैक्स:01562-256908

संक्षिप्त

नशे में डॉक्टर अस्पताल में गिर पड़े

टोंक। मुख्यालय स्थित जिले का सबसे बडे सरकारी हॉस्पिटल सआदत चिकित्सालय में सोमवार की रात शर्मसार कर देने वाला मामला सामने आया है। इस दौरान सीनियर मेडिकल ऑफिसर रात को शराब के नशे में धुत होकर हॉस्पिटल पहुंचा और वार्ड में लडखड़ाते हुए वहीं गिर पडे । घटना सआदत हॉस्पिटल में बीती रात करीब 10 बजे की बताई जा रही है, जहां वार्ड 20 में सोमवार रात्रि कों डॉ. अनुराग शर्मा लडखड़ाते हुए आये तथा बाद में वार्ड में महिला और पुरुष मरीजों के अलावा अटेंडेंट के सामने पेंट को उतारा और महिला मरीजों के सामने ही पेशाब करने लग गए, जिसके बाद वह लड़खड़ाते हुए वहीं गिर गए। घटना के बाद वार्ड में मौजूद स्टाफ व्हील चेयर लेकर आया और डॉक्टर अनुराग शर्मा को उस पर बैठाकर घर पहुंचाया गया । घटना के बाद पीएमओ डॉ. हनुमान बैरवा ने बताया कि डॉ. अनुराग शर्मा ने सोमवार को जयपुर जाने के लिए छुट्टी ली थी, लेकिन वे कल ही वापस आ गए थे। उन्होने कहा कि हॉस्पिटल में शराब पीकर आना गलत है।

अवैध शराब रखने का आरोपी पकड़ा

टोंक। अति. पुलिस अधीक्षक रतनलाल भार्गव के निर्देशन में वृत्ताधिकारी उनियारा आकांक्षा कुमारी एवं थानाधिकारी बनेठा भागीरथ सिंह के नेतृत्व में गठित टीम द्वारा अवैध शराब परिवहन में कार्यवाही करते हुये सोमवार को कैरोद ग्राम से आरोपी पप्पूलाल पुत्र श्योचन्दा बैरवा उम्र 49 साल निवासी देवरी थला थाना उनियारा टोंक को गिरफ्तार किया जाकर आरोपी के कब्जे से अवैध देशी शराब 49 पव्वे जब्त किये गये है। पुलिस ने आरोपी के विरूद्ध एक्साईज एक्ट में प्रकरण दर्ज कर अनुसंधान जारी है।

युवाओं को पुरस्कृत किया

बहरोड़/ नीमराना। नगर परिषद बहरोड के आदर्श उच्च माध्यमिक विद्यालय गोकुलपुर में ममता हेल्थ केयर इंस्टिट्यूट एवं ग्रीनलैम संस्था ने विद्यालय के बच्चों को पुरस्कृत किया । युवा दिवस पर आदर्श उच्च माध्यमिक विद्यालय गोकुलपुर में आयोजित कार्यक्रम में प्रिंसिपल अमित शर्मा एवं स्टाफ तथा ममता हेल्थ इंस्टिट्यूट संस्था के सुशील रोहिल्ला व स्टाफ द्वारा स्वामी विवेकानंद की प्रतिमा के समक्ष दीप प्रज्वलित करते कार्यक्रम की शुरुआत की गई। वहीं आयोजित कार्यक्रम में विद्यालय की छात्राओं द्वारा सांस्कृतिक प्रस्तुतियां दी गई। इसी के चलते विद्यालय स्टाफ एवं बच्चों को ममता संस्था द्वारा पुरस्कार देकर सम्मानित किया गया।

कार्यकारिणी का चयन

मनोहरपूर । प्रांतीय मुस्लिम तेली महापंचायत के द्वारा भरतपुर संभाग के अध्यक्ष एवं कार्यकारिणी का चयन अध्यक्ष अब्दुल लतीफ आरको एवं संरक्षक अशरफ अली खिलजी के निर्देशानुसार रमजान एवं अकबर अली की मौजूदगी में किया गया। प्रदेश के कई जिलों से पदाधिकारी एवं प्रतिनिधिगण जयपुर पहुंचे और महापंचायत अध्यक्ष अब्दुल लतीफ आरको का माला, साफा पहनकर स्वागत किया गया साथ ही अब्दुल लतीफा आरको द्वारा महापंचायत की नियुक्तियां प्रदान करते हुए मोहम्मद अली हाजी रिटायर्ड पीटीआई को भरतपुर संभाग के अध्यक्ष का नियुक्ति पत्र सौंपा गया तथा हिंडौन सिटी से निजामुद्दीन को प्रदेश कमेटी में मुख्य जिम्मेदारी दी गई।

विकासात्मक कार्यों की समयबद्ध व गुणवत्ता पूर्ण क्रियान्विति की जाये : प्रभारी मंत्री

कोटपुतली प्रभारी मंत्री विजय सिंह ने मंगलवार को कलैक्ट्रेट सभागार में फ्लैगशिप सहित अन्य महत्वपूर्ण योजनाओं, बजट घोषणाओं की समीक्षा बैठक ली।

- **गांवों में पेयजल आपूर्ति की कार्य योजना तथा अवैध नल कनेक्शन एवं बकाया बिलों की रिकवरी के सम्बंध में आवश्यक निर्देश दिए**

कोटपूतली। राज्यमंत्री, राजस्व, उपनिवेशन एवं सैनिक कल्याण विभाग, राजस्थान सरकार एवं जिला प्रभारी मंत्री विजय सिंह ने मंगलवार को कलक्ट्रेट सभागार में फ्लैगशिप सहित अन्य महत्वपूर्ण योजनाओं, बजट घोषणाओं एवं विकासात्मक कार्यों की समीक्षा बैठक लेकर जिला स्तरीय अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश प्रदान किए।

सिंह ने विभागवार कार्यों की प्रगति की समीक्षा करते हुए जिले में पी एच ई डी के अधीक्षण अभियंता को जल जीवन मिशन के तहत जिले के नॉन फिजेबल गांवों में पेयजल आपूर्ति की कार्य योजना तथा अवैध नल कनेक्शन एवं बकाया बिलों की रिकवरी, पेयजल सप्लाई हेतु गुणवत्तापूर्ण पाइल लाइन डालने व उखड़ी हुई सडकों की मरम्मत के संबंध में आवश्यक कार्रवाई के निर्देश दिये। उन्होंने जिले में सडक तंत्र के सुदृढीकरण संबंधित किए जा रहे कार्यों की बिन्दुवार समीक्षा कर पीडब्ल्यूडी के अधीक्षण अभियन्ता को निर्देशित किया कि स्वीकृत सडक कार्यों को उच्च गुणवत्ता के साथ निर्धारित समयावधि में पूर्ण कराना सुनिश्चित करें। जिला प्रभारी मंत्री ने विद्युत विभाग के कार्यों एवं योजनाओं की समीक्षा करते हुए अधीक्षण अभियन्ता को निर्देश दिये कि आरडीएसएस योजना के कार्य यथासमय पूर्ण हो तथा किसानों के हित में कृषि कनेक्शन प्राथमिकता से करवाए जाएं। साथ ही निरन्तर निर्बाध विद्युत आपूर्ति हेतु समुचित व्यवस्थाएं सुनिश्चित रखें। उन्होंने जिले के पंच गौरव को बढावा देने के लिए राज्य सरकार द्वारा स्वीकृत बजट की वस्तुस्थिति का फीडबैक लेकर विभागीय अधिकारियों को स्वीकृत राशि से निर्धारित कार्यों को समयबद्ध रूप में पूर्ण कराने के निर्देश दिये।

सम्मान समारोह आयोजित

फुलेरा। रेलवे परिसर स्थित नॉर्थ वेस्टर्न रेलवे एम्प्लाइज यूनियन कार्यालय, फुलेरा में मंगलवार को सम्मान समारोह व पंगत प्रसादी-पोष बड़े का भव्य आयोजन किया गया। कार्यक्रम के दौरान जैक्सन सोसाइटी चुनाव में विजयी हुए जयपुर मंडल के संचालक सुभाष मीणा, जेसी बैंक डायरेक्टर सुरेंद्र सिंह बधाला सहित रेल कर्मचारियों एवं पेंशनरों ने मंडल मंत्री राकेश यादव का माल्यार्पण एवं शॉल ओढ़ाकर स्वागत किया। इसी के साथ मुख्य लोको निरीक्षक पद पर पदोन्नत होने पर नरेंद्र सिंह चाहर, राजकुमार सैनी एवं मदन मेघवाल का सम्मान किया गया। कार्यक्रम का मंच संचालन एसके माथुर ने किया। कार्यक्रम में एडीईएन संजय पूनिया, एरिया मैनेजर सीएल चौधरी, पीडब्ल्यूआई राकेश कुमावत, आईओडब्ल्यू श्रवण यादव सहित यूनियन के महेशसहाय शर्मा, राजेन्द्र चौधरी, सुरेश जांगिड़, भव्य ओबेरॉय, चेतन कुमावत, गोपाल चौधरी सहित अन्य लोग उपस्थित रहे।

वीबी-जी राम जी का विरोध करने वालों पर केंद्रीय मंत्री भूपेंद्र यादव का बड़ा प्रहार

- **केंद्रीय मत्री भूपेंद्र यादव, जन स्वास्थ्य मंत्री कन्हैयालाल ने खैरथल में किया सभा को संबोधित**
- **276 करोड के किए विकास कार्यों के शिलान्यास एवं लोकार्पण**

खैरथल। केंद्रीय पर्यावरण, वन मंत्री, अलवर सांसद भूपेन्द्र यादव व राजस्थान सरकार के जन स्वास्थ्य अभियांत्रिकी एवं भू-जल विभाग के कैबिनेट मंत्री कन्हैयालाल ने मंगलवार को खैरथल में विशाल जनसभा को संबोधित करने के साथ 161 करोड की योजनाओं का शिलान्यास एवं लोकार्पण किया। इस दौरान राष्ट्रीय परिषद भाजपा सदस्य एवं पूर्व विधायक रामहेत यादव के नेतृत्व में स्वागत किया गया। इससे पहले केंद्रीय मंत्री भूपेंद्र यादव ने भिवाडी में भिवाड़ी मोड़ जंक्शन सौंदर्यकरण कार्य का शिलान्यास किया। दोपहर 1 बजे गांव गहनकर स्थित बाबा कमल नाथ आश्रम पहुंचें, इसके उपरांत दोपहर 2 बजे मारुत नंदन फैक्ट्री एरिया के पास, खैरथल में बाबा बंदा सिंह बहादुर बाइपास का शिलान्यास किया। इसके बाद मंत्री भूपेंद्र यादव व मंत्री कन्हैयालाल ने होटल ग्रीनलैंड पहुंचकर सभा को सम्बोधित किया और विकास कार्यों का लोकार्पण व शिलान्यास किया। खैरथल में सभा को सबोधित कर रहे केंद्रीय मंत्री भूपेंद्र यादव ने मनरेगा को लेकर फैलाए जा रहे भ्रम पर स्पष्ट करते हुए वीबी-जी राम जी की पहल को ऐतिहासिक बताते हुए कांठोस पर बड़ा प्रहार किया और कहा पैसा किसने खाया, रिपोर्ट किसकी बता रही है और प्रदर्शन भी कौन कर रहे हैं यह तो वही बात हुई सो चूहे खाकर बिल्ली चली..... उन्होंने कहा कि यह कानून पुरानी मनरेगा योजना का परिष्कृत रूप है, जो भ्रष्टाचार और लेटलतीफी जैसी कमियों को जड़ से समाप्त कर देगा। उन्होंने कहा अब ग्रामीणों को साल में 100 के स्थान पर 125 दिन के रोजगार की कानूनी गारंटी दी जाएगी। इस योजना के तहत अब केवल कच्चे काम नहीं होंगे, बल्कि जल संसाधन और पक्की सड़कों जैसी स्थायी संपत्तियों का निर्माण होगा, जिससे गांव आत्मनिर्भर बनेंगे। केंद्रीय मंत्री भूपेंद्र यादव ने कहा कि जनसेवा और क्षेत्रीय विकास ही उनकी प्राथमिकता है। वर्ष 2025 में वे कई बार खैरथल आए और नियमित रूप से क्षेत्र में कार्यक्रमों के माध्यम से जनता से सीधे संवाद किया है।

उपन्यास का विमोचन

दौसा। बुक वर्ड प्रकाशन के तत्वावधान में प्रगति मैदान में आयोजित विश्व पुस्तक मेला में दौसा के वरिष्ठ साहित्यकार राजेंद्र यादव 'आज़ाद' के नवीन उपन्यास 'पुनर्मिलन' का विमोचन किया गया। साहित्य प्रेमियों और पाठकों की उपस्थिति में आयोजित इस समारोह ने मेले को एक गरिमामयी साहित्यिक क्षण प्रदान किया।

विमोचन अवसर पर ओमप्रकाश मीणा, नवल घुणावत, अशोक दीप, राजपाल महावर तथा बुक वर्ड के प्रकाशक एम. चंद्रा ने संयुक्त रूप से पुस्तक का विमोचन किया। वक्ताओं ने उपन्यास 'पुनर्मिलन' को संवेदना, संबंधों और सामाजिक यथार्थ को गहराई से उकेरने वाली महत्वपूर्ण कृति बताया। इस अवसर पर कहा गया कि राजेंद्र यादव 'आज़ाद' का लेखन अनुभव, सामाजिक चेतना और मानवीय सरोकारों से समृद्ध है। 'पुनर्मिलन' उपन्यास पाठकों को आत्ममंथन और भावनात्मक जुड़ाव की ओर ले जाने वाली रचना है, जो समकालीन समाज की जटिलताओं को सहज भाषा में प्रस्तुत करता है।

सार-समाचार

मंत्री डॉ. किरोडी मीणा को ज्ञापन सौंपा

बौंली -बामनवास । क्षेत्र के अठाईसा विकास समिति बरनाला के नेतृत्व में राजस्थान सरकार के कृषि एवं आपदा राहत मंत्री डॉ किरोडी लाल मीणा को ज्ञापन सौंप कर बरनाला तहसील में नई पंचायत समिति गठित कराने की मांग की है। मांग पत्र में अंकित किया गया है कि बरनाला तहसील को बने हुए 4 वर्ष हो चुके हैं लेकिन अब तक भी इसकी पंचायत समिति बामनवास से संचालित हो रही है, जबकि बामनवास में कुल 49 ग्राम पंचायतें हैं जिनमें से 24 ग्राम पंचायत बरनाला तहसील के अंतर्गत आती है, इतनी संख्या में ग्राम पंचायते होने के बावजूद भी बरनाला तहसील में पंचायत समिति का गठन नहीं होना विकास में बाधा बन रहा है एवं आमजनों को विभिन्न प्रशासनिक कार्यों के लिए बामनवास के चक्कर लगाने पडते हैं जिससे समय व धन दोनों की हानि होती है वही बरनाला तहसील पंचायत समिति गठन के सभी मापदंड पूरा करती है।ज्ञापन देते समय अठाईसा विकास समिति के सदस्य सहित क्षेत्र के जनप्रतिनिधि, ग्रामीण व नागरिक शामिल थे। प्रभारी मंत्री विजय सिंह ने जिला स्तरीय अधिकारियों के साथ ली विकासात्मक कार्यों, बजट घोषणाओं एवं महत्वपूर्ण योजनाओं में प्रगति की समीक्षा बैठक की।

'सत्यापन कराना जरुरी'

पावटा। सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता विभाग पावटा के सामाजिक सुरक्षा अधिकारी गैंदालाल ने बताया की सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता विभाग द्वारा संचालित सामाजिक सुरक्षा पेंशन योजनान्तर्गत पेंशनर्स का वार्षिक भौतिक सत्यापन प्रतिवर्ष माह नवम्बर एवं माह दिसम्बर में करवाया जाना होता है। पावटा ब्लॉक में वर्तमान में सामाजिक सुरक्षा पेंशन योजनान्तर्गत ग्रामीण क्षेत्र में कुल पेंशनर 22402 पेंशन योजना का लाभ प्राप्त कर रहे है। जिसमें 18104 पेंशनर का वार्षिक भौतिक सत्यापन किया जा चुका है और 4298 पेंशनर का वार्षिक भौतिक सत्यापन किया जाना शेष है। शहरी क्षेत्र (नगरपालिका) में कुल पेंशनर 4448 पेंशन योजना का लाभ प्राप्त कर रहे है। जिसमें 3460 पेंशनर का वार्षिक भौतिक सत्यापन किया जा चुका है। और 988 पेंशनर का वार्षिक भौतिक सत्यापन किया जाना शेष है। अतः पेंशन प्राप्त कर रहे सभी पेंशनर्स निम्न माध्यम से सत्यापन करवा सकते है। जिनमें पेंशनर अपने नजदीकी ई-मित्र कियोस्क पर जाकर अपनी अगुंली की छाप के माध्यम से सत्यापन करवा सकते है। पेंशनर विभाग द्वारा जारी मोबाईल एप्प के माध्यम से घर बैठे अपने मोबाईल पर फेस कैप्चर करके निःशुल्क सत्यापन करवा सकते है। पेंशनर अपने क्षेत्र के पेंशन स्वीकृतकर्ता अधिकारी कार्यालय सम्पर्क कर पेंशन पीपीओ में जुडे मोबाईल नं0 पर ओटीपी प्राप्त कर सत्यापन करवा सकते है।उक्त मे से किसी भी माध्यम से सत्यापन नहीं हो पाता है तो संबंधित पेंशन स्वीकृतकर्ता अधिकारी के रजिस्टर्ड मोबाईल नं0 पर ओटीपी के माध्यम से सत्यापन करवाया जा सकता हैं पेंशन सत्यापन के अभाव में पेंशन राशि का भुगतान नही किया जायेंगा।

फोर लाइन के लिए रुपए पास होने पर मिठाई बांटी

मनोहरपुर । मनोहरपुर से दौसा राष्ट्रीय राजमार्ग 148 के 4 लाइन निर्माण के लिए सांसद राव राज सिंह द्वारा केंद्र सरकार से 818 करोड रुपए पास करने पर कार्यकर्ताओं ने मनोहरपुर मंडल के सहसंयोजक जमील खान चौहान के नेतृत्व में मिठाईया बांटकर खुशियां मनाएं । इस अवसर पर मनोहरपुर मंडल के पूर्व अध्यक्ष राम प्रकाश नाई ने कहा की सांसद राव राजेंद्र सिंह ने मनोहरपुर से दौसा हाईवे हाईवे के फोर लाइन निर्माण के लिए 818 करोड रुपए पास कराए है। जिससे निर्माण के बाद आये दिन होने वाली दुर्घटनाओं से निजात मिलेगी। आने-जाने में समय भी बचेगा। बीजेपी एससी मोर्चा के जिला अध्यक्ष एडवोकेट बीएस बेनीवाल ने कहा कि क्षेत्र की जनता के लिए यह सबसे बड़ी सौगात है। इस मौके पर शंकर लाल प्रजापत, शिवराम गुर्जर, सिद्धार्थ गुर्जर, हरि नारायण धोबी सहित कई लोग मौजूद थे।

निःशुल्क चिकित्सा शिविर लगाया

मनोहरपूर । भारतीय इलेक्ट्रोहोम्योपैथिक चिकित्सक मंच ने डाँ काउन्ट सीजर मैटी का 217 वाँ जन्मदिन मनाया । इलेक्ट्रोहोम्योपैथी निः शुल्क चिकित्सा शिविर का आयोजन सत्कार शॉपिंग सेंटर, दुकान नम्वर 6, मालवीय नगर जयपुर में किया । इस कार्यक्रम मे 50 रोगीयो ने स्वास्थ्य लाभ प्राप्त किया तथा सभी को निःशुल्क दवा दी गई, इस शिविर में डाँ प्रीं:एन व्यास, डाँ शब्बीर खान, वैद्य हितेष दीक्षित, डाँ विजेन्दर तथा डाँ वैभव श्रीवास्तव आदि ने सेवायें दी । डाँ शब्बीर खान प्रदेश अध्यक्ष भारतीय इलेक्ट्रोहोम्योपैथिक चिकित्सक मंच ने बताया की ने पूरे राजस्थान में निःशुल्क 217 केम्प के आयोजन का लक्ष्य रखा है अतः हम उसे पूर्ण करने का प्रयास करेगे तथा जो ज्यादा से ज्यादा केम्प का आयोजन करेगा उसको सम्मानित करेंगे

'पतंग उड़ाना स्वास्थ्य के लिए अच्छा'

मनोहरपूर । भामाशाह श्री मोहन कुडी जी ने कहा कि पतंग उडाने से शारीरिक और मानसिक दोनों तरह के लाभ होते हैं, जैसे तनाव कम होना, एकाठाता और हाथ-आँख का तालमेल बढ़ना, विटामिन - डी मिलना, हृदय स्वास्थ्य में सुधार और लचीलापन बढ़ना, क्योंकि इसमें दौड़ना, कूदना और गर्दन घुमाना जैसी क्रियाएं शामिल होती हैं, जो समठा फिटनेस में मदद करती हैं।

विधायक ने क्षतिग्रस्त सड़कों के निर्माण का रखा प्रस्ताव'

डीग भरतपुर, (निस)। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के विकसित राजस्थान के संकल्प को मूर्त रूप देने और आगामी राज्य बजट को जन-उन्मुखी बनाने के उद्देश्य से डीग जिले के प्रभारी मंत्री एवं जल संसाधन मंत्री सुरेश सिंह रावत ने पंचायत समिति सभागार में जिला स्तरीय अधिकारियों की विस्तृत समीक्षा बैठक ली।

इसके पश्चात उन्होंने विभिन्न वर्गों के साथ बजट पूर्व संवाद कर उनके अमूल्य सुझाव आमंत्रित किए। कार्यक्रम में डीग-कुम्हेर विधायक डॉ. शैलेश सिंह, भाजपा जिलाध्यक्ष शिवानी दायमा, जिला कलेक्टर उत्सव कौशल, जिला पुलिस अधीक्षक ओम प्रकाश मीना, अतिरिक्त जिला कलेक्टर राजकुमार कसवा की उपस्थिति ने आगामी बिंदुओं को।लेकर विस्तार से चर्चा की गई।

संवाद कार्यक्रम में प्रभारी मंत्री सुरेश सिंह रावत ने कहा कि लोकतंत्र में बजट केवल वित्तीय प्रावधानों का दस्तावेज नहीं, बल्कि जनता की आकांक्षाओं का दर्पण होता है। हमारी सरकार का प्रयास है कि आगामी बजट सर्व-समावेशी और सर्व-स्पर्शी हो, जिसमें समाज के अंतिम छोर पर खड़े व्यक्ति का हित सुरक्षित रहे। विभागीय समीक्षा के दौरान प्रभारी मंत्री रावत ने जल जीवन मिशन के अंतर्गत पाइपलाइन डालने हेतु खोदी गई सड़कों की स्थिति पर गंभीर रुख अपनाया। उन्होंने अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश दिए कि सड़कों का रेस्टोरेशन कार्य पूर्ण गुणवत्ता के साथ किया जाए। श्री रावत ने निर्देशित किया कि सड़क मरम्मत कार्य का भौतिक सत्यापन संबंधित ग्राम पंचायत या ग्राम विकास अधिकारी से लिखित में लिया जाए । विधायक डॉ. शैलेश सिंह ने रेखांकित की विकासात्मक प्राथमिकताएं बैठक में डीग-कुम्हेर विधायक डॉ. शैलेश सिंह ने क्षेत्र की विकासात्मक आवश्यकताओं को अत्यंत गंभीरता और तर्कों के साथ पटल पर रखा। उन्होंने सुझाव दिया कि चंबल परियोजना और जल जीवन मिशन के कार्यों में बेहतर तकनीकी समन्वय स्थापित किया जाए, ताकि संसाधनों का अपव्यय न हो और कार्य की गति बाधित न हो। विधायक डॉ सिंह ने ग्रामीण अवसंरचना को सुदृढ़ करने पर बल देते हुए रारह में नवीन पुलिस चौकी की स्थापना, क्षितग्रस्त सड़कों के नव-निर्माण और सुचारू पेयजल प्रबंधन की बात प्रमुखता से रखी।प्रभारी मंत्री रावत ने अधिकारियों को निर्देशित किया कि सुशासन में संवादहीनता का कोई स्थान नहीं है।

फूड लाइसेंस शिविर में 38 व्यापारियों ने नामांकन किया

पावटा में आयोजित शिविर में खाद्य सुरक्षा का प्रमाण पत्र जारी किए गये।.

- **शिविर में किराना, मिठाई, होटल, रेस्टोरेंट, डेयरी, हलवाई-कैटरिंग, फास्ट फूड, खाद्य व्यापारियों के ऑनलाइन आवेदन कर मौके पर ही लाइसेंस/रजिस्ट्रेशन जारी किए**

फुलेरा। खाद्य सुरक्षा विभाग जयपुर के निर्देशानुसार व्यापार महासंघ फुलेरा (रजिस्टर्ड) के सहयोग से सोमवार को सुबह 11 बजे से शाम 4 बजे तक फूड लाइसेंस/रजिस्ट्रेशन शिविर गणगौरी बाजार स्थित श्रीरामद्वारा भवन में खाद्य सुरक्षा अधिकारी, जयपुर रमेशचंद यादव के नेतृत्व में आयोजित हुआ। शिविर में किराना, मिठाई, होटल, रेस्टोरेंट, डेयरी, हलवाई-कैटरिंग, फास्ट फूड, फल-सब्जी विक्रेता, चाट-पकौड़ी एवं ठेला लगाने वाले खाद्य व्यापारियों के ऑनलाइन आवेदन कर मौके पर ही लाइसेंस/रजिस्ट्रेशन जारी किए गए। व्यापार महासंघ के कोषाध्यक्ष प्यारेलाल कुमावत ने बताया कि शिविर के दौरान कुल 38 व्यापारीयों ने रजिस्ट्रेशन कराया, जिसका लाईसेंस मौके पर बनाया गया। खाद्य सुरक्षा सहायक लल्लूप्रसाद शर्मा, व्यापार महासंघ के हरगोपाल साहू सहित अन्य लोग मौजूद रहे।

सर्विस लाइन पर अवैध पार्किंग से जाम, आमजन बेहाल

पावटा। कस्बे की सर्विस लाइन पर वाहनों की अवैध पार्किंग लगातार जाम का कारण बनती जा रही है।

सड़क किनारे बेतरतीब खड़े चारपहिया और दुपहिया वाहन यातायात को संकरा कर रहे हैं, जिससे रोजाना राहगीरों, स्कूली बच्चों, बुजुर्गों और एंबुलेंस तक को भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। पीक आवर्स में स्थिति और भी भयावह हो जाती है, जब कुछ ही मिनटों का सफर घंटों में बदल जाता है।

स्थानीय लोगों का कहना है कि अवैध पार्किंग पर न तो नियमित कार्रवाई हो रही है और न ही स्थायी समाधान पर ध्यान दिया जा रहा है। ट्रैफिक पुलिस की ढिलाई के चलते सर्विस लाइन अघोषित पार्किंग स्थल बन चुकी है।

दुकानों और प्रतिष्ठानों के सामने वाहन खड़े रहने से जाम की समस्या रोज़मर्रा की बात बन गई है। आमजन और जनप्रतिनिधियों ने यह भी सुझाव दिया है कि यदि अंडरपास के स्थान

पावटा में जगह जगह अवैध पार्किंग से जाम के हालात बने रहते है।

पर खुला फ्लाईओवर बनाया जाए तो यातायात सुचारू रहेगा और सर्विस लाइन पर दबाव कम होगा। खुले फ्लाईओवर से दृश्यता बेहतर होगी, वाहनों की गति बनी रहेगी और जाम की समस्या पर स्थायी नियंत्रण संभव होगा। नागरिकों ने प्रशासन से मांग की है कि अवैध पार्किंग पर सख्त कार्रवाई की जाए, वैकल्पिक पार्किंग की व्यवस्था हो और भविष्य की यातायात जरूरतों को देखते हुए अंडरपास के बजाय खुले फ्लाईओवर जैसे व्यावहारिक विकल्पों पर गंभीरता से विचार किया जाए, ताकि आमजन को जाम से राहत मिल सके।

- **सड़क किनारे बेतरतीब खड़े चारपहिया और दुपहिया वाहन यातायात को संकरा कर रहे हैं**
- **स्थानीय लोगों का कहना है कि अवैध पार्किंग पर न तो नियमित कार्रवाई हो रही है और न ही स्थायी समाधान पर ध्यान दिया जा रहा है।**

'हाथ का हुनर वर्तमान युग की जरुरत'

निवाई। पीएम श्री राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय निवाई के वोकेशनल शिक्षा के अंतर्गत आईटी एवं आईटीज व इलेक्ट्रिकल एंड हार्डवेयर ट्रेड का दल तृतीय औद्योगिक विजिट के लिए जयपुर में सेंट्रल इंस्टिट्यूट ऑफ पेट्रोकेमिकल इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी सीतापुरा जयपुर के लिए रवाना हुआ। प्रधानाचार्य गिरिराज प्रसाद गुर्जर द्वारा हरी झंडी दिखाकर दल को रवाना किया गया।

उन्होंने व्यावसायिक शिक्षा के विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए कहा कि वर्तमान युग हाथ के हुनर का युग है जिसमें हुनर की कदर है। उन्होंने कहा कि अगर हुनर है तो व्यक्ति बेरोजगार नहीं रहता है। इसलिए आवश्यकता है सरकारी नौकरी के पीछे ना भागते हुए हाथ के हुनर को महत्व प्रदान करें।

उन्होंने बतायाकि सभी विद्यार्थी केंद्र पर मशीनों की कार्यप्रणाली का निरीक्षण करेंगे। ऑटोमेटिक मशीनों की संचालन प्रक्रिया, मैन्युफैक्चरिंग यूनिट, आईटी से संबंधित सेल व वोकेशनल की विभिन्न तकनीकों की जानकारी प्रदान करेंगे।

खेल मैदान सड़क निर्माण कार्य की भेंट चढ़ा

दौसा । ग्राम पंचायत काली पहाड़ी के राजकीय सीनियर माध्यमिक विद्यालय काली पहाडी के क्रिकेट ग्राउंड मलबे व पत्थर रोडी की भेंट चढ़ चुका है। इस मैदान में विद्यालय के छात्र और गांव के युवा प्रतिदिन खेल अभ्यास करते थे, मेहनत करते थे और आगे बढ़ने के सपने देखते थे। आज वही खेल मैदान एमडी आर सड़क निर्माण कार्य के दौरान निकली रोड़ी, पत्थर और मलबे में तब्दील हो चुका है। ग्रामीणों ने बताया कि रोड निर्माण के समय निकला सारा मलबा सीधे विद्यालय के क्रिकेट ग्राउंड में डाल दिया गया, जिससे मैदान पूरी तरह बर्बाद हो गया है और अब खेलने योग्य बिल्कुल नहीं बचा है। इसका सीधा असर विद्यालय के बच्चों पर पड़ रहा है। बच्चे खेल गतिविधियों से वंचित हो गए हैं और उन्हें भारी परेशानीओ का सामना करना पड़ रहा है। साथ ही, मैदान में फैले पत्थरों के कारण चोट लगने का गंभीर खतरा भी बना हुआ है। सबसे बड़ी बात यह है कि सड़क मार्ग का निर्माण कार्य हुए करीब 6 महिने हों चुके हैं बीत जाने के बावजूद अब तक इस गंभीर समस्या का समाधान नहीं हुआ। गांव की सरपंच कंचन देवी मीणा ने विद्यालय के इस महत्वपूर्ण खेल मैदान की अब तक सुध तक नहीं ली गई। यह प्रश्न उठना स्वाभाविक है कि क्या गांव और विद्यालय के बच्चों के लिए खेल का मैदान कोई मायने नहीं रखता? क्या विकास सिर्फ सड़क निर्माण तक सीमित है और खेल, स्वास्थ्य व बच्चों के भविष्य की कोई अहमियत नहीं? यह मैदान कोई खाली ज़मीन नहीं है, बल्कि विद्यालय के बच्चों का अधिकार है, युवाओं की सेहत है और आने वाली पीढ़ी का भविष्य है। यदि समय रहते इस ओर ध्यान नहीं दिया गया, तो आने वाले समय में बच्चे पत्थरों और रोडी के बीच खेलने को मजबूर होंगे। अब समय आ गया है कि इस क्रिकेट ग्राउंड की स्थिति तुरंत सुधारी जाए, मैदान से रोड़ी-पत्थर हटाए जाएं और इसे पुनः खेलने योग्य बनाया जाए। पंचायत समिति सदस्य जन प्रतिनिधि बाबुलाल सिंघल ने बताया कि गांव के सभी नागरिकों और संबंधित अधिकारियों से अपील है कि इस गंभीर मुद्दे को गंभीरता से लेते हुए तत्काल कार्रवाई सुनिश्चित की जाए, ताकि कालीपहाड़ी का क्रिकेट ग्राउंड फिर से जीवित हो सके।

सेगमेंट में पहली बार ऐसे फ़ीचर्स#

- हाई इंटेंसिटी पोज़िशन लैम्प के साथ LED हेडलाइट
- हैज़र्ड लाइट विंकर
- SMS और कॉल अलर्ट के साथ ब्लूटूथ
- इको इंडिकेटर के साथ फुली डिज़िटल मीटर

Splendor+ WORLD'S NO.1 MOTORCYCLE

INDIA'S FIRST 5 YEAR WARRANTY *Conditions apply

TOLL FREE NO. 1800-266-0018

Hero MotoCorp Ltd, Regd. Office: The Grand Plaza, Plot No.2, Nelson Mandela Road, Vasant Kunj Phase - IL. New Delhi - 110070, India. | CIN: L.35911DL1984PLC0173541. For further information, contact your nearest Hero MotoCorp authorised outlet or CALL TOLL-FREE 1800 266 0018 or visit us on www.heromotocorp.com . Accessories and features shown may not be a part of standard fitment. Always wear a helmet while riding a two-wheeler. ˜Based on the combined & cumulative dispatch volume of the Splendor range of motorcycles till March 2025. #Internal benchmarking on the basis of data available in public forums for 100cc segment bikes in India. Hero MotoCorp reserves the rights to modify or withdraw any or all the offers without prior notice. #Ex-showroom price of SPLENDOR+ XTEC 2.0 DRUM BRAKE in Rajasthan.

अधिकृत डीलर: जयपुर: सूर्या हीरो, सीकर रोड़, लेन नं. 8, वीकेआईए, 9289922901, सुप्रीम हीरो, गोविन्द मार्ग, राजापार्क, 9289922197, आकड़ हीरो, अजमेर रोड, 9289922192, शुभम हीरो, सहकार मार्ग, 9289922207, कोटपूतली: चौधरी हीरो, 9289922797, एसोशिएट डीलर: मानसरोवर: आर.एल. मोटर्स, 9579258884, जगतपुरा: टीनिटी मोटर्स, 8003088062, करबला (जयपुर): सुपर मोटर्स, 8824088678, सिरसी रोड़ मीनावाला: रजत स्पीड जोन, 9261499995, बगरू: लाम्बा मोटर्स, 97728 81888, भांकरोटा: हरितवाल ऑटोमोबाइल्स, 9314013185, चाकसू: नाकोडा ऑटोमोबाइल, 9950560918, बस्सी: वरधानी ऑटोमोबाइल्स, 9414312552, सरफि ऑटोमोबाइल्स, 9414751333, दूदू: श्री गणेश ऑटोमोबाइल्स, 9352727667, शाहपुरा: सत्यम मोटर्स, 8104361919, हरमाड़ा: बी.एल. ऑटोमोबाईल्स, 9314050594, फुलेरा: अग्रवाल ऑटोमोबाइल्स, 9414818930, जमवा रामगढ़: उदय ऑटोमोबाइल्स, 9828090676, जोबनेर: केशव ऑटोमोबाईल्स, 8769505565, पावटा: पंकज मोटर्स, 96104 26700, कानोता: के.पी. ऑटोमोबाइल्स, 9414228404, मनोहरपुर: श्री कृष्णा मोटर्स, 8560000816, 9414643816, अचरोल: हैप्पी ऑटोमोबाइल, 9829321200, 7073888288 आंतेला: सैनी ऑटोमोबाइल्स, 7790999997, जयपुर: हार्दिक मोटर, 9828085118, रेनवाल मांजी: सालासर मोटर्स, 9001094391, मेढ़: किरण मोटर्स, 9314039090, झोटवाड़ा: प्राइम मोटर्स, 9358048181, वाटिका: बालाजी मोटर्स, 8875558222, 9549997999, तुंगा: जय बालाजी मोटर्स, 8094528008, 9549652279, कोटखावादा: श्री राम मोटर्स, 9414866716, विराटनगर: बागड़ा मोटर्स, 9928776482, वैशाली नगर: सिद्धिक मोटर्स, 9610444469, कुकस: आदित्य मोटर्स, 9829494009, दौलतपुरा: त्रिवेणी मोटर्स 6377644292, प्रताप नगर: आनंद मोटर्स 9773343232.

RS/Hero/06/25